This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.
The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
https://egangotri.wordpress.com/

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शिर्षक	ग्रंथकार	विषय	विस्तार (पुर्ण/ अपूर्ण)	टिकाकार	आकार	पृष्ठे	लिपी	सामग्री	Lines per page	Letters per line	Condition & age (शके/विकम सवंत)	A B
आयुर्विज्ञानसार	—	वैद्यक	पूर्ण	—	3/6	~~190~~ 80	नागरी	कागज	13	29		

M-2917

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥अथभाविनीनाममालाप्रारंभः॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ प्रस्तावना ॥

॥ जोधपुरनिवासीरामस्नेहीसाधांश्रीभावनादासजीमहाराजविद्वज्जनसिरोम
णीजिन्हांनैअमरहेमविश्वव्याडीधरनीमेदनीसरबकोसांकासारलेकैसुद्धसँस्कृत
शब्दपृथक्पृथक्पदच्छेदकरिकैजिनकूंसंस्कृतकाज्ञाननहीअथवाअल्पअभ्या
ससंस्कृतवेत्ताकूंपरंपरानामकीसम्यक्मालमहोवैनहीजिसवास्तेसर्बजनांकेहि
तार्थकल्याणनिमित्तभाविनीनाममालायहग्रंथवनायकरछपायकैप्रसिद्धकि
याहैमुंबईगणपतकृष्णाजीयंत्रालयछापषांनाकेमालिकआत्मारामकान्होबाके
पासछपवाया संवत॥ १९४१ चैत्र शुद्ध १ शकाब्दाः १८०७ ॥ छ॥ ॥ छ॥

॥ कवित्वः ॥ पूरनपुरुषपुण्यपंथपरिपालिबेकांदिव्यदेहधारिहैस्वरूपदरसायोहै ॥
प्रबलप्रतापमारतंडसौप्रचंडजाकोअमलअषंडछोनीमंडलमैछायोहै ॥ भाव
नहमारेगुरुदामोदरदासहीरधीरधर्मधारीवीरपूज्यपदपायोहै॥ जाकोजससंयुग
कोसाधुतासमेतसुद्धवीठूवांकीदासजूनैगीतमैवनायोहै॥ १ ॥ सोवहँगीतयहहै॥
गीतजातछोटोसांणौर ॥ महीपिछमऊंडूकरेचत्रमासो ॥ लषपुलसाधांपंथलि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

यो ॥ मारगमिलेमाङरामांझी ॥ दोयसंतांउपदेसदियो ॥ १ ॥ चायअग्राधगां
ठियोचितमै ॥ धारेसिषांचांटीयोध्यांन ॥ चारुप्रसादचाढीयोचेलां ॥ गुरांइसोई
छांटीयोग्यांन ॥ २ ॥ बाबासिष्षमिलेबाथांसूं ॥ थलजातांसूंहरतथुवो ॥ सिषवा
तांसूंनहीसलूझै ॥ हातांसूंपरमोदहुवो ॥ ३ ॥ वेडपारायणइसीवचाई ॥ महीसा
रायणसुणज्योमूट ॥ निजनारायणगुरूनिवाज्या ॥ फजरगईतारायणफूट ॥ ४ ॥
लागोग्यांनधरापरलोटै ॥ सुधबुधभूलाभोमसिलै ॥ वेहदकृपालहुवापरवरती ॥ मु
गतीपोहोरांमांहिमिलै ॥ ५ ॥ जांमघडीमुरछागतजागा ॥ हरकरआगावितनहरै ॥
लांठांगुरांपंजासिरलागा ॥ क्रमभागाडंडोतकरै ॥ ६ ॥ पूरापुरसमिलेपुनैपलै ॥ वै
गीसिमरणजुगतवणी ॥ वलतांडांगपिछमरीवाटी ॥ त्रुगटीफाटीसीसतणी ॥ ७ ॥
वांटप्रसादवलोवलवागा ॥ त्रिसनाछोडीलोभतणी ॥ चेलांगुरांवेडरीचरचा ॥ सा
धांसौसौकोससुणी ॥ ८ ॥ हीरादासदमोदरहूंता ॥ औरसंकैलेताउपदेस ॥ दिष्याइ
सीसिषांनैदीनी ॥ उवांसंतांथांनैआदेस ॥ ९ ॥ दोहा ॥ षटमिलआयाषोसबा ॥ सो
दासाधांपास ॥ हीरदासतोहदकरी ॥ दाददामोदरदास ॥ १ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीगणेशायनमः॥ अथभावनादासकृतभाविनीनाममालालिख्यते ॥दोहा॥
सतचितनितव्यापकसकल अमलअखंडीराम॥ तत्वरूपवंदौंतिनहिँ करिहैँ पूर
नकाम॥ १॥ श्रीसदगुरुअसरनसरन हरनहृदयअज्ञान॥ दामोदरवंदौंचरन क
रनसदाकल्यान॥ २॥ दामोदरसमदिव्यतव दामोदरगुरुदृष्टि॥ कृपासिंधुमोप
रकरहु कृपावारिकीवृष्टि॥ ३॥ रचौंनाममालारुचिर अमरकोशअनुसार॥
शुद्धसंसकृतशब्दयुत हितसबहीचितधार॥ ४॥ प्राकृतनामप्रसिद्धपुनि उचरत
लोकअनेक॥ परगटशब्दप्रसंगमै कहौंइहांकितनेक॥ ५॥ कहुँशकारतालव्यक
हुँ मूर्द्धनिदंतिदिषांहि जथाजोग्यजेहिशब्दमै मैलिखिहांएहिमांहि॥ ६॥ सोतो
केवलसंसकृत विज्ञनकेहितवात॥ कहूंननेमसकारकौ भाषामांहिकहात॥ ७॥
कहुँदीरघलघुउच्चरत लघुकहुँदीरघलेष॥ प्राकृतछंदप्रवृत्तिहित बहुधादोषनदेष
॥ ८॥ तातैंतजिदूषनसुनहि सज्जनसहितसनेह॥ निश्चैनामपिछानिबौ परमप्र
योजनएह॥ ९॥ नामसमुझविननांलहै नामीकौनिरधार॥ नामीकेनिरधारविन
वनैनवस्तुविचार॥ १०॥ सत्यअसत्यनसमुझिहैं वस्तुविचारविहीन॥ विनविचा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रआनंदवड लहैनजगमगलीन॥ ११॥तातैंजनभावनभनहि नाम पिछानहुनित्य॥ समुझतग्रंथसिधंतद्वै कंठकरतकृतकृत्य ॥ १२ ॥राजाअरुकविराजकै प्रगटकोश बलपूर ॥ याकेसंचयतैंउभय जयजसलहतजरूर ॥ १३ ॥ गणेशनाम ॥ ११ ॥ मूषकवाहनगजवदनद्वैमातुरइकदंत ॥ लंबोदरगणपतितथा गौरीतनयंकहंत ॥ ॥ १४ ॥विघनराजसुविनायकरु परशुपाणिहेरंब ॥ कारजशुभसबकरतही आ दिभजद्दुसुतअंब ॥ १५॥ सरस्वतीनाम॥ ८॥ वाग्देवीगीभारती सारदसरस्वति जान॥ हंसवाहिनीविधिसुतावानीनामवषान॥ १६॥ब्रह्मनाम॥ १०॥ परब्रह्म पूरणंपरम नित्यंनिरंजननाम॥ चिदानंदव्यापकंविभू परमातमंपरधाम ॥ १७ ॥ ब्रह्मानाम॥ ११॥ विधिवेधाब्रह्माद्रुहिणं चतुराननलोकेश॥ कमलासनंअजंकम लभू हिरण्यगर्भईरेश ॥ १८॥ धातास्रष्टाविश्वस्रृजं परमेष्ठीसुरज्येष्ठ॥ कहियवि रंचिस्वयंभुयह नामपितामहंश्रेष्ठ॥ १९॥ कृष्णनाम॥३५॥ छप्पय॥ नारायणश्री कृष्णंविष्णुवैकुंठविश्वंभर ॥ स्वभूविष्टरश्रवापुंडरीकाक्षंदामोदर ॥ हृषीकेशकेश वंउपेंद्रइंद्रावरजद्दुलहि ॥ गरुडध्वजदैत्यारिजनार्दनपीतांबरंकहि॥ वनमालिंअ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

धोक्षजकंसरिपुमाधवश्रीपतिसौरिहरि ॥ श्रीवत्सलांछनरुमधुमथनपद्मनाभकौ
ध्यानधरि ॥ २० ॥ दोहा वासुदेवदेवकितनय विष्वकसेनमुरारि ॥ प्रभुचक्रपाणि
त्रिविक्रमहु शार्ङ्गीसबसुखकारि ॥ २१ ॥ गदाइनहिकौमौदकी नंदकखड्गनिहार
चक्रसुदर्शनजानियै शंखपांचजनसार ॥ २२ ॥ बलदेवनाम ॥ १७ ॥ ललितपद
छंद ॥ प्रलंबारिबलभद्रहलायुधअच्युताग्रजहिजानो ॥ रौहिणेयतालांकहली मुस
ली नीलांबरमानो ॥ कामपालकालिंदीभेदनसंकर्षणबलरामा ॥ सीरपाणिरेव
तीरमणबलदेवनामअभिरामा ॥ २३ ॥ कामदेवनाम ॥ २४ ॥ मन्मथमारमदन
प्रद्युम्नरुमीनकेतनहिकहियै ॥ स्मरअनंगकंदर्पपंचशरमयनरुमनसिजलहियै ॥
शंबरारिमधुसखकुसुमेषुअनन्यजरतिपतिराजै ॥ कामपुष्पधन्वामकरध्वजआ
तमभूपुनिभ्राजै ॥ २४ ॥ रमापुत्रअरुविश्वकेतुविषमायुधइच्छयजाना ॥ कामबा
णनाम ॥ ५ ॥ मोहनउन्मादनअरुशोषनताडनमारनबाना ॥ लक्ष्मीनाम ॥ ११ ॥
लोकमातइंदिरारमामालक्ष्मी श्रीहरिप्यारी ॥ पद्मापद्मालयारुकमलासिंधुसुता
सुखकारी ॥ २५ ॥ गरुडनाम ॥ १ ॥ गरुत्मानअरुगरुडखगेश्वरवैनतेय हरियाना

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पन्नगारिनागांतकसुपर्णतार्क्षनामपहिचाना ॥ शिवनाम ॥ ५४ ॥ शंभुशर्वपशु
पतिशिवशूलिमहेश्वरईश्वरईशा ॥ खंडपरशुमृत्युंजयमृडप्रमथाधिपगिरिशगि
रीशा ॥ २६ ॥ उग्रकपर्दीचंद्रमौलिहरशंकरभवभूतेशा ॥ वामदेवसर्वज्ञधूर्जटीभी
मस्थाणुमहेशा ॥ उमानाथशितिकंठत्रिलोचनस्मरहररुद्रकपाली ॥ त्र्यंबकत्रिपुरां
तकगंगाधरव्योमकेशपुनिव्याली ॥ २७ ॥ क्रतुध्वंसिकृतिवासभर्गवृषकेतुपिना
कीपेषहु ॥ विरूपाक्षअरुअग्निरेतपुनिनीललोहितहिलेषहु ॥ महादेवश्रीकंठभूतपति
अंधकरिपुईशाना ॥ अष्टमूर्तित्रिपुरारिदिगंबरपावननामपिछाना ॥ २८ ॥ दोहा ॥
कहियकपर्दहिशिवजटा अजगवधनुषकहात ॥ प्रमथशंभुकेपारषद ब्राह्मीआदि
कमात ॥ २९ ॥ अष्टसिद्धिनाम ॥ आणिमामहिमागरिमता लघिमाप्रापतिलेष
पुनिप्राकाम्यरुईशिता वसितासिद्धिविशेष ॥ ३० ॥ नवनिधिनाम ॥ महापदमनी
लरुपदम शंखमकरकहिखर्व ॥ कछपकुंदमुकुंदइम जानहुनवनिधिसर्व ॥ ३१ ॥
पार्वतीनाम ॥ २२ ॥ ललिपदछंद ॥ कालीशिवाईश्वरीगौरीहैमवतीरुद्राणी ॥ का
त्यायनीअपर्णादुर्गापारवतीशर्वाणी ॥ सर्वमंगलाचंडिचंडिकामेनकसुतामृडानी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection.

दाक्षायणी अंबिका देवी अंबा उमा भवानी ॥ ३२ ॥ कार्त्तिकेय नाम ॥ १७ ॥ कार्त्तिकेय
शरजन्म षडानन पारबती सुत जानहु ॥ तारकजित विशाख शिखिवाहन षाण्मातुर
हिमानहु ॥ सेनानी गुह बाहुलेय पुनि षेषहु क्रौंच विदारा ॥ महासेन अनलज शक्तीध
र कहिय सकंद कुमारा ॥ ३३ ॥ देव नाम ॥ २४ ॥ निर्जर अमर त्रिदिशत्रिदिवेश दिवौ
कश दिविषद लेखा ॥ आदितेय सुर सुमन सुपर्वी वृंदारका विशेषा ॥ ऋभु आदित्य अ
स्वप्न अमर्त्य रुक्रतुभुज अमृत अहारी ॥ वर्हिर्मुख गीर्वाण देवता दितिज देव दनुजारी
॥ ३४ ॥ देवजाती नाम ॥ १० ॥ किन्नर विद्याधर अरु अपसर जक्ष रक्ष गंधर्वा ॥ गु
ह्यक सिद्ध पिशाच भूत यह देवजोनि मैं सर्वा ॥ दैत्य नाम ॥ १३ ॥ दानव दनुज शुक्रशि
ष दैत्य रु दितिज असुर इंद्रारी कर्बुर निश्चर यातुधान कौण पक्रव्याद सुरारी ॥ ३५ ॥
जैन मत के आचार्य नाम ॥ १९ ॥ सुगत बुद्ध जिन तीर्थकर अर्हन केवली कहाई ॥ दशब
ल अद्वयवादि मारजित मुनि श्री घन सुखदाई ॥ शाक्यसिंह सर्वार्थसिद्ध शौद्धोदनि
गौतम गावै ॥ अर्कबंधु माया देवी सुत शाक्यमुनी समुझावै ॥ ३६ ॥ स्वर्ग नाम ॥ २० ॥
दोहा ॥ स्वर्ग नाक सुरलोक स्वर गौद्यौ नाम हि होय ॥ त्रिदशालय दिव त्रिदिव पुनि क

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

हियत्रिविष्टपंसोय॥३७॥इंद्रनाम॥३०॥ कवित्त॥ मघवांविडोजांमेघवाहनंसुरेंद्रं
इंद्रंशक्रंशतमन्युंपाकशासनंपिछानियै॥ वज्रीवृत्रहारीसुनासीरपुरुहूतंजिष्णुपुरं
दरंपर्वतारिवासवंवखानियै॥ शचीपतिंजंभभेदीसूत्रामासहसनैनंआखंडलवृषा
वासतोषपतिंमानियै॥ शतक्रतुंबलारिस्वाराजऔनमुचिहारिंदिवपतिंऋभुक्षाधु
श्यवनंदिषानियै॥३८॥ बज्रनाम॥१०॥ दोहा॥ दंभोलीशतकोटिस्वरु कुलिश
भिदुरंपविंपेष॥ शंबअपरपुनिह्रादिनी अशनीवज्रविशेष॥३९॥ ऐरावतनाम॥
॥५॥ऐरावतंऐरावणंरु अभ्रमुबल्लभंमान॥ नामअभ्रमातंगंपुनि सुरपतिगजंपहि
चान॥४०॥ अमृतनाम॥३॥ सुधांअमृतंपीयूषंपुनि॥ कल्पवृक्षनाम॥६॥ पारि
जातंमंदारं॥ कल्पवृक्षंसंतानंहरि चंदनंसुरतरुंधार॥४१॥आकाशगंगानाम॥३॥
मंदाकिनिंसुरदीर्घिकां स्वरनदिंगंगअकाश॥ सुमेरुनाम॥५॥ मेरुंसुमेरूंहेमगि
रिं रतनसानुंसुरवासं॥४२॥ अश्विनीकुमारनाम॥६॥ आश्विनेयंस्वरवैद्यंपुनि
कहिअश्विनीकुमारं॥ आश्विनंनामउदस्रंलहि सोउनासत्यंनिहार॥४३॥ शोभ
तवेश्यास्वर्गकी आदिउर्वशींसर्व॥ हाहांहूहूंआदिबहु गावहिसुरगंधर्ब॥४४॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अग्निनाम ॥ ४३ ॥ कवित्त ॥ वैश्वानरवीतिहोत्रवर्हिशुष्माविभावसुपावकअ
नलवायुसखाशिखावानुहै ॥ धनंजैकरुपीटयोनिज्वलनऔजातवेदउपर्बुधआश्र
याशअग्निवृहद्भानुहै॥ हुतभुगूदहनहव्यवाहनहिरण्यरेतावन्हिकृष्णवर्त्माआशुशु
क्षुणिकृशानुहै॥ अप्पितंतनूनपातशोचिकेशरोहिताश्वसमार्चिदमुनशुचिशुक्रचि
त्रभानुहै॥४५॥ अग्निज्वालानाम॥५॥ दोहा॥ कीलावर्चीहेतिअरु ज्वालाशिखा
कहाय ॥ चिणगारीनाम ॥ २ ॥ विस्फुलिंगपुनिअग्निकण ॥ बडवानलनाम
॥ २॥बाडवऔर्व वताय॥ ४६ ॥ धर्मराजनाम ॥ १४॥ कवित्त॥ धर्मराजपितृप
तिदक्षिणदिगीशयमराजकृतांतयमंयमुनासुभ्रातहै॥ कालसमवरतीपरेतराज
दंडधरश्राद्धदेववैवश्वतअंतकंकहातहै॥ कुबेरनाम ॥ १३॥ गुह्यकेशधनाधिपशं
भुसखाराजराजएकपिंगश्रीदइलविलातनुजातहै ॥ किन्नरेशऔकुबेरपुलस्तपौ
त्रविश्रवातनुजनरवाहनविख्यातहै ॥ ४७ ॥ वरुणनाम ॥ ८॥ दोहा॥ वरुणप्रचे
तापाशभृत पाशीजलपतिजान॥ पश्चिमदिकपतिउदधिगृह यादसपतिपहिचान
॥ ४८॥ पवननाम॥ २१॥ मारुतमरुतसमीरपृषदश्वअनिलजगप्रान॥श्वसनसप

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रसनंगंधवह वातंपवनंपवमान ॥॥ ४९ ॥ वायुंसमीरणंनित्यगतिं मातरिश्वंनभ
वानं ॥ आशुगंअहिप्रियंप्रकंपनं नामप्रभंजनंजान ॥ ५० ॥ प्राणंअपानंसमानं
पुनि व्यानंउदानंवषान ॥ यहनितवसतसरीरमै पंचवायुपहिचान ॥ ५१ ॥ प्राण
ल्टैरुअपानंगुद नाभीवसतसमानं ॥ कंठउदानंरुव्यानंपुनिं सबसरीरगतजान
॥ ५२ ॥ प्रगटनाम ॥ ५ ॥ प्रगटंस्पष्टस्फुटंपेषियै व्यक्तंप्रकाशंकहात ॥ वेगनाम
॥ ६ ॥ तरंरयंस्यदंजवंरंहसंहि वेगंनामविख्यात ॥ ५३ ॥ जलदीनाम ॥ १३ ॥
त्वरितंक्षिप्रंलघुंचपलद्रुतं सत्वरंतूर्णंकहाय ॥ अविलंबितंअरंसपदित्वरं शीघ्र
आसुं समुझाय ॥ ५४ ॥ नित्यकंनाम ॥ १० ॥ सततंअनारतंअनवरतं संततंअ
विरतंसोय ॥ अनिसंअजस्रंअस्रांतंपुनि नित्यंनिरंतरंहोय ॥ ५५ ॥ अतिशय
नाम ॥ १३ ॥ अतिशयंभरंअतिवेलंभृशं निर्भरंदृढउदगाढं ॥ तीव्रंइकांतंनितां
तंअतिमात्रंगाढंअरुवाढं ॥ ५६ ॥ इतिगणेशवर्गः ॥ १ ॥ ॥ आकाशनाम
॥ १९ ॥ व्योमंविहायसंअभ्रंनभं अबंरंवियतंअनंत ॥ खंद्यौंपुष्करंदेषियै सुरव
रतमांकहंत ॥ ५७ ॥ अंतरिक्षंआकाशंपुनि नाकंविष्णुपदंजान ॥ गगनंघना

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection.

श्रयंगाइयै दिवंघूंनामवषान ॥ ५८ ॥ इतिव्योमवर्गः ॥ २ ॥ दिशानाम ५
ताकेदेव ८ दिग्गज ८ केनाम ॥ घनाक्षरी छंद ॥ कासटांककुपूंआशांहरितंदिशां
केनामप्राचीपूर्वंदक्षिणअवाचींत्यूंप्रतीचीजान ॥ पश्चिमंउदीचीउत्तराहैकोणआ
गनेयंनैरित्यंरुवायव्यईशानंक्रमहीतैंमान ॥ इंद्रंअग्निंधर्मराजंनैरितंवरुणंवायुरा
जराजंईशंअष्टदिशापतिपहिचान ॥ ऐरावतपुंडरीकंवामनंकुमुदंअंजनपुष्पदंतसा
र्वभौमंसुप्रतीकंगजठान ॥ ५९ ॥ दिग्गजांकीआठस्त्रीनाम ॥ दोहा ॥ अभ्रमुंकपि
लांपिंगलां अनुपमंतामरकर्णिं ॥ शुभ्रदंतिंअरुअंगनां अंजनवतींसुवर्णिं ॥ ६० ॥
दिशाकेमध्यनाम ॥ २ ॥ अपदिशंविदिशंवषानियै ॥ मध्यनाम ॥ २ ॥ अभ्यंतरंअँ
तरालं ॥ फेरनाम ॥ ३ ॥ मंडलंघेरांमानियै वरनहिसोउचक्रवालं ॥ ६१ ॥ मेघ
नाम ॥ १७ ॥ घनाक्षरीछंद ॥ धाराधरंमेघंतनयितनुंबलाहकंहैधूमयोनिंवारि
वाहंवारिदंतडितवानं ॥ मुदिरंजीमूतंअभ्रंनीरदंजलदंघनंनामपरजन्यंअंबुधरं
जलधरंजान ॥ वीजलीनाम ॥ ११ ॥ शंपांशतह्रदाह्रादिनीरुऐरावतीक्षणप्रभां
चंचलांऔचपलांत्योंविद्युतंवषान ॥ तडितंसौदामिनींरुदामिनींकहावतुहै ॥ मेघ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

गर्जनाम ॥ ४ ॥ गर्जितंतनितंमेघनिस्वनंरसितंमान ॥ ६२ ॥ घटानाम ॥ २ ॥ दोहा ॥ मेघमालंकादंबिनी ॥ वर्षानाम ॥ २ ॥ वृष्टीवर्षाजान ॥ वर्षानहोनैके नाम ॥ २ ॥ अवग्राहंअवग्रहंउभय वर्षाबाधकमान ॥ ६३ ॥ इंद्रधनुषनाम ॥ २ ॥ इंद्रायुधंरोहितऋजू ॥ मेघधारानाम ॥ २ ॥ धारापातंआसारं ॥ वीजली केशब्दनाम ॥ २ ॥ स्फुर्जथुंवज्रनिघोषंपुनि ॥ जलकणनाम ॥ २ ॥ जलकणंनी रफुँहार ॥ ६४ ॥ गडानाम ॥ ४ ॥ ओलावर्षोपलंकरकं करकानामहिहोय ॥ घन आछादितदिवसजो दुर्दिनंकहियैसोय ॥ ६५ ॥ ढकेहुवेकेनाम ॥ ९ ॥ आछा दनंअपवारणंहि तिरोधानंअपिधानं ॥ अंतर्द्धांअंतर्द्धिव्यवधांछादनंरुपिधान ॥ ६६ ॥ चंद्रनाम ॥ २० ॥ ग्लौसुधांशुंशुभ्रांशुंअरु शशधरंअब्जंनि शेशं ॥ सोममृगांकंकलानिधीं जैवातृकंनखतेश ॥ ६७ ॥ चंद्रंक्षपाकरंचं द्रमांकुमुदबंधुंद्विजराजं ॥ इंदुंओषधीईशंपुनि विधुंहिमअंसुंविराज ॥ ६८ ॥ क लांषोडशोभागकहि मंडलंबिंबंअखंड ॥ अर्द्धोर्द्धहिंसमभागसो ॥ टूकनाम ॥ ३ ॥ भित्तंशकलंअरुखंड ॥ ६९ ॥ चिह्ननाम ॥ ६ ॥ चिन्हंलक्ष्मंलक्षणंकहिय लांछनंअं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कंकलंक ॥ शोभानाम ॥ ५ ॥ सुषमांशोभांकांतिंद्युतिं छबिंपुनिलषद्दुनिशंक
॥ ७० ॥ पालैकानाम ॥ ६ ॥ मिहिकांप्रालेयंरुतुहिनं हिमंनीहारंतुषारं ॥ ठंडनाम
॥ ५ ॥ शीतसुशीमंरुशिशिरंजडं शीतलंनामउचार ॥ ७१ ॥ तारानाम ॥ ६ ॥ तारांउडु
नक्षत्रभं ऋक्षंतारकांजान ॥ अश्विनिंभरणीकृत्तिकां रोहिनिंआदिपिछान ॥ ७२ ॥
बृहस्पतिनाम ॥ ९ ॥ सुराचार्यंगीपतिंधिषणं गुरुआंगिरसंवषान ॥ चित्रशिखंडि
जंवाचपतिं जीवंबृहस्पतिंजान ॥ ७३ ॥ शुक्रनाम ॥ ६ ॥ शुक्रंदैत्यगुरुकाव्यंक
विं उशनांभार्गवंआहि ॥ मंगलनाम ॥ ४ ॥ अंगारकंकुजंभौमंअरु लोहितांग
कहिताहि ॥ ७४ ॥ बुधनाम ॥ ३ ॥ रौहिणेयंबुधंसोमसुतं ॥ स्थावरनाम ॥ २ ॥
शौरिंशनैश्चरंसोय ॥ राहुनाम ॥ ५ ॥ सैंहिकेयंस्वर्भानुंतमं राहुंविधुंतुदंहोय ॥
॥ ७५ ॥ सप्तऋषिनाम ॥ मुनिमरीचिंअरुअंगिरां पुलहंपुलस्त्यंवताय ॥ क्रतुंव
शिष्टंपुनिअत्रियह सप्तशिखंडिकहाय ॥ ७६ ॥ सूर्यनाम ॥ ४३ ॥ घनाक्षरीछंद ॥
सूरंभानुंहंससूर्यंअर्कंमारतंडंरविंद्युमणिंतरणिंमित्रंचित्रभानुंभासकरं॥मिहिरंअ
रुणंपूषांउष्णरश्मिंविकर्त्तनंसवितांसहस्रअंशुंतपनंअहसकरं ॥ त्रयीतनुंअर्यमां

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पतंगंहरिंचंडअंशुंविरोचनंव्रधनंऔग्रहाधीशंविभाकरं॥ भासवानंविवस्वानंवि
भावसुंअहर्नाथंप्रभाकरंसप्तअश्वंद्वादशात्मांदिवाकरं ॥ ७७ ॥ दोहा ॥ तिमिरा
रीइनंखगंरुभगं दिनमणिंनामदिषाय ॥ माठरंपिंगलंदंडंतिहुँ ग्रहरविपासरहाय
॥ ७८ ॥ सूर्यकुंडालैकेनाम ॥ ४ ॥ उपसूर्यकंमंडलंपरिधिं पुनिपरिवेषंविख्यात॥
॥ अरुणनाम ॥ ५ ॥ सूरसूतंकाश्यपिंअरुणं अनुरुंगरुडवडभ्रातं ॥ ७९ ॥ कि
रणनाम ॥ १३ ॥ कवित्त ॥ किरणंमयूषंअंशुंउस्रंरास्मिंधृष्णिंघृणिंगोंगभस्तिंदीधि
तिंमरीचिंभानुंकरंहै ॥ प्रभानाम ॥ ८ ॥ प्रभांरुचिंरोचिंशोचिंदीप्तिंद्युतिंभासंछ
बि ॥ घामनाम ॥ ४ ॥ आतपंप्रकाशंद्योतंघामंकोंउचरहै ॥ थोडागरमनाम ॥ ४ ॥
कोष्णंऔकवोष्णंमंदउष्णंरुकदुष्णंकहि ॥ जाद्दागरमनाम ॥ ४ ॥ तीक्षणंतिगमं
अतिउसनंरुखरंहै ॥ मृगतृष्णानाम ॥ ३ ॥ कहैमृगतृष्णांमृगतृष्णिकांमरीचिकां
सोभासैभानुकरतैंसुनीरकोसौंभरहै ॥ ८० ॥ इतिदिग्वर्गः ॥ ३ ॥ कालनाम ॥
॥ ४ ॥ दोहा ॥ कालंसमयंअरुदिष्टंपुनिं कहैअनेहांताहि ॥ एकमनाम ॥ ३ ॥ प
रिवांप्रतिपदंपक्षती आदिकतिथिगनआहि ॥ ८१ ॥ दिननाम ॥ ७ ॥ दिनंदिवं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अहंवासरंदिवा दिवसंघस्रंपुनिसोय ॥ प्रभातनाम ॥ ६ ॥ प्रातंप्रभातंप्रत्यूषंउष
कल्पंअहर्मुखंहोय ॥ ८२ ॥ संध्यानाम ॥ ४ ॥ सायंसंध्यांपित्प्रसूंदेखहुपुनिदि
नअंतं ॥ प्राङ्गरुमध्यंअपरान्हंइमं संध्यातीनकहंत ॥ ८३ ॥ रजनीमुखंरुप्रदोषंद्वै
रजनीआरंभजान ॥ आधीरातनाम ॥ २ ॥ आधीरातंनिशीथंपुनि ॥ प्रहरनाम ॥
॥ २ ॥ यामंरुप्रहरंप्रमान ॥ ८४ ॥ रात्रीनाम ॥ ११ ॥ दोषांनिशांनिसीथिनी
सर्वरीरात्रिंत्रियामं ॥ क्षणदांक्षपांविभावरी यामिनीरजनीनाम ॥ ८५ ॥ तमीतमि
स्रांकहियद्वैं कृष्णपक्षकीरात ॥ ज्योत्स्नाकौमुदीचंद्रिका रजनीशुक्लकहात ॥ ८६ ॥ पू
र्णमासीनाम ॥ ४ ॥ पूरणमासीपूर्णिमा अनुमतिंकलाविहीन ॥ राकापूरणचंद्र
जुत परगटकहतप्रवीन ॥ ८७ ॥ अमावसनाम ॥ ५ ॥ अमावास्यांरुअमावस्यां
दर्शसूरशशिसंग ॥ सिनीवालीजबदीषशशि कुहूनचंदप्रसंग ॥ ८८ ॥ ग्रहणना
म ॥ ४ ॥ उपरक्तंरुउपरागंग्रहं सोपप्लवंहिकहांहि ॥ रविशशिइकसंगउच्चरत पुष्प
वंतसमुझांहि ॥ ८९ ॥ मृगशिरनाम ॥ ४ ॥ मार्गशीर्षंसहंमार्गंअरु आग्रहायणि
कंआहि ॥ पोषनाम ॥ ३ ॥ पोषंरुतैषंसहस्यंपुनि ॥ माघनाम ॥ २ ॥ तपांमाघं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कहैताहि ॥ ९० ॥ फाल्गुननाम ॥ ३ ॥ फाल्गुनंतपस्यंफाल्गुनिकं ॥ चैत्रनाम ॥ ३ ॥चैत्रिकंमधुंकहिचैतं ॥ वैशाखनाम ॥ ३ ॥ माधवंराधंविशाखंअरु ॥ जेष्टनाम ॥ २ ॥ जेष्टंशुक्रंकहिदेत ॥ ९१ ॥ आषाढनाम ॥ २ ॥ शुचिंआषाढंरु ॥ श्रावणनाम ॥ ३ ॥ श्रावणिकं श्रावणंनभांवषान ॥ भाद्रवानाम ॥ ४ ॥ भाद्रं भाद्रपदंप्रौष्टपदं नामनभस्यंपिछान॥ ९२ ॥ आशोजनाम ॥३॥ आश्विनंइषं अरुआश्वयुजं ॥ कातीनाम ॥ ४ ॥ कार्त्तिकंबाहुलंनाम ॥ ऊर्जंकार्तिकिकंक महितैं कहेमासअभिराम ॥ ९३ ॥षटऋतुनाम ॥हिमंअरुशिशिरंवसंतपुनि ग्रीषमंवरषांजान ॥ शरदंमासदुइदुइनकी क्रमतेंषटऋतुमान ॥ ९४॥ षटऋतुभिन्नभिन्ननाम ॥ हिमंहेमां जानद्रुशिशिर ऋतुपतिंसुरभिंवसंत ॥ ग्रीषमंउष्णं निदाघंतपं उष्णागमंहिकहंत ॥ ९५ ॥ प्रावटंवरषांजानियै ॥ शारदंशरदंकहाय ॥ भिन्नभिन्नषटऋतुनके दीनेनामवताय ॥ ९६ ॥ वर्षनाम ॥ ६ ॥ संवत्सरंहायनंसमां शरतंअब्दंकहिसोय ॥ शतवर्षनकीआयुनर करहिसफलयहिकोय ॥ ९७॥ ॥निमेषआदिप्रलयपरयंतकालभेदनाम ॥ कवित्त ॥ कासटांकहा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तैहैअठारहनिमेषहूकीतीसकासटाकीपुनिकलाएककहियै ॥ तीशकलामिलेतैं
कहावतुहैएकक्षणद्वादशक्षणनहूतैंमुहूरतठहियै॥ मुहूरततीसतैंदिवसरैंनरैंनजुतपं
चदशदिनपक्षशुक्लकृष्णगहियै॥पक्षद्वैकोमासमासद्वैकोऋतुतीनऋतुअयनअय
नद्वैकोसंवत्सरलहियै ॥ ९८॥ दोहा ॥ उत्तरअरुदक्षिणअयन पेषहुउभयप्रका
र ॥ समदिनरजनीकालवँहँ विषुवतंविषुवंविचार ॥ ९९ ॥ एकमासजोनर
नको पितृनकोदिनरात॥ शुल्कपक्षकौदिवसतेहि रजनीकृष्णकहात॥ १००॥ न
रसंवत्सरसुरनको दिनरजनीदरसंत ॥ दिनजानहूउत्तरअयनं दक्षिणंनिशाक
हंत ॥ १०१ ॥ जुगसहस्रद्वैसुरनकौ विधिदिनरैनवताय ॥ सोदिनरजनीनरन
को थितिअरुप्रलयंकहाय ॥ १०२ ॥ प्रलयनाम॥ ६ ॥ प्रलयंकल्पंसंवर्त्तंक्षयंल
यंकल्पांतंनिहारं ॥ नितनैमित्तिकंप्राकृतंहि आत्यंतिकंविधिचार ॥ १०३ ॥ पा
पनाम॥ १३ ॥ किल्विषंकल्मषंकलुषंअघं पाप्मापंकरुपापं ॥ वृजिनंएनंअंहस
दुरितं दुष्कृतंप्रदसंताप ॥ ४ पुण्यनाम ॥ ५ ॥ श्रेयंसुकृतंवृषंधर्मंपुनं ॥ हर्षनाम
॥ १० ॥संमदंप्रमदंप्रमोदं॥ शर्मशांतंसुखंहर्षमुदं आनंदंरुआमोदं॥ ५॥ कल्या

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

णनाम॥ १३ ॥ भद्रभव्यभाउकभविक स्वंशिवश्रेयकल्यान ॥ मंगलशुभशंकुश
लपुनि कहियक्षेमअभिधान॥ ६॥ सुंदरकेनाम ॥ ६॥ उदघप्रकांडमंचर्चिकांत
लुजमतल्लिकांहि॥ पेषहूप्रगटप्रशस्तपुनि अयशुभभाग्यकहाहि ॥ ७॥ पूर्वजन्म
केकर्मनाम॥ ६॥ दैवंदिष्टभाग्यरुनियतिं भागधेयंविधिजान ॥ कारणनाम॥
॥ ४॥ हेतुबीजकारणकहिय कारणआदिनिदानं॥ ८॥ आत्मानाम ॥ ३ ॥ क्षेत्र
ज्ञरुआत्मापुरुष॥ प्रकृतिनाम॥ ३॥ प्रकृतिअव्यक्तप्रधानं ॥ सतरजतमयहतीन
गुन॥ उंमरनाम ॥ २ ॥ वयरुअवस्थामान॥ १ ॥ जन्मनाम॥ ६॥ जन्मजननं
जनिजनुजथा उत्पतिउदभवहोय॥ जीवनाम ॥६ ॥ जंतुजन्युचेतनजन्मि प्रा
णिशरीरीसोय ॥ १० ॥ जातिनाम ॥ ३ ॥ जातिजातसामान्यपुनि व्यक्तिपृ
थकपहिचान ॥ मननाम ॥ ७ ॥ चेत्तंचित्तंहृतंस्वांतंमनं मानसंहृदयंवषा
न॥ ११॥ इतिकालवर्गः॥ ४ ॥ बुद्धिकेनाम॥ १५ ॥ बुद्धिमनीषाशेमुषी धीम
तिधिषणाधार॥ प्रज्ञाप्रेक्षाचेतना चितउपलब्धिविचार ॥ १२ ॥ संवितप्रति
पतज्ञप्तिसोउ मेधाधारणवान ॥ समाधाननाम॥ ३ ॥ समाधानअवधानअ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रु पेषद्रुसोप्रणिधानं ॥ १३ ॥ तर्कनाम ॥ ४ ॥ अध्याहारुतर्कपुनि ऊहाऊहंक
हाय ॥ संदेहज्ञाननाम ॥ ४ ॥ विचिकित्सासंदेहसंशयद्वापरसमुझाय ॥ १४ ॥
मिथ्याज्ञाननाम ॥ २ ॥ नास्तिकतामिथ्यादृष्टि ॥ निश्चयज्ञाननाम ॥ २ ॥ निर्णय
निश्चयजान ॥ चिंतनजोपरद्रोहकौ सोव्यापादवषान ॥ १५ ॥ सिद्धांतनाम ॥
॥ २ ॥ सिद्धांतरुराद्धांतद्वै ॥ भ्रमज्ञाननाम ॥ ३ ॥ भ्रमंमिथ्यामतिभ्रांति जथा
रज्जुमैसर्पमृगतृष्णामेंजलकांति ॥ १६ ॥ अंगीकारनाम ॥ १० ॥ संश्रवसंवि
दंआश्रवरु नियमआगुप्रतिज्ञान ॥ अंगीकारसमाधिप्रतिश्रवअभ्युपगममान
॥ १७ ॥ मोक्षनाम ॥ ८ ॥ मुक्तिंअमृतंअपवर्गंनिश्रेयंश्रेयंनिर्बान ॥ मोक्षंअपरकै
वल्यपद ॥ अज्ञाननाम ॥ २ ॥ अहंबुद्धिंअज्ञान ॥ १८ ॥ इंद्रियनाम ॥ ६ ॥
गोलषीकइंद्रियंकरणं विषयीअक्षंविचार ॥ विषयनाम ॥ ३ ॥ इंद्रियार्थगोचरं
विषयं शब्दादिकनिरधार ॥ १९ ॥ पंचज्ञानेंद्रियनाम ॥ श्रवनंत्वचाचक्षूरसनं घा
नंसुइंद्रियज्ञान ॥ याकेपंचदेवनाम ॥ दिशापवनंरविवरुनंपुनि अश्विनिक्रमसुर
जान ॥ २० ॥ याकेपंचविषयनाम ॥ शब्दंसपरसंरुरूपंरसं गंधविषयकहियेजु ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कर्मेंद्रियनाम ॥ ५ ॥ वाकपाणिपदशिश्नगुद कर्मेंद्रियलहियेजु ॥ २१ ॥ याके
देवनाम ॥ ५ ॥ अनलइंदुअरुविष्णुविधि मित्रदेवएहिदेष ॥ याकेविषयनाम
॥ ५ ॥ वचनशिल्पगतिभोगमलत्यागविषयपुनिपेष ॥ २२ ॥ षटरसनाम ॥ मधुर
कषायरुलवणकटु तिक्तअम्लइरसाय ॥ अतरआदिसुगंधनाम ॥ प्रगटतजोसं
घर्षतै परिमलगंधकहाय ॥ २३ ॥ अतिमनहारीदूरितें आषहितेहिआमोद ॥ सुर
भिघ्राणतर्पणसुगँधिइष्टगंधप्रदमोद ॥ २४ ॥ आमोदीमुखवासना पूतिगंध
दुर्गंध ॥ आमगंधिमांसादिकी सोईविस्रकुगंध ॥ २५ ॥ सुपेतरंगनाम ॥ १३ ॥
शुक्लशुभ्रपांडुरधवल अर्जुनसितअवदात ॥ उज्वलश्वेतवलक्षशुचि विशदगौर
विख्यात ॥ २६ ॥ कुछपीलाउज्वलनाम ॥ ३ ॥ हरिणपांडुपांडुरतिहूं कछुकपीत
सितसंग ॥ किमपिपांडुधूसरकहिय जिमकपोतगलरंग ॥ २७ ॥ श्यामनाम ॥ ७ ॥
कालनीलकृष्णरुअसित श्यामलमेचकश्याम ॥ पीलानाम ॥ ४ ॥ पीतगौरपी
लाप्रगट हरिद्राभपुनिनाम ॥ २८ ॥ हरानाम ॥ ३ ॥ हराहरितपालाशपुनि
लालनाम ॥ ५ ॥ लोहितरोहितरक्त ॥ शोणकोकनदछवियथा अरुणरागअ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

व्यक्त ॥ २९ ॥ श्वेतरक्तपाटलवरन ॥ वानरसमरंगनाम ॥ २ ॥ श्यावकपिशंस
मुझाय ॥ कृष्णरक्तद्वैवरनमिलि धूमलधूम्रकहाय ॥ ३० ॥ सुवर्णसमरंगनाम ॥ ६ ॥
कपिलकडारुकद्रुपुनि पिंगलपिंगपिशंग ॥ चित्रविचित्ररंगनाम ॥ ५ ॥ चित्र
शबलकल्माषकिरमीरुकर्बुरंरंग ॥ ३१ ॥ इतिधीवर्गः ॥ ५ ॥ बोलनैकेनाम ॥ ६ ॥
वचअरुभाषितलपितलहि उक्तिवचनव्याहार ॥ अशुद्धशब्दनाम ॥ २ ॥ अपभ्रंश
अपशब्दयह वचनअशुद्धविचार ॥ ३२ ॥ वेदकेनाम ॥ ४ ॥ श्रुतिआम्नायरुवेदपुनि
त्रयीछंदयहनाम ॥ त्रयीकहतयहितीनकौं मुनिजनऋग्यजुसाम ॥ ३३ ॥ वेदके
षट्अंगनाम ॥ शिक्षाकल्परुव्याकरण ज्योतिषछंदनिरुक्त ॥ कहियअंगषटवेदके ॥
ॐकारनाम ॥ २ ॥ ॐप्रणवसुउक्त ॥ ३४ ॥ तीनस्वरनाम ॥ उदात्तअनुदात्तरुस्व
रित ऊंचनीचसमतास ॥ एहिक्रमतैंमुखउच्चरत पूर्वकथाइतिहास ॥ ३५ ॥ पुराण
केपंचलक्षणनाम ॥ सर्गविसर्गरुवंशवर मन्वंतरपुनिमान ॥ वंशनकअनुचरित
यह लक्षणपंचपुरान ॥ ३६ ॥ प्रहेलीनाम ॥ ३ ॥ जहांअरथप्रत्यक्षतजि करहिअ
रथकोउआन ॥ ताहिप्रहेलिंप्रहेलिका अरुप्रवह्लिकांमान ॥ ३७ ॥ लोकवादनाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥२॥ किंवदंतिंजनश्रुतिंउभय लोकप्रवादवदंत॥ वार्त्तानाम॥४॥ वार्त्तांअपरप्र
ष्टत्तिंकहि सोउदत्तांतंउदंतं॥ ३८॥ नामकेनाम॥ ९॥ आख्यांआव्हयंआव्हलहि
नामधेयंअभिधानं॥ अभिधांसंज्ञांअभिख्यां नामंनामप्रहिचान॥३९॥ हेलाना
म॥४॥ टेरउच्चस्वरहूतिंसोउ आकारणंआह्वानं॥ बहुजनकरतपुकारमिलि सोसंहू
तिंवषान॥४०॥ प्रश्ननाम॥३॥ अनुयोगंरुप्रच्छांप्रश्न॥ उत्तरनाम॥२॥ प्रतिवचं
उत्तरंआहि॥ झूठदोषलगावैताकेनाम॥ २॥ मिथ्याअभिशंसनंतथा अभिशापं
हिकहिताहि॥४१॥ जसनाम॥३॥ कीर्त्तिंसमाज्ञांजसंकहिय॥ स्तुतिनाम॥३॥ नु
तिंस्तवंस्तोत्रंनिहार॥ आम्रेडितंवँहँशब्दजेहि उच्चरतद्वैत्रयवार॥४२॥ निंदानाम
॥९॥ कुत्सांनिंदांजुगुपसां उपक्रोशंअपवाद॥ गर्हणंअरुआक्षेपपुंनि परीवादं
निवादं॥ ४३॥ अपकारकवचभर्त्सनं पारुषंकठिनसरोस॥ परिभाषणंनिंदास
हितं अमरषजुतआक्रोशं॥४४॥ आभाषणंआलापंप्रियं अनरथवचनप्रलाप॥
वारवारअनुलापसों॥ रोनैपूर्वकभाषणकेनाम॥२॥ परिदेवनंरुविलाप॥४५॥
आशाभंगकवचननाम॥२॥ विसंवादंअरुविप्रलँभं आशानाशकवैन॥ बुद्धिवं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तातैंतिनहि केहिकौंकबहुकहैन ॥ ४६ ॥ विप्रलापंविपरीतवचं शुभवानीसंला
प ॥ सुप्रलापंसुवचनकहिय गोप्यवचनंअपलाप ॥ ४७ ॥ दुखदाताउषतीगिरां
कलपागीशुभकारिं ॥ मधुरअर्थजुतस्वांतवचं हृदयंगमंमनहारि ॥ ४८ ॥ निष्ठुरं
अरुकर्कशंपरुषं वचनकठोरकहाय ॥ ग्राम्यंअपरअशलीलंहै शिथिलवचनसमु
झाय ॥ ४९ ॥ सदासत्यअरुपरमप्रिय सूनृतवानीसोय ॥ वचनअसंभवजोक
हिय संकुलंक्लिष्टंजुहोय ॥ ५० ॥ पूरनअक्षररहितपद गिरांवखानहिग्रस्त ॥ संभ्र
मतुरतहिकहतवच निश्चैलषहुनिरस्त ॥ ५१ ॥ सनिष्ठेवंअरुअंबुकृतं थूकसहितव
चथाय ॥ अर्थविनाकछुउच्चरत सोअवद्धंदरसाय ॥ ५२ ॥ वचअवाच्यंअक्षररहि
त आहतंघटतनअर्थ ॥ कहतसपष्टनाम्लिष्टंसो वितथंअनृतंवचव्यर्थ ॥ ५३ ॥ स
म्यकंसत्यंरुतथ्यं ऋतं समीचीनंपुनिसोय ॥ यहवचवाचकसत्यके हितकारीसबहो
य ॥ ५४ ॥ शब्दनाम ॥ १९ ॥ निनदंनिनादंरुध्वानंध्वनिं स्वनंनिस्वनंपुनिनादं ॥
स्वानंशब्दंनिर्घोषंरवं निस्वानंरुनिर्ह्रादं ॥ ५५ ॥ कहिसंरावंविरावंपुनि आरवंअ
रुआराव ॥ पत्रवस्त्रकेशब्दकूं मर्मरंस्वनितंकहाव ॥ ५६ ॥ वीणाशब्दनाम ॥ १ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

काणंकणनंकणंनिकणंहि निकाणंरुप्रकाण ॥ प्रकणंसुकणंउपकणं वीणाशब्दव
षाण ॥ ५७ ॥ गुह्यवासोरनाम ॥ २ ॥ कोलाहलंकलकलंकहिय ॥ प्रतिशब्दना
म ॥ २ ॥ प्रतिश्रुतंअरुप्रतिध्वानं ॥ पक्षीशब्दनाम ॥ २ ॥ वासितंरुतंपछीशब
द ॥ गाननाम ॥ ३ ॥ गायनंगीतंरुगानं ॥ ५८ ॥ इतिशब्दादिवर्गः ॥ ६ ॥ स
मस्वरनाम ॥ गांधारंरुमध्यमंषडजं ऋषभंनिषादंकहात ॥ धैवतंपंचमंसप्तस्वर कं
ठतंत्रितैंजात ॥ ५९ ॥ गांधारआदिस्वरांकीबानी ॥ अजंबककेकीवृषभंगजं बा
जीकोकिलंबानि ॥ गांधारादिकस्वरनकी क्रमतैंलेहुपिछानि ॥ ६० ॥ स्वरभेद
नाम ॥ कहियमधुरस्वरकाकली प्रियध्वनिकलंहिविचार ॥ मंद्रकहियगंभीरध्व
नि अधिकउच्चस्वरतारं ॥ ६१ ॥ वीणानाम ॥ ४ ॥ वीणंविपंची वल्लकी परिवादि
नी सुदेष ॥ वीणादंडप्रवालंकहि ॥ वीणाकीमढीतुंबीनाम ॥ २ ॥ ककुभंप्रसेवक
पेष ॥ ६२ ॥ भिन्नभिन्ननाम वाजांका ॥ ततंआनद्धंरुशुषिरंघनं वाजेचारिप्रकार
॥ वाजानाम ॥ २ ॥ वाद्यंअपरवादित्रंद्वै सबकेनामनिहार ॥ ६३ ॥ वीणाआ
दिकवाद्यततं मुरजादिकआनद्धं ॥ वंशिआदिवाजेशुषिरं घनंतालादिप्रसिद्ध ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ६४ ॥ मृदंगनाम ॥ ५॥ अंक्यंअपरआलिंग्यंअरु ऊर्ध्वकंमुरजंमृदंग ॥ ढो
लनगारातुरहिनाम ॥ ५ ॥ पटहंढक्कंदुंदुभिंप्रगट आनकंभेरिंअभंग ॥ ६५ ॥ ड
मरुनाम ॥ ४ ॥ डिंडिमंडमरुकंडमरुंपुनि मड्डुंमधुरस्वरसोय ॥ तंबूरआदिना
म ॥ झर्झरंमर्दलंपणवंइम वाद्यभेदबहुहोय ॥ ६६ ॥ नृत्यकारीपुरुषऔस्त्रीनाम ॥
नर्त्तकंलासकंलासिकां अपरनर्त्तकींआहि ॥ कालक्रियाकोमानजो तालंकहतहै
ताहि ॥ ६७ ॥ नाचनाम ॥ ५॥ लास्यंनाट्यंतांडवंनटनं पेषद्धनृत्यंप्रवीन ॥ नृत्यंगी
तंवादित्रंजुत तौर्यत्रिकंयहतीन ॥ ६८ ॥ स्त्रीवेषधारीनर्त्तकनाम ॥ ३ ॥ कहिय
भ्रकुंसंभ्रुकुंसंअरु भ्रूकुंसंहिसमुझाय ॥ नाचकीवेश्यानाम ॥ १ ॥ नाट्यकरतग
निकाजबहि तबअज्जुकांकहाय ॥ ६९ ॥ नाटककीपंचसंधिनाम ॥ मुखंप्रतिमु
खंअवमर्शंअरु गर्भंनिवरहणंनाम ॥ नाटकमांहिनिहारियै पंचसंधिरसधाम ॥
॥ ७० ॥ बहनोईनाम ॥ २ ॥ भगनीपतिंआवुत्तंभनि ॥ पंडितनाम ॥ ३ ॥ भावंवि
दुषंविद्वानं ॥ पितानाम ॥ ४ ॥ बापंपितांअंबुकंजनकं ॥ मानाम ॥ २ ॥ अंबांमा
तांमान ॥ ७१ ॥ राजानाम ॥ ३ ॥ राजांदेवंभटारकंहि ॥ राजपुत्रनाम ॥ ३ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

सुतयुवराजकुमार ॥ भर्तदारकहिनृपसुता भर्तदारिकाधार ॥ ७२ ॥ पाटरानी
नाम ॥ ३ ॥ पटरानीमहिषीप्रगट देवीजुतअभिषेक ॥ अन्यरानीनाम ॥ अपरभ
दिनीनृपतिकोस्यालहिराष्ट्रियलेष ॥ ७३ ॥ कन्यानाम ॥ ३ ॥ बालावासूकन्यका ॥
श्रेष्टनाम ॥ २ ॥ मारिषआर्यवताय ॥ वडीबहिननाम ॥ १ ॥ वडभगनीकोअंतिका
निश्चैनामकहाय ॥ ७४ ॥ स्त्रीकोंजथाजुक्तहेलोदैबेकेनाम ॥ नीचतियहिहंडेकहि
य हंजेदासीताहि ॥ हलेसषीप्रतिकहियइम हेलातिहुँविधिआहि ॥ ७५ ॥ स्वा
भिप्रायप्रकाशिबौ व्यंजकंअभिनयजोय ॥ चेष्टाजोमनअंगकी सात्वकंआंगि
कसोय ॥ ७६ ॥ नवरसनाम ॥ अद्भुतहास्यंभयानकंहि वीरंकरुणंशृंगार ॥ रौद्र
शांतंबीभत्संयह ॥ नवरसलेहुनिहार ॥ ७७ ॥ अद्भुतनाम ॥ ४ ॥ आश्चर्यंअद
भुतंअपर विस्मयंचित्रंविशेष ॥ हास्यनाम ॥ ३ ॥ हास्यंहासंहसंतीनपुनि ॥ भ
यानकनाम ॥ ९ ॥ दारुणंभैरवंदेष ॥ ७८ ॥ भीषणंभीषमंभयानकं भीमंभनहिपु
नधीर ॥ प्रतिभयंघोरंभयंकरंहि ॥ वीरनाम ॥ २ ॥ उछाहवर्द्धनंवीर ॥ ७९ ॥ करुणा
नाम ॥ ७ ॥ कारुएंरुकरुणांघृणां कृपांदयांउरधार ॥ अनुकंपांअनुक्रोशंअरु

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शृंगारनाम ॥ ३ ॥ शुचिउज्वलशृंगार ॥ ८० ॥ रौद्रनाम ॥ २ ॥ रौद्रउग्रद्वेदेषियै ॥
शांतनाम ॥ ८ ॥ स्तंभभेदस्वरभंग ॥ कंपविवर्णरुप्रलयपुनि अश्रुरुमांचित अंग
॥ ८१ ॥ वीभत्सनाम ॥ ५ ॥ वीभत्सरुवैकृत विकृत घृणाजुगुप्साजान ॥ अैसैंहीनवर
सनके भिनभिननामपिछान ॥ ८२ ॥ भयनाम ॥ ६ ॥ भी भयभीती त्रासदर सा
ध्वसनामकहाव ॥ मनविकारकोंभावकहि कटाक्षादिअनुभाव ॥ ८३ ॥ गर्वनाम
॥ ५ ॥ चित्तसमुन्नतिमानअभिमानगर्वअहंकार ॥ अपमाननाम ॥ ४ ॥ तिरस
क्रियापरिभावपरिभवरुअनादरधार ॥ ८४ ॥ अवज्ञानाम ॥ ५ ॥ अवज्ञारीढा
असूर्क्षण अवहेलनअवमान ॥ लज्जानाम ॥ ५ ॥ ह्री व्रीडालज्जात्रपा अपत्र
पलज्जाआन ॥ ८५ ॥ सहनैकेनाम ॥ ३ ॥ क्षांतितितिक्षासहनता ॥ अभिध्याना
म ॥ १ ॥ अविध्यापरधनचाहि कहनअसूयागुननमै दोषलगावतताहि ॥ ८६ ॥
वैरनाम ॥ ३ ॥ वैरंविरोधंविद्वेषपुनि ॥ शोचनाम ॥ ६ ॥ मन्युशोकशुचमान ॥
विप्रतिसारंअनुतापंअरु पश्चातापंपिछान ॥ ८७ ॥ असहननाम ॥ २ ॥ अक्षां
तीअरुईरष्या ॥ क्रोधनाम ॥ ७ ॥ कोपक्रोधंरुषंक्रुद्धंप्रतिघंरोषंअमरषंप्रगट ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शीलनाम ॥ १ ॥ शीलचरितअतिशुद्ध ॥८८॥ भ्रमनाम ॥ २ ॥ चितविभ्रमउन्मादपुनि हैभ्रमवाचकएह ॥ प्रेमनाम ॥५॥ प्रेमाअरुप्रियतातथा हारदप्रेमसनेह ॥ ८९ ॥ मनोरथनाम ॥ १२ ॥ तृषवांछाईहास्पृहा कांक्षाइच्छाकाम ॥ अभिलाषरुदोहदतरषलिपसालालसनाम ॥ ९० ॥ उपाधिनाम ॥ १ ॥ जोकैचिंताधरमकीपेषहुताहिउपाधि ॥ स्मरणनाम ॥ ३ ॥ चिंतास्मृतिआध्यानत्रय ॥ मनपीडानाम ॥ १ ॥ व्यथामानसीआधि ॥ ९१ ॥ प्रियमिलनैकीचाहनाम ॥ २ ॥ उतकलिकाउतकंठता ॥ उत्साहनाम ॥ ३ ॥ उछाहअध्यवसायशक्तिसहितउत्साहजो वीरजंताहिकहाय ॥ ९२ ॥ कपटनाम ॥ ११ ॥ कपटव्याजकैतवछदम दंभउपधिदरसाय ॥ कुस्तिशाठ्यशठतानिकृति वंचकतासुवताय ॥ ९३ ॥ भूलनाम ॥ ४ ॥ भ्रमअरुभूलप्रमादपुनि अनवधानताहोय ॥ खेलननाम ॥ ४ ॥ कौतूहलकौतुककुतुक कहतकुतूहलकोय ॥ ९४ ॥ स्त्रियोंकेशृंगाररसजनितहावनाम ॥ ६ ॥ तियविलासविब्बोकअरुविभ्रमललितलपाव ॥ हेलालीलसिंगाररस जनितभावषटहाव ॥ ९५ ॥ क्रीडाना

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

म ॥ ६ ॥ केलिक्रीडलीलानरमं द्रवपरिहासदिपाय ॥ छलतैंस्वरूपछिपानैके
नाम ॥ ३ ॥ व्याजलक्ष्यअपदेशवँहँ छलतैंरूपछिपाय ॥ ६ ॥ १६ ॥ बाललीं
लानाम ॥ ३ ॥ क्रीडालीलाकूरदनं लीलावालकलेष ॥ पसीनानाम ॥ ३ ॥ घ
मैंनिदाघरुस्वेदसोउ ॥ मूर्छानाम ॥ २ ॥ प्रलयरुमूर्छापेष ॥ १७ ॥ छलतैंआ
कारगुप्तनाम ॥ १ ॥ निजआकारछिपायबौ सोअवहित्थाहोय ॥ सशब्दहास्य
नाम ॥ १ ॥ छुरितकहास्यसशब्दसो मंदहासस्मितसोय ॥ १८ ॥ मध्यमविह
सितमानियै ॥ उबासीनाम ॥ २ ॥ जृंभणजृंभहिजान ॥ रोवनेकेनाम ॥ ३ ॥
क्रंदितरुदितरुकुष्टकहि ॥ पडनैकेनाम ॥ २ ॥ रिंगणखलनवषान ॥ १९ ॥ निद्रा
नाम ॥ ५ ॥ शयनस्वापसंवेशअरु निद्रास्वपनहिउक्त ॥ निद्राजुक्तआलस्यनाम ॥
॥ ३ ॥ तंद्रातंद्रीप्रमीला आलसनिद्राजुक्त ॥ २०० ॥ टेढीभौंहनाम ॥ ३ ॥ भ्रू
कुटिभ्रुकुटीभ्रकुटिभनि ॥ कंपनाम ॥ २ ॥ वेपथुकंपविचार ॥ टेढीदृष्टिनाम ॥
॥ १ ॥ कहिअदृष्टिटेढीनजर ॥ स्वभावनाम ॥ ॥ ६ ॥ प्रकृतिनिसर्गनिहार ॥ १ ॥ समुझहुपु
निसंसिद्धिसोउ रूपस्वरूपस्वभाव ॥ उत्सवनाम ॥ ६ ॥ उत्सवउद्धवउद्धरष क्षणमह

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मानहुचावं ॥ २ ॥ इतिनाट्यवर्गः ॥ ७ ॥ पातालनाम ॥ ७ ॥ अतलंवितलंसुतलंरुत
लातलंहिमहातलंमान ॥ रसातलंरुपातालंयह नागलोकअधजान ॥ ३ ॥ पोलना
म ॥ ८ ॥ विवरंकुहरंबिलंनिर्व्यथनं रंध्रंश्वभ्रंशुषिंछिद्र ॥ छिद्रजुक्तजोवस्तुवँह स
मुझहुसुषिरंसछिद्रं ॥ ४ ॥ अंधकारनाम ॥ ७ ॥ तमंतमिस्रंध्वांतंरुतिमिरं अधिक
अंधतमंआहि ॥ अवतमंजानहुअलपतम संतमंसबगतताहि ॥ ५ ॥ भिन्नजातिस
र्पनाम ॥ १८ ॥ काद्रवेयंअरुनागंकहि शेषअनंतकहाय ॥ सर्पराजंवासुकिंसमुझि ॥
छोटासर्पनाम ॥ २ ॥ गोनसंतिलित्सगाय ॥ ६ ॥ अजगरनाम ॥ ३ ॥ सयुंवाहसं
अजगरंसही अलगर्दंहिजलव्याल ॥ राजिलंडुंडुभंउभयमुख वरनहिसर्पविसाल
॥ ७ ॥ मालुधानंमातुलंउभय अशिअकारतनउक्त ॥ रहितकंचुकीकहियतेहि गतकं
चुकंनिर्मुक्तं ॥ ८ ॥ सर्पमात्रनाम ॥ २४ ॥ कवित्त ॥ सरीसृपंसर्पंअहिंभुजंगमंभोगी
भनैभुजगंपृदाकुंपुनिगूढपादंगहियै ॥ चक्षुःश्रवांकाकोदरंदीर्घपृष्टंदर्वीकरंचक्रीव्या
लंविलेशयंदंदशूकंकहियै ॥ विषधरंकुंडलीरुपन्नगंउरगंफणीपौनाशनंजिह्मगंऔ
आशीविषंलहियै ॥ सर्पकीकंचुकिआदिनाम ॥ कंचुकंनिर्मोकंयाकीकंचुकीकहा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वतुहैदेहभोगंआशीदंतंफटांफणठहियै ॥ ९ ॥ विषमात्रनाम ॥ ३ ॥ चौपई ॥
क्ष्वेडंगरलंविषंनामवताई ॥ विषभेदनाम ॥ ९ ॥ कालकूटंकाकोलंकहाई ॥
सौराष्ट्रिकंरुहलाहलंहोई ॥ शौक्किकेयंब्रह्मासुतंसोई ॥ १० ॥ दारदंवत्सनाभं
प्रदखेदा॥ अपरप्रदीपनंविषनवभेदा ॥ विषवैद्यनाम॥ २ ॥ विषवैद्यरुजांगुलिकं
वखाना ॥ गोडियानाम ॥ २ ॥ व्यालग्राहिंअहितुंडिकंजाना ॥ ११ ॥ इति
पातालभोगिवर्गः॥ ८ ॥ नरकनाम॥ ४ ॥दोहा॥ नरकंनिरयंदुर्गतिंतथा नारकं
नामनिहार ॥ तपनंअवीचीरौरवरु संहारांदिअपार ॥ १२ ॥ नरककेजीवना
म ॥ २ ॥ प्रेतंरुनारकंनरकजिय नरकनदीवैतरणिं ॥नरकअशोभानिर्ऋतीं ॥न
रकमैंफैंकनैकेनाम ॥ २ ॥ विष्टींआजुंवरणि ॥ १३ ॥ नरककीपीडानाम॥ ३ ॥
तीव्रवेदनांकारणां नरकयातनांजान ॥ दुःखनाम ॥ ९ ॥ पीडांबाधांव्यथांदुःखं
अमानस्पंपहिचान ॥ १४ ॥ अपरप्रसूतिजंपेषियै कष्टंकृछ्रंआभीलं॥ एहिनव
दुखतैंरहितनित शुचमतिसाधुसुशील॥ १५ ॥ इतिनरकवर्गः॥ ९ ॥ ॥समु
द्रनाम ॥ १५ ॥ सागरंसिंधुंसमुद्रंजलनिधिंअब्धींअकुपारं ॥ सरिपतिंरतनाकरं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

उदधिं अर्णवंपारावारं ॥ १६ ॥ जलपतिंयादस्पतिंजथा उदन्वानंसरस्वान ॥ स
मभेदताकेसुनहु क्रमतैंकहुंवषान ॥ १७ ॥ प्रथमकहियक्षारोदंपुनि इक्षुरसोदं
सुरोदं ॥ घृतोदंअरुक्षीरोदंदधिमंडोदंरुशुद्धोदं ॥ १८ ॥ सातद्वीपनाम ॥ जंबूंप्लु
क्षंरुशाल्मलीं कुशअरुक्रौंचंकहाय ॥ शाकंरुपुष्करंसमयह क्रमतैंद्वीपदिषाय ॥
॥ १९ ॥ जलनाम ॥ २७॥ सलिलंकमलंपयंवनंभुवनं जलंजीवनंअपंनीरं ॥ अं
भंअंबुशंबरंअमृतं घनरसंपुष्करंक्षीरं॥ २० ॥उदकंतोयंपानीयंविषं पाथंकबंधंकहा
त ॥ मेघपुष्पंकीलालंकुशं अर्णंवारिंविख्यात ॥ २१ ॥ तरंगनाम ॥ ७ ॥ भंगंत
रंगंरुऊर्मिंभनि लहरींवीचिंवताय ॥ वडतरंगउल्लोलंकहि पुनिकल्लोलंकहाय॥ २२
बूंदनाम ॥३॥ विप्रुषंबिंदूंपृषत्पुंनि ॥ भवरनाम ॥ १ ॥ आवर्त्तंहिभ्रमनीर ॥ १॥ फुँ
हारानाम ॥ ३ ॥ जलनिर्गमंपुटभेदंभ्रमं ॥ कराडानाम ॥ ४ ॥ कूलंरोधंतटंतीरं ॥
॥ २३ ॥ पारंकहहिपरतीरकों एहिकोंकहहिअवारं ॥ पात्रंउभयतेहिमध्यंपुनि जल
थलपुलिनपुंकार ॥ २४ ॥ द्वीपवाटापूनाम ॥ २ ॥ वारिधिसरितावारिमै भूमि
भागकहुँपेष ॥ अंतरीपंअरुद्वीपंतेहि वरनहिनामविशेष ॥ २५ ॥ जलप्रवाहना

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

म ॥ २ ॥ जलोछ्वासपरिवाहपुनि ॥ वालूमयथलनाम ॥ १ ॥ सैकतसिकताजुक्त ॥
कीचनाम ॥ ५ ॥ शादपंकजंबालकर्दमरुनिषदवरउक्त ॥ २६ ॥कूईनाम ॥ २ ॥
कहिकूपकाविदारका समुझहुझरनास्रोत ॥ नावनाम ॥८ ॥ तरणीद्रोणीनौतरी
उडुपकोलप्लवपोत ॥ २७ ॥ केवटनाम ॥ ५ ॥ करणधारनाविककहिय अपर
नियामकआहि ॥ पोतवाहपेषहुप्रगट नामषेवइयाताहि ॥ २८ ॥ निर्मलनाम ॥
॥ ४ ॥ स्वच्छअछपावनप्रसंन ॥अपावननाम ॥३॥ आविलकलुषअनछ ॥ उंडैके
नाम ॥ ३ ॥ निम्नगभीरगंभीरयह पेषहुनामप्रतछ ॥ २९ ॥ ऊंचैकेनाम ॥ ३ ॥
ऊर्द्धउच्चउत्तानपुनि ॥ अथाहनाम ॥ २॥अथगंअगाधकहाय॥धीवरवाकेवटनाम
॥ ३॥ धीवरदासरुकैवरत ॥ जालनाम ॥ २॥ जानहुजालअनायं ॥ ३ ॥ सूतलीना
म ॥ २॥ कहिशणसूत्रपवित्रकरु ॥ मछीबांधिवेकीढोकरीनाम ॥ २ ॥ मत्स्याधा
निंकुवेनिं ॥ वडिशनाम ॥ ३ ॥ वडिशमीनवेधनवंदहि सोउवडिशीदुखदेनि
॥ ३१ ॥ जातीभेदजुक्तमछीनाम ॥ ४० ॥ वैसारिणअंडजमत्स्य पृथुरोमाझष
मीनं ॥ शकलीअपरविसारसोउ सहस्रदंष्ट्रपाठीनं ॥ ३२ ॥ प्रोष्टीशफरीपिषि यै शि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शुकउलूपीसोय ॥ नलमीनरुचिलिचिमउभय जलतृणचारीजोये ॥ ३३ ॥ गंडक
शकुलार्भकतथा पेषहुपोताधान॥ मछीकेअर्भकतिनहि तीननामयहजान॥३४॥
रोहितमदगुरमानियै शकुलशालराजीव ॥ तिमिरुतिमिंगिलमत्स्यवड यादस ज
लकेजीव ॥ ३५ ॥ उद्रशाकुशिशुमारअरुकर्कटमकरकुलीर ॥ ग्राहअपरअवराह
गुनि भनहिनक्रकुंभीर ॥ ३६ ॥ गंडूपदअरुकिंचुलुक मानहुमहीलताहि ॥ कछप
नाम ॥ ३ ॥ कूर्मकमठकछपकहिय डुलिकमठीतियताहि ॥ ३७ ॥ गोहनाम॥३ ॥
गोहनिहाकागोधिका जलथलमहुतेहिधाम ॥ जोषनाम ॥ ३९॥ जोषजलौकारक्त
पा दीर्घकोशिदुर्नाम ॥ ३८॥ मंडूकनाम ॥६॥ वर्षाभू शालूरप्लव दर्दुरभेकमंडूक॥
कैंचुवानाम ॥ २ ॥ शिलीअपरगंडूपदी ॥ सींगोटीयानाम ॥२ ॥ जलशु
क्तिरुशंबूक ॥ ३९ ॥ शीपनाम ॥ २॥ मुक्तास्फोटरुशुक्तिद्वै ॥ शंखनाम ॥ ३ ॥ कहि
यकंबुदरशंख ॥ छोटाशंखियानाम ॥ २॥ क्षुद्रशंखअरुशंखनख उपजहिअब्धि
अशंख ॥ ४० ॥ कुवेकीगडगडीनाम ॥ २॥ नेमित्रिकापुनि ॥ कूवानाम ॥ ४ ॥
अंधुप्रहिंकूपअपरउदपान ॥ पेलीवाकोठानाम ॥ २ ॥ कूपसमीपजलाशयहि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

सोआहावनिपानं ॥ ४१ ॥ छोटीतलाईनाम ॥ २ ॥ अलपतलाइनामतेहि
पुष्करिणीपुनिखातं ॥विनहुवनायोतालजो सोसुरखातअखातं ॥ ४२ ॥ तलावना
म ॥ ८ ॥ कहितडागपद्माकरंहि सरसीसरंकासारं ॥ पल्वलवेशंतअलपसरं ह्रदं
बहुनीरअगार ॥ ४३ ॥ वावडीनाम ॥ २ ॥ देषियवापीदीर्घिका ॥ खाईनाम
॥ २ ॥ परिखाखेयंपिछान ॥ थांणानाम ॥ ३ ॥ आलवालंआवालंअरु आवाप
हुपुनिजान ॥ ४४ ॥ नदीनाम ॥ १२ ॥ छपय॥ शैवलिनीह्रादिनीतरंगिनितटि
नीजानहु ॥ द्वीपवतीनिम्नगाआपगानदीपिछानहु ॥ सरितस्रोतस्विनीस्रवंती
धुनीकहिजै ॥ गंगानाम ॥ ८ ॥ विष्णुपदीजान्हवीभीष्मसूगंगलहीजै ॥ त्रिपथ
गात्रिस्रोतासुरनदीभागीरथीवषानियै ॥ यमुनानाम ॥ ४ ॥ रवितनुजायमुना
यमभगिनिकालिंदीपुनिजानियै ॥ ४५ ॥ नर्मदानाम ॥ ४ ॥ रेवासोमोद्भवान
र्मदामेकलकन्या ॥ औरनदियोंकेनाम ॥ १६ ॥ करतोयानितजलाबाहुदाशतद्रु
धन्या॥ कावेरीसरस्वतीशरावतीविद्यवतीपुनि॥हिरण्यबाहुअरुशोणविपाशाचंद्र
भागगुनि॥कौशिकीसिंधुसंगमसरजुगोदावरीसुगाइयै॥नहरादिअल्पकृत्रिमस

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रितकुल्यानामकहाइयै ॥ ४६ ॥ कमलनाम ॥ ३३ ॥ पद्मनलिनअरविंदमहोत्पल
कमलपंकरुह ॥ सहसपत्रशतपत्रतामरसपुनिसरसीरुह ॥ विसप्रसूनराजीवसार
सरुपुष्करपेषहु ॥ अंभोरुहअरुअब्जकुशेशयवारिजलेषहु ॥ कहिपुंडरीकसितक
मलप्रतिरक्तोत्पलअरुकोकनद ॥ हल्लकरुरक्तसंध्यकअपरचारिकमलयहरक्तव
द ॥ ४७ ॥ दोहा ॥ सौगंधिककल्हारअरु कैरवकुमुदकहाय ॥ स्वेतकमलरजनीस
मय विकसतयहमनभाय ॥ ४८ ॥ इंदीवरनीलोत्पल नीलकमलद्वैदेष उतपलकु
वलयकुवलकुव वारिजजातिविशेष ॥ ४८ ॥ कमलिनीनाम ॥ ४ ॥ नलिनी
विसिनीपद्मिनी अरुकमलिनीकहाय ॥ कुमोदिनीनाम ॥ ३ ॥ कुमुदवती
रुकुमोदिनी पुनिकुमुदिनीदिपाय ॥ ५० ॥ कहतकमलकेकंदकूं जगसा
लूकसुजान ॥ वारिपरणिअरुकुंभिकापुरइनिनामपिछान ॥ ५१ ॥ कमल
नालनाम ॥ ३ ॥ चौपई ॥ विसअरुनालमृणालवषाना ॥ कमलजडनाम ॥
॥ २ ॥ शिफाकंदकरहाटहिजाना ॥ कमलधूलीनाम ॥ २ ॥ केसरअरुकिंजल
कंकहाई ॥ कमलगट्टानाम ॥ १ ॥ बीजवराटकनामवताई ॥ ५२ ॥ इतिवारि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वर्गः ॥ १० ॥ दोहा ॥ वर्गविनायकव्योमदिक कालअपरधीपेष ॥ शब्दनाट्यपा
तालपुनि नरकवारिंदशदेष ॥ ५३ ॥ प्रथमकांडदशवर्गजुत नाममालिकानाम ॥
भावनविधिसंजुतभने सुनेहोतसिधकाम ॥ २५४ ॥ इतिश्रीभाविनीनाममाला
यांप्रथमकांडःसमाप्तः ॥ १ ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीगणेशायनमः ॥ ॥ ॥ अथद्वितीयकांडप्रारभ्यते ॥ ॥ भूमिनाम ॥ कां. २

॥ ३६ ॥ दोहा ॥ भूमिरसाविश्वंभरा धराधरित्रीजान ॥ धरणिक्षोणिज्याकाश्य पी क्षितिवसुमतीवषान ॥ १ ॥ अचलाऊर्वीवसुंधरा महीअनंताआहि ॥ पृथि वीक्ष्माभूमेदिनी इलापृथ्विकहिताहि ॥ २ ॥ सर्वसहागोत्रास्थिरा कूंवसुधागौ होय ॥ विपुलाधात्रीगव्हरी क्षमाकुंभिनीसोय ॥ ३ ॥ जगतीसागरअंबरा रतन सुगर्भाजान ॥ मृत्तिकानाम ॥ २ ॥ मृत्मृत्तिकाहिठानियै ॥ सुंदरमृत्तिकानाम ॥ २ ॥ मृतसांमृतस्नामान ॥ ४ ॥ सर्वसस्यजुतउर्वरा ॥ ऊषरनाम ॥ २ ॥ ऊष रंऊषंकहाय ॥ मारवाडभूमिनाम ॥ २ ॥ मरुधन्वामरुदेशंकहि ॥ विनावाहीभूमि नाम ॥ २ ॥ खिलंरुअप्रहतंगाय ॥ ५ ॥ मध्यदेशमध्यमंकहिय देशप्रत्यंतंहिनीच ॥ पुण्यभूमिआर्यावरतं विंध्यहिमाचलवीच ॥ ६ ॥ देशनाम ॥ ५ ॥ नीवृतंजनप दंविषयं उपवर्त्तनंदेशंहिउक्त ॥ हरितत्तननजुतशादबलं भूअनूपंजलजुक्त ॥ ७ ॥ ॥१८॥ उदेईनाम ॥ ३ ॥ वामलूरंवलमीकंपुनि नाकूंनामपिछान ॥ पाजनाम ॥ ४ ॥ सेतूंआलीपाजपुलं ॥ मारगनाम ॥ १२ ॥ अयनंअध्वंसृतिंजान ॥ ८ ॥ पद्ध

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तिंपद्यावर्त्तनी सरणिंएकपदिंपंथं॥ पदवी वरतमंमारगंहि॥ सुमारगनाम ॥ २॥
कहिसतपंथंसुपंथं ॥ ९ ॥ कुमारगनाम ॥ ६ ॥ कापथंविपथंकुमारगंहि व्यध्व
दुरध्वंकदध्वं ॥ चौहटानाम ॥ २ ॥ शृंगाटकंअरुचतुसपथं प्रांतरंजलविनअ
ध्व ॥ १० ॥ दुर्गमचौरादिकनतैं कहियैसोकांतारं ॥ घंटापथंअरुसंसरणं राज
पंथउरधार ॥ ११ ॥ चारिहाथधनुद्वैसहस धनुकौकोशंकहाय ॥ कोशउभय
जबहोतहै गव्यूतीसोइगाय॥ १२॥ ॥ इतिभूमिवर्ग ॥ ३ ॥ ॥ पुरनाम ॥ ८॥ पुरं
पत्तनंनगरीपुरीं पुटभेदनंपहिचान ॥ निगमंअपरथानीयंयह नामनगरंकेजान
॥ १३ ॥ पुरानाम ॥ १ ॥ नगरनिकटशाखानगरं वेशंहिवेश्याधाम॥ बजारवा
हाटनाम ॥ ४ ॥ पण्यवीथिकांविपणिंअरु आपणंनिषद्यांनाम॥ १४॥ गली
नाम॥ ३ ॥ रथ्यांविशिखाप्रतोलीं॥कोटनाम ॥ ३ ॥शालंवरणंप्राकारं॥ भींत
नाम॥२॥ भित्तिंकुड्मंएडूकंतेहि भींतरपाहनगार ॥ १५॥ घरनाम॥ १७॥वेश्मं
निकेतनंउदवसितं सदमंसदनंगृहंथाय ॥ मंदिरंभवनंअगारंअरु आलयंनिलयं
निकायं ॥ १६ ॥ वस्त्यंनिशांतंवषानियै अयनंरुसादनंधामं ॥ सभास्थाननामं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ५ ॥ कूटी वास कुटीर कहि शाला सभा सुनाम ॥ १७ ॥ मुनिगृहनाम ॥ २ ॥ उटज पर्णशाला प्रगट मुनिजनवास विसाल ॥ चैत्य आयतन यज्ञगृह मंदुर वाजीशाल ॥ १८ ॥ प्रपा शालपानीयकी मठ छात्रादिनिवास ॥ कारीगरों की शालनाम ॥ २ ॥ शिल्पशाल आवेशन हि गंजा मदिरावास ॥ १९ ॥ घरमध्यकानाम ॥ २ ॥ गर्भागा रं रुवासगृह ॥ जन्मगृहनाम ॥ २ ॥ गृहसूतिका अरिष्ट ॥ झरोषानाम ॥ २ ॥ वाताय नं रुगवाक्ष गुनि मंडप तियगृहइष्ट ॥ २० ॥ हर्म्य सर्वतोभद्र अरु स्वस्तिक आदि अपा पार ॥ कहियसदन धनवंतके सौध नृपति आगार ॥ २१ ॥ सुरनृपगृह प्रासाद क हि ॥ जनांनाकेनाम ॥ ५ ॥ अंतःपुरं रनिवास ॥ अवरोधन अवरोध अरु शुद्धांत हिक हितास ॥ २२ ॥ घरआगैकोठावा चौकनाम ॥ ३ ॥ प्रघण प्रघाण अलिंद पुनि बाहिर द्वार अगार ॥ थलीनाम ॥ ३ ॥ गृहावग्रहणी देहली डोढी नामउचार ॥ २३ ॥ आंग णानाम ॥ ३ ॥ अंगन अरु चत्वर अजिर ॥ षिडकीनाम ॥ २ ॥ प्रछन अंतरद्वार ॥ वलेर णनाम ॥ २ ॥ बलभी अरु गोपानसी ॥ छजकेनाम ॥ २ ॥ छदि अरु पटल पुकार ॥ २४ ॥ कबूतरकेषुडानाम ॥ २ ॥ कहि पारावतपालिका अपर विटंक विचार ॥ चौ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कीनाम ॥ ३ ॥ वेदी वितर्दिवेदिका ॥ द्वारनाम ॥ ३ ॥ प्रतीहारद्वाद्वार ॥ २५ ॥ तोरणना
म ॥ २ ॥ बहिरद्वारतोरणतथा ॥ दरवाजानाम ॥ २ ॥ गोपुरअरुपुरद्वार ॥ ॥ खुरा
नाम ॥ १ ॥ अश्मरचितजोद्वारबहि हस्तीनखनिरधार ॥ २६ ॥ कमारनाम ॥ ३ ॥
अररकपाटकमारकहि ॥ आगलनाम ॥ २ ॥ अर्गलआगलजान ॥ निरसणीना
म ॥ २ ॥ निःश्रेणीअधिरोहिणी ॥ पगथियानाम ॥ २ ॥ आरोहणसोपान
॥ २७ ॥ बुहारीनाम ॥ २ ॥ संमार्जनीरुसोधनी ॥ फूसनाम ॥ २ ॥ संकर
अवकरसोय ॥ सुंदरस्थाननाम ॥ २ ॥ संनिवेशअरुनिकर्षण ॥ द्वारवानिकल
नेकेनाम ॥ २ ॥ मुखरुनिःसरणहोय ॥ २८ ॥ ग्रामनाम ॥ २ ॥
ग्रामअपरसंवसथगुनि ॥ सीमनाम ॥ २ ॥ सीमासीमसुनाम ॥ भिल्लनगरप
कणभनहि ॥ घोषअहीरनगाम ॥ २९ ॥ इतिपुरवर्गः ॥ २ ॥ पर्वतनाम ॥ १५ ॥
धरअहार्यपर्वतशिखरिमहिधरभूधरमान ॥ शैलशिलोच्चयगोत्रगिरि अचलअ
द्रिपहिचान ॥ ३० ॥ सानुमानभूभृतरुनग मेरुहिमालयआदि ॥ उदयअस्तम
लयाचलहि पुनिलोकालोकादि ॥ ३१ ॥ पत्थरनाम ॥ ७ ॥ ग्रावउपलप्रस्तरअश्म शि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

लाद्दषतंपाषानं ॥ शिखरनाम ॥ ३ ॥ कूटंशिखरंअरुभृंगंकहि ॥ गिरिसमभागना
म ॥ ३ ॥ सानुंप्रस्थंस्नूंजान ॥ ३२ ॥ झरनानाम ॥ ५ ॥ जलप्रवाहंनिर्झरंस्रुझर
उत्सप्रश्रवणंपेष ॥ गुफानाम ॥ ४ ॥ देषद्दुसोकंदरंदरी गव्हरंगुहाविशेष ॥ ३३ ॥
गंडशैलंगिरिउपलवड ॥ खाननाम ॥ ३ ॥ खनिंआकरंपुनिखानं ॥ कुंजनाम ॥
॥ २ ॥ छाएललितलतानिगृह कुंजंनिकुंजंवषान ॥ ३४ ॥ गिरिधातुनाम ॥ ७ ॥
मनशिलंगंदकंगैरिकंहि सुवरनंरौप्यंसुहाय ॥ अभ्रकंलोहांआदिपुनि बहुगिरिधा
तुकहाय ॥ ३५ ॥ ॥ इतिशैलवर्गः ॥ ३ ॥ ॥ वननाम ॥ ६ ॥ वनंअरण्यंग
हनंरुविपिनं काननंअटवींनाम ॥ वागनाम ॥ ७ ॥ उपवनंपुनिआरामंकहि निष्कु
टंगृहआराम ॥ ३६ ॥ वागसुवेश्यामंत्रिगृह वृक्षवाटिकांजान ॥ जेहिमेनृपक्री
डाकरहि सोउपवनंउद्यानं ॥ ३७ ॥ रानीरमैसुप्रमदवनं अंतःपुरकेमांहि ॥ पंक्ति
नाम ॥ ८ ॥ वीथींआलींआवलींपंक्तींश्रेणिंकहांहि ॥ ३८ ॥ सोइपंक्तीअंतरर
हित राजींलेखारिखं ॥ वनसमूहवन्यावनीं नवरुहअंकुरंदेष ॥ ३९ ॥ वृक्षना
म ॥ १३ ॥ कुटंरुपलाशीं अनोकहं शाखीं पादपंशालं ॥ तरुंविटपीं भूरुहंद्रुंद्रुमंआ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

गमंवृक्षंविशाल॥ ४० ॥ प्रथमपुसपपुनिहोतफल वानसपत्यंवषान ॥ विनहुपुस
पतेंजोफलत वनसपतीसोइजान॥ ४१ ॥ आषहिताकहँओषधी होतपकेफलअं
त॥ गनहिअवंध्यंफलेग्रही समयसमयफलवंत ॥ ४२॥ वांझवृक्षनाम॥ ३॥ व्यं
ध्यंअफलंअवकेशिंअरु ॥ फलसहितवृक्षनाम ॥ ३ ॥ फलिनंफली फलवान ॥
फूलनैकेनाम ॥ ६ ॥ फुलंउतफुलसंफुलंविकचं स्फुटंव्याकोषंवषान॥ ४३ ॥ स्तंब
गुलमंशाखारहित क्षुपंतरुअलपवताय॥स्थाणुंशंकुंध्रुवंनामतिहुँ सूकाकाष्टकहा
य॥ ४४ ॥ वेलीनाम॥ ७॥ वल्लिंवेलिंव्रततीलतां सोउबहुफैलीताय॥ वीरुधंगुल
मिनिंउलुपंलहि॥ऊंचैकेनाम॥४॥उतसेधंरुउछ्रायं॥४५॥सोउउछ्रयंआरोहंकहि॥
डालानाम ॥ २ ॥ स्कंधंप्रकांडंपुकार ॥ शाखानाम ॥ ४ ॥ शाखंशिफांअव
रोहंजटं॥ वृक्षकीचोटीनाम ॥ ३ ॥ शिखरंअग्रंशिरंधार ॥ ४६ ॥ मूलनाम॥
॥ ३ ॥ मूलंवध्रंअंघ्रिकंअपर ॥ मीजीनाम ॥ २ ॥ जानहुमज्जांसारं॥ छालना
म ॥ ॥ ३ ॥ वल्कलंत्वचंअरुवल्कंपुनि॥ काष्टनाम ॥ २ ॥ काष्टंरुदारुउचार ॥
॥ ४७ ॥इंधननाम ॥ ४ ॥ समितंएधंइंधनइधूम ॥ कोटरनाम ॥ २ ॥ निष्कुहं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कोटरंलेष ॥ मंजरीनाम ॥ २ ॥ वरनहिमंजरिंवल्लरीं ॥ कूंपलनाम ॥ २ ॥ प
लुवंकिसलयपेष ॥ ४८ ॥ पाननाम ॥ ७॥ परणंअपरदलंछदनंछदं पत्रंपलाश
रुपानं ॥ कलीनाम ॥ ५ ॥ कलिकांकोरकंमुकुलंपुनि कुड्मलंकलींपिछान ॥
॥ ४९ ॥ नईकलीनाम ॥ २ ॥ क्षारकंजालकंनवकली ॥ गुछानाम ॥ २ ॥ त
बकरुंगुछंवषानं ॥ कहिशलाटुं फलविनपक्यों वदहिशुष्कफलवानं ॥ ५० ॥ फू
लनाम ॥ ५ ॥ पुष्पंप्रसूनंरुकुसुमंसमं सुमनंमधुपप्रियलाग ॥ कहिमकरंदंहिपुस
परस रजंपुसपकीपराग ॥ ५१ ॥ पीपलनाम ॥ ५ ॥ चलदलंपिप्पलंबोधिद्रुमं
कुंजरअशनंअश्वत्थं ॥ कठोडीनाम ॥ ६॥ दधिफलंमनमथदंतशठं ग्राहिंदधि
त्थंकपित्थं ॥ ५२ ॥ गुलरनाम ॥ ५॥ हेमदुग्धकंरुजंतुफलं पुनियज्ञांगंकहाय ॥ अ
परउदुंबरंजानियै गुलरंनामगनाय ॥ ५३ ॥ कचनारनाम ॥ ५॥ कुदालंचमरिकंयु
गपरणं कोविदारंकचनारं ॥ सप्तपरणनाम ॥ ४ ॥ सप्तपरणंशारदिंविषमछदं
विशालत्वचंधार ॥ ५४ ॥ आमलतासनाम ॥ ७ ॥ आरगवधंचतुरंगुलंहि आ
रेवतंरुजघातं ॥ कृतमालंरुसंपाकंपुनि राजवृक्षंविख्यात ॥ ५५ ॥ जंबेरीनाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ५ ॥ जंभलंजंबिरदंतशठं जंभंजँभीरंहिजोय ॥ वरुणानाम ॥ ५ ॥ तिक्तशाकंव
रुणंरुवरणं सेतुंकुमारकंसोय ॥ ५६ ॥ नागकेसरनाम ॥ ५ ॥ सुरप्रियंकेसरंतुंगंपु
रुषंहिपुन्नागंपुकार ॥ कटुनीबनाम ॥ ४ ॥ पारिजातकंरुनिंबतरुं पारिभद्रंमंदारं
॥ ५७ ॥ वंजुलनाम ॥ ६ ॥ स्यंदनवंजुलंचित्रकृतं तिनिशंनेमिंरतिमुक्तं ॥ आंवलावृक्ष
नाम ॥ ३ ॥ पीतनंअपरकपीतनंहि आम्रातकंपुनिउक्त ॥ ५८ ॥ मद्गुडानाम ॥ ७ ॥ मधू
कंमधुद्रुमंगुडपुसपं वानप्रस्थंवरनंता ॥ मधुष्ठीलंपुनिमधूलकं जलभवजलजंकहतं
॥ ५९ ॥ जालनाम ॥ ५ ॥ पीलूंगुडफलंस्रंसिंपुनि कंदरालंआक्षोटं ॥ पिस्तानाम ॥ ४ ॥
नामनिकोचकंनिकोठकं अंकोलंरुअंकोठं ॥ ६० ॥ ढाकनाम ॥ ४ ॥ किंशुकंपर्णंपला
शंपुनि वातपोथंकहिधीर ॥ वेतनाम ॥ ७ ॥ वेतखपुष्पंरुविदुलशितं वंजुलरथवानीरं
॥ ६१ ॥ जलवेतनाम ॥ ३ ॥ नादेयीपरिव्याधंपुनि विदुलवेतजलमांहि ॥ शरं
जणानाम ॥ ४ ॥ शोभांजनंअक्षीवंशिग्रुं तीक्षणगंधंकहांहि ॥ ६२ ॥ बीलना
म ॥ ६ ॥ श्रीफलंअरुशैलूषंशांडिल्यंविल्वंकहिताहि ॥ गंधगर्भंमालूरंगनि ॥
अरीटानाम ॥ २ ॥ अरिष्टंफेनिलंआहि ॥ ६३ ॥ पाकरीनाम ॥ ३ ॥ प्लक्षंजटी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अरुपर्कटी ॥ वटनाम ॥ ३ ॥ बहुपदवट न्यग्रोध ॥ लोदनाम ॥ ६ ॥ तिल्वतिरीटरुमार
जन गालवंशावरलोध ॥ ६४ ॥ पठाणीलोदलालनाम ॥ ४ ॥ पद्दिकाख्यपद्दीक्र
मुक लाक्षप्रसाधनवर्णि ॥ कायफलनाम ॥ ५ ॥ कटफलकुंभीकैटर्य कुमुदिकारु
श्रीपर्णि ॥ ६५ ॥ आंबनाम ॥ ४ ॥ नूतरसालहिआम्रपुनि सौरभजुतसहकार ॥
गूगलनाम ॥ ५ ॥ कौशिककुंभउलूखलक पुरगुग्गुलहिपुकार ॥ ६६ ॥ चिरोंजी
नाम ॥ ५ ॥ सन्नकद्रुअरुधनुषपट राजादनरुपियाल ॥ बोरडीनाम ॥ ४ ॥ कर्कधू
पुनिकोलिकहि बदरीबेरविशाल ॥ ६७ ॥ बोरनाम ॥ ५ ॥ कोलकूवलसौवीरअरु
फनिलवदरवखान ॥ नारंजीनाम ॥ ३ ॥ नागरंगऐरावतरु भूमिजंबुकाजान
॥ ६८ ॥ तेंदुवानाम ॥ ४ ॥ कालकंधशितिसारकरु सफूरजकतिंदूक ॥ क
टुतेंदुवानाम ॥ ४ ॥ काकतिंदुककाकेंदुकहि कुलककाकपीलूक ॥ ६९ ॥ कदंबना
म ॥ ३ ॥ प्रियककदंबरुनीपपुनि ॥ तिलकनाम ॥ ३ ॥ तिलकक्षुरकश्रीमान ॥ आंब
लीनाम ॥ ३ ॥ तिंतिडिंचिंचाअमलिका ॥ झाऊनाम ॥ २ ॥ झावुकपिचुलषिछान ॥
॥ ७० ॥ सैतूतनाम ॥ ५ ॥ ब्रह्मदारुब्रह्मण्यअरु क्रमुकनूदपुनियूप ॥ भीलावानाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

३॥ वीरवृक्षभल्लातकी अग्नीमुखी अनूप॥ ७१॥ विजयसारनाम॥ ४॥ विजयसा
रसरजकप्रियक बंधुकपुष्पपुकार॥ सालनाम॥ ४॥ सालशस्यसंबरअश्वकर्णकअ
सनउचार॥ ७२॥ अर्जुनवृक्षनाम॥ ५॥ ककुभवीरतरुइंद्रद्रू अर्जुनसरितासर्ज॥
भोजपत्रनाम॥ ४॥ कोमलत्वचंचरमीकहिय भोजपत्रपुनिभूर्ज॥ ७३॥ खरणी
नाम॥ ३॥ फलाध्यक्षअरुक्षीरिका राजादनहिकहाय॥ गूंदीनाम॥ ३॥ तापसतरु
अरुइंगुदी गूंदीनामगनाय॥ ७४॥ सैंमलनाम॥ ५॥ पूरणिशाल्मलिपिछिला मो
चाथिरायुधाय॥ कालासैंमरनाम॥ २॥ कूटशालमलिरोचनहि पिछगूंदतेहिगाय
॥ ७५॥ करंजनाम॥ ४॥ नक्तमालचिरबिल्वअरु करजकरंजकदेष॥ कांटेदारकरंज
नाम॥ ४॥ पूतिकरजकलिमारकरु पूतिकप्रकीर्यपेष॥ ७६॥ लालकरंजनाम॥ ६॥
दाडिमपुष्पक रोहीतक प्लीहशत्रुपुनिरोहि॥ मर्कटिअँगारवल्लरी आदिभेदबहुहो
हि॥ ७७॥ खैरनाम॥ ७॥ बालतनयगायत्रिरदधावनखादिरहिभेद॥ स्वेतखैरनाम
॥ २॥ सोमवल्कअरुकदरसित जुतकुगंधअरिमेद॥ ७८॥ इरंडनाम॥ १०॥ व्या
घ्रपुछगंधर्वकर वर्धमानएरंड॥ पंचांगुलचित्रकरुचक चंचुव्यडंबकमंड॥ ७९॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

देवदारुनाम ॥ ८ ॥ पारिभद्रकंरुशक्तरुं द्रुकिलिमंदारुंदिषाय ॥ पीतदारुंपुनिपे
षियै भद्रदारुंदरसाय ॥ ८० ॥ देवदारुंसोउदेषियै पूतकाष्ठुंकहिधीर ॥ षेजडीनाम ॥
॥ ४ ॥ सक्तुफलांरुशिवांशमीं अलपाशमीशमीरं ॥ ८१ ॥ पाटलनाम ॥ ७ ॥ पाटलंपाट
लिंअमोघां फलरुहंकाचस्थालिं ॥ कहहिरुष्णवृंतांअपर कुबेराक्षिंकविआलिं
॥ ८२ ॥ हरडैनाम ॥ १ ७ ॥ कवित्त ॥ हरीतकीं हैमवतीं चैतकीं श्रेयसीं शिवां अमृतांवय
स्थांपथ्यांपूतनांप्रमानीहै ॥ अभयांअव्यथांजयांविजयांजवस्थांजानरोहिनींनं
दिनींनामवृंतनांवषानीहै ॥ आंवलानाम ॥ ४ ॥ तिष्यफलांआमलकीअमृतांव
यस्थांमान ॥ बहेडानाम ॥ ७ ॥ विभीतकंभूतावासंकलिद्रुमंकहानीहै ॥ अक्षंतु
षंकर्षफलंबोलतबहेरांताहि ॥ वडहलनाम ॥ ३ ॥ लकुचंलिकुचंडहुंप्रगटपिछानी
है ॥ ८३ ॥ मिष्टनीबनाम ॥ ६ ॥ दोहा ॥ निंबंसर्वतोभद्रंपिचुमंदंहिंगुनिर्यासं ॥
मालकंअपरअरिष्टंकहिं मधुरनिंबसुखरास ॥ ८४ ॥ सीसमनाम ॥ ५ ॥ अगु
रुंशिंशपांपिछलां भस्मगर्भंकपिलांहि ॥ पनसनाम ॥ २ ॥ कटहरंपनसंपिछानि
यै ॥ अशोकनाम ॥ २ ॥ अशोकंवंजुलंआहि ॥ ८५ ॥ शिरीषनाम ॥ ३ ॥ भंडि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

लंषिरीषंकपीतनं ॥ दाडमनाम ॥ ३ दाडिमंकुरकंअनारं ॥ कठचंपानाम ॥ ३ ॥
द्रुमउत्पलंपरिव्याधंअरु करणिकारंउरधार ॥ ८६ ॥ चंपानाम ॥ ३ ॥ नामहेम
पुष्पकंअपर चंपकंअरुचंपेयं ॥ गंधफलीकलिकाइनहि हैषट्पदकैहेय ॥ ८७ ॥
अरणीनाम ॥ ५ ॥ जयंकणिकांगणिकारिकां अग्निमंथंश्रीपर्णिं ॥ जाहीनाम ॥
४ ॥ तकारींनादेयिंपुनि जयांजयंतीवर्णिं ॥ ८८ ॥ कुटजनाम ॥ ४ ॥ कुटजंशक्रंवत्स
कंअपर गिरिमल्लिकांसुगाय ॥ इंद्रजवनाम ॥ ३ ॥ कलिंगंइंद्रजवंभद्रजवं फलयहकु
टजकहाय ॥ ८९ ॥ करोंदानाम ॥ ४ ॥ कृष्णपाकफलंअविघ्नंरु करमर्दकंरुसुषेनं ॥ तमा
लनाम ॥ ३ ॥ कालस्कंधंतमालंतापिछंनामसुखदेन ॥ ९० ॥ जुहीनाम ॥ ५ ॥ मागधिंग
णिकांयूथिकां अंबष्टांसुकहाति ॥ हेमपुष्पिकांपीतसोउ ॥ चमेलीनाम ॥ ३ ॥ सुम
नांमालतिंजातिं ॥ ९१ ॥ मोगरानाम ॥ ६ ॥ माध्यंकुंदंकहिमोगरां माधविंपुंड्रकं
मुक्तं ॥ दुपहरियानाम ॥ २ ॥ कहियबंधुजीवकंअपर बंधूकंहिअतिरक्त ॥ ९२ ॥
कांटेदारसेवतीनाम ॥ ५ ॥ कहियमहासयंसेवतीं अपरनामअमलानं ॥ रक्त
वरणकुरबकंकहिय पीतकुरुंटकंमान ॥ ९३ ॥ जपापुष्पनाम ॥ ३ ॥ जपापुष्पं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अरुओडसमं जवापुष्पंपुनिजान ॥ वज्रपुष्पंतिलपुष्पको निश्चैनामवषान ॥ ॥ १४ ॥ कणेरनाम ॥ ४ ॥ शतप्रासंचंडातंपुनि हयमारकंकरवीरं॥ कैरनाम ॥ ॥ ५ ॥ ककरंनामग्रंथिलंगुनिय ककचंरुकैरंकरीरं ॥ १५ ॥ धतूरानाम ॥ ७ ॥ कितवंधूर्त्तंउन्मत्तधुस्तूरकंनकदुंखधाम ॥ मातुलंमदनरुइनहिफलं मातुलपुत्रक नाम ॥ १६ ॥ आकनाम ॥ ६ ॥ वसुकंअफातंमंदारंगणरूपंविकीरणअंकं ॥ शुकलअर्ककेनामद्वै ॥ अतितापसंरुअलर्कं ॥ १७ ॥ फोगनाम ॥ ५ ॥ फोगंम रूद्भवंलघुसुमनं शृंगिंप्रसादनंपेष ॥ वकनाम ॥ ५ ॥ शिवमल्लीवकंपाशुपतं वसुंइकटीलंविशेष ॥ १८ ॥ विजोरानाम ॥ ३ ॥ बीजपूरंफलपूरंअरु रुचकंनाम निरधार ॥ नीबूनाम ॥ ३ ॥ निंबुकंपुनिनिंबूकंसोउ निंबुकराजंनिहार ॥ १९ ॥ चि त्रकनाम ॥ ३ ॥ वन्हिसंज्ञकंरुचित्रकंहि पाठीनामपिछान ॥ चिरमीनाम ॥ ३ ॥ काकचिंचिंअरुकृष्णलां गुंजानामवषान ॥ १०० ॥ गिलोयनाम ॥ ९ ॥ ललितप दछंद ॥ वत्सादनीगुडूचीअमृतांतंत्रिकारुमधुपरणीं ॥ विशल्यांजीवंतिकांछि न्नरुहंसोमवल्लिंसुखकरणी ॥ कुटकनाम ॥ ८ ॥ कटुरोहिणीअशोकरोहिणीकटंब

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

राकटुंकहियै॥ मत्स्यपिताचक्रांगिकृष्णभेदीशकुलादनिलहियै ॥ १ ॥ कैंवचनाम
॥ ८॥ प्रावृषायणीआतमगुप्तांजडांकेंडूरांजानहु ॥ शूकशिंबिकपिकछुमर्कटीऋ
ष्यप्रोकतांमानहु॥ आंधाझाडानाम ॥ ८ ॥ अपामार्गशैखरिकंमयूरकंधामार्गव
सुखधामा ॥ प्रत्यकपरणीकीशपरणिंकिणहीखरमंजरिंनामा ॥ २ ॥ मजीठना
म ॥ १० ॥ कालमेषिकांमंजिष्टांविकसांरुसमंगांजिंगी ॥ भंडीमंडुकपरणिंभंडी
रीजोजनवल्लिंसुरंगी ॥ धमासावाजवासानाम ॥ १० ॥ धन्वयासंदुसपरसंजवा
सांयासंकुनाशंअनंतां ॥ रोदनिंकछुरांदुरालभांपुनिवरनहिवारिधिअंतां ॥ ३ ॥
पींपरनाम ॥ १० ॥ कृष्णांउपकुल्यांवैदेहीअपरमागधीमानहु ॥ चपलांकणांपि
प्पलीउष्णांशौंडीकोलांजानहु ॥ गजपींपरनाम ॥ ४ ॥ करिपिप्पलीकोलवल्ली
कपिवल्लीश्रेयसिंसोई॥ मिरचनाम ॥ ५ ॥ वल्लिजंमरिचंमलिनंतीक्ष्णंपुनिश्याम
भूषनंहिहोई॥ ४॥ सूंठनाम॥ ५॥ शृंगवेरंसुंठींविश्वौषधिंविश्वंमहौषधंमानै॥ आ
दानाम ॥ ४ ॥ अद्रकशृंगवेरंतत्कंदरुऔषधंनामवषानै॥ हलदनाम ॥ १ ॥ वरण
विलासिनिंवरणवतीवरवर्णिनिं पिंडोपीतां॥ निशाहरिद्रारंजनिंगौरीरजनींनाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पुनीता ॥ ५ ॥ गोखरुनाम ॥ ६ ॥ दोहा ॥ गोकंटकअरुगोक्षुरकं वनशृंगाटवि
चार ॥ स्वादुकंटकरुश्वदंष्ट्रा इक्षुगंधउरधार ॥ ६ ॥ अतीसनाम ॥ ८ ॥ विषाप्रति
विषाअतिविषा उपविषअरुणकहीजु ॥ विश्वाशृंगीमहौषध ॥ दुधेलीनाम ॥ २ ॥
दुग्धिकक्षीरावीजु ॥ ७ ॥ शतावरनाम ॥ ८ ॥ अभीरुपत्रीबहुसुता इंदीवरीअभीरु ॥
नारायणीशतावरी शतमूलीरुअहेरु ॥ ८ ॥ वचनाम ॥ ४ ॥ गोलोमीवचउग्र
गंध शतपर्विकासुहाय ॥ मुलेटीनाम ॥ ४ ॥ यष्टिमधुकमधुयष्टिका क्लीतकमधु
कंकहाय ॥ ९ ॥ अरडूसानाम ॥ ८ ॥ वैद्यमातअटरूषअरुवृषसिंहास्यविशेष ॥
सिंहीवासिकवासिका वाजिदंतकहिदेष ॥ १० ॥ तालमखानानाम ॥ ५ ॥ कोकि
लाक्षकांडेक्षुक्षुर इक्षुरइक्षुगंधाहि ॥ विरालीनाम ॥ ५ ॥ मिशीमधुरिकाछीत
शिव शालेयमिश्रेयाहि ॥ ११ ॥ वायुविडंगनाम ॥ ५ ॥ लहियअमोघातंडुला
वेल्लरुमिघ्रविडंग ॥ शिणनाम ॥ २ ॥ घंटारवशणपुष्पिका बांधतनिजगुनसं
ग ॥ १२ ॥ धामणिनाम ॥ ४ ॥ गोत्रपुष्पकरुगोत्रतरु धर्मणिअरुधन्वान ॥
झिंझणीनाम ॥ ४ ॥ टिंटिणिकारुशिरीषिका झिंझनिदुर्बलजान ॥ १३ ॥ धव

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नाम ॥ ३ ॥ शकुटाख्यंरुधुरधुरंधवनं ॥ विजयसारनाम ॥ २ ॥ वीजकंशनकं
वताय॥शागवाननाम॥ ४ ॥ शाकंसरछदंभूमिरुहं दीरघछदंदरसाय ॥ १४ ॥
वांवलनाम ॥ ४॥ पीतपुष्पकंरुपीतकंहि किंकिरातबंबूलं॥ हिंगोटानाम ॥ ३ ॥
वृक्षकंटकंरुभल्लकीं सोउइंगुदंदृढशूल ॥ १५ ॥ निसोतनाम ॥ ५॥ चित्रतंत्रिभंडीं
रोचनीं सरलांत्रिपुटादेय ॥ धांणानाम ॥ ६ ॥ धनियाधानकंधान्यकंरु धान्यं
बितुनंधानेयं॥१६॥ अजमोदनाम॥५॥ कर्कटंमोदाकारवीं उग्रगंधंअजमोदं॥
जीरानाम ॥५॥ जीरकंशुकलंरुदीरघकं जरणंकृष्णंप्रदमोद ॥ १७॥ हिंगनाम
॥ ८॥ रामठंजंतुकंशूलरिपुं अधिकउग्रंवाल्हीकं ॥ गावहिहिंगुंअगूठगंधं भूत
विनाशकंठीक ॥ १८ ॥ पीपलामूलनाम ॥ ८ ॥ ऊषणंपिप्पलिमूलंअरु कणा
मूलंकटुग्रंथिं॥ मूलमाधकंरुचटिकशिरं ग्रंथिकंपुनिषटग्रंथिं ॥ १९ ॥ दालचीं
नीवातजनाम ॥ ६ ॥ चोचंवरांगकंभृंगत्वक्पत्रंरुउत्कटंपत्रं ॥ अजमानाम
॥ ३ ॥ उग्रसुगंधंयवानिकांब्रह्मदर्भंकहितत्र ॥ २० ॥ वडीइलायचीनाम॥ ४ ॥
एलांबहुलांनिष्कुटीं पृथ्वीकांसुषदाय ॥ छोटीइलायचीनाम ॥ ५ ॥ कोरंगीं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

त्रिपुटारुंत्रुटि सूक्ष्मातुत्थांगाय ॥ २१ ॥ दाखनाम ॥ ५ ॥ द्राक्षास्वाद्वी मधुरसा गोस्तनि मृद्वी मान ॥ तोरीनाम ॥ ३ ॥ धामार्गवघोषकमहाजाली पीतपिछान ॥ २२ ॥ कपासनाम ॥ ४ ॥ समुद्रांतकार्पासिवदरातुंडिकेरी आहि ॥ मूसलीना म ॥ २ ॥ तालमूलिकामूसली ॥ गोभीनाम ॥ २ ॥ दार्विकंगोजिव्हाहि ॥ २३ ॥ से वनाम ॥ ३ ॥ सिंवितिकाफलसेवअरु मानद्रुमुष्टिप्रमान ॥ अंजीरनाम ॥ ३ ॥ का कोदुंबरिकाफलहि अंजीरमंजुलमान ॥ २४ ॥ जांबूनाम ॥ ६ ॥ महाजंबूअरुमे घप्रभ बृहतफलासुविचार ॥ क्षीरपत्रअरुकाकप्रिय नादेईनिरधार ॥ २५ ॥ चंदन नाम ॥ ५ ॥ चंदनमलयजभद्रश्री गंधसारश्रीखंड ॥ चंदनभेदनाम ॥ ३ ॥ तैलप र्णिकंरुगोशीर्ष हरिचंदनवनमंड ॥ २६ ॥ रक्तचंदननाम ॥ ४ ॥ कहियकुचंदनरं जनरु तिलपरणी पत्रांग ॥ चंदनद्रूकेलेपतैं शोभतमनुजशुभांग ॥ २७ ॥ केशर नाम ॥ ११ ॥ कुंकुमपीतनअग्निशिख संकोचरुकाश्मीर ॥ पिशुनरक्तवाल्हीकव र लोहितचंदनधीर ॥ २८ ॥ तुलसीनाम ॥ ७ ॥ तुलसी सुरसी हरिप्रियागौरी पुनिते हिगाय ॥ भूतघनीबहुमंजरी वृंदानामवताय ॥ २९ ॥ जवादनाम ॥ ४ ॥ गंधवेलअ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रुपूतिका पूतीवच मार्जारि ॥ मरुवानाम॥ ५ ॥ मरुलमरुकतीक्ष्णफणिजकखर
पत्रपुकार ॥ ३० ॥ नलहरनाम ॥ ५॥ पुष्पमृत्युनलरंध्रिपुनि नेतकधमननिहार॥ कं
वारपाठानाम ॥ ३ ॥ अंबष्टाचटकीरसा पाठानामपुकार ॥ ३१॥लाखनाम ॥ ८ ॥
लाक्षारक्तावृक्षरुज पलंकषापहिचान॥जतुजावकलक्तकजथा जंतुदीपताजान
॥३२॥ पतंगनाम॥४॥ रक्तकाष्ठपदरंजनरु पुनिपटरागपतंग॥भांगनाम॥ ६ ॥मा
तुलानिंविजयाजया मोहिनिगंजाभंग ॥ ३३॥ नीलनाम॥ ९॥ कालानीली नीलि
का मधुपार्णिकाविशेष ॥ तुत्थारंजनिश्रीफली द्रोणी दोलादेष ॥ ३४॥कुसूंबाना
म ॥ ५॥ पावकपीतकुसुंभपटरंजन अपर अलक्त॥गुडवाडनाम॥३॥इक्षुरसालरु
पुंड्रतैं आदिभेदबहुउक्त ॥ ३५॥ मालकांगनीनाम॥४॥ ज्योतिषमती रुवन्हिरुचिं
कंगुनिकटुभी आहि ॥ खुरासानीअजमानाम ॥ ४॥ जावनिनीव्हारुरुष्कामदका
रिनिंकहिताहि ॥ ३६ ॥ जावित्रीनाम ॥ ३ ॥ जातिपत्रिंजावित्रिंपुनि मालतिपत्रि
कंमान ॥ जायफलनाम ॥३॥ जातीकोशंरुजातिफल सालतिसुतंपहिचान॥३७॥
तमालपत्रनाम॥४॥तिलक विशेषकंचित्रकरुं प्रगटतमालसुपत्र॥लोंगनाम॥३॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीसंज्ञकंरुलवंगंपुनि देवकुसुमंकहिअत्र ॥ ३८ ॥ केलनाम ॥ ७ ॥ काष्टीलांवा
रणवुसां कदली केलकहाय ॥ रंभामोचांअंशुमतफलां सुसवहिसुहाय ॥ ३९ ॥ व
दामनाम ॥ ४ ॥ समुझहुनेत्रोपमंसुफलं वातारीवादामं ॥ कमरषनाम ॥ ४ ॥
पिछलबीजकंकर्मरंगं भव्यंरामफलंनाम ॥ ४० ॥ अफीमनाम ॥ २ ॥ कहिअ
हिफेनंअफेनिकंहि एहिकोतरुआफूकं ॥ करहिआचरनइनहिनर कोनसुनैतेहिकू
क ॥ ४१ ॥ नागरवेलनाम ॥ ३ ॥ नागवल्लिंतांबूलंअरु तांबूलवल्लिंवताय ॥ ल
जालूनाम ॥ ४ ॥ नमस्कारिंवदिरींसमंगांगँडकारिंकहाय ॥ ४२ ॥ कटुतुंबीना
म ॥ ३ ॥ इक्ष्वाकूंकटुतुंबिकां पिंडफलांपहिचान ॥ मीठीतुंबीनाम ॥ ४ ॥ मिष्ठा
तुंबीराजलां बुरलांबुसांवषान ॥ ४३ ॥ खरबूजानाम ॥ ४ ॥ अमृतंदशांगुलंदे
षियै फलराजंरुखरबूजं ॥ मतीरावातरबूजनाम ॥ ४ ॥ कहियकलिंगंकलिंदपु
निं कृष्णबीजंतरबूजं ॥ ४४ ॥ इंद्रायननाम ॥ २ ॥ इंद्रवारुणीं विशालां ॥ का
कडीनाम ॥ २ ॥ कर्कटिकांउर्वारुं ॥ करेलानाम ॥ २ ॥ कारवेल्लंअरुकटल्लकं ॥
॥ कोलानाम ॥ २ ॥ कुष्मांडकंकर्कारुं ॥ ४५ ॥ टिंडसीनाम ॥ ४ ॥ डीडसंरो

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मसंतिंदिसंहि मुनिनिर्मिंतांनिहार ॥ डोडीनाम ॥ ३ ॥ नामसुमुष्किंडोडिका विषमुष्किंविचार ॥ ४६ ॥ वैंगननाम ॥ ७ ॥ भाटाकीअरुभंटिका कहिवंताकंरुवंत ॥ वंताकीपुनिवार्त्तिकी वैंगनंनामवदंत ॥ ४७ ॥ कांदानाम ॥ ३ ॥ प्याजं पलांडुंसुकंदकंरु ॥ हराप्याजनाम ॥ २ ॥ द्रुद्रुमंलतार्कंलहाय ॥ लशुननाम ॥ ॥ ५ ॥ गृंजनंलशुनंअरिष्टंमहाकंदंमद्दौषधंगाय ॥ ४८ ॥ मूलीनाम ॥ ३ ॥ हस्तिदंतकंरुमूलकंहि मूलीनामनिहार ॥ गाजरनाम ॥ ४ ॥ काशमर्दंकर्कशंकहिय ग्रंजनंगाजरंधार ॥ ४९ ॥ जमीकंदनाम ॥ ४ ॥ चित्रकंदंसूरणंअपर कंदलंकंदंकहंत ॥ कंदभेदनाम ॥ रक्तालूंपिंडालुंपुनि आलूंआदिअनंत ॥ ५० ॥ फूंबीनाम ॥ ३ ॥ भूमिछत्रंसीलोध्रंसोउ भूमिकंदंपुनिजान ॥ पालकानाम ॥ ३ ॥ छुरिकांअरुविरलाक्षंवद पुनिपालक्यंपिछान ॥ ५१ ॥ सोवानाम ॥ ४ ॥ मिशिंमिश्रेयांमानियै शिवांअपरआलीनं ॥ मेथीनाम ॥ ४ ॥ कहिमेथिकांरुवार्तिकां शिलुरोहित्थंप्रवीन ॥ ५२ ॥ बथुवानाम ॥ ३ ॥ क्षारपत्रंवास्तुकंवदहि नामप्रसादकंपष ॥ चीलनाम ॥ ४ ॥ चिल्लीरक्तांचिल्लिकां वृहतदलांसुविशेष ॥ ५३ ॥ सरसुंनाम ॥ ५ ॥ सर्ष

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पतंतुभंकदंबकं सितंसिद्धार्थंसुहाय ॥ राईनाम ॥ ५ ॥ क्षुधाजननंक्षवंराजिकां रु
ष्णांआसुरिंथाय ॥ ५४ ॥ गोद्रूंनाम ॥ ४ ॥ नंदीमुखंगोधूमंअरु सुमनंपिपीत
कंपेष ॥ जवनाम ॥ ४ ॥ यवंसितशूकंशुचीसुपुनि शूकंनामतेहिदेष ॥ ५५ ॥ मूंग
नाम ॥ ३ ॥ मुदगंमूंगंमांगल्यंपुनि ॥ उरदनाम ॥ २ ॥ माषंवीर्यकरंमान ॥ मो
ठनाम ॥ ४ ॥ निष्पावंरुवल्लुकंमकुष्टं अपरमकुष्टकंजान ॥ ५६ ॥ चिणानाम ॥ २ ॥
कहियैहरिमंथकंचणकं ॥ कांगनीनाम ॥ २ ॥ कंगुंप्रियंगुंजरूर ॥ कोदरानाम ॥
कोरदूषंकोद्रवंकहत ॥ मसूरनाम ॥ २ ॥ मांगल्यकंरुमसूरं ॥ ५७ ॥ मटरनाम ॥
॥ ४ ॥ नामकलायसंतीलंकहि हरेणुरंखंडिकंआहि ॥ तिलनाम ॥ ३ ॥ जंतिनयनंति
लंतैलफलं ॥ अलसीनाम ॥ ३ ॥ अतसीउमांक्षुमांहि ॥ ५८ ॥ तूरनाम ॥ ४ ॥ कां
क्षीमृत्स्नांतुबरिकां मृतालकांपुनिनाम ॥ पवाडियानाम ॥ ४ ॥ कपोतांघ्रिंशुषिरां
नटीं विद्रुमलतांवषान ॥ ५९ ॥ नागरमोथानाम ॥ ८ ॥ भद्रमुस्तकंरुगुंद्रंगुनि चक्र
लंअरुचूडालं ॥ मेघनामंकुरुविंदंमुस्तां मुस्तकंअविशाल ॥ ६० ॥ दोबनाम ॥ ४ ॥ दू
र्वांअरुशतपर्विकां भार्गविंरुहांभनंत ॥ स्वेतदोबनाम ॥ ४ ॥ गंडालीशकुलाक्ष

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

गोलोमी सितअनंत ॥ ६१ ॥ काशनाम ॥ ३ ॥ काशइक्षुगंधपोटगल ॥ डाभनाम
॥ ४ ॥ कुशकुथदर्भपुनीत ॥ घासनाम ॥ ५ ॥ घासयवसअर्जुनरुतृण शष्पहरि
ततृणगीत ॥६२॥रोइसनाम ॥४॥ सुरजग्धकरोहिषकतृण सौगंधिककहिधीर॥
गांडरनाम ॥ ३ ॥ गांडरवीरणवीरतर ॥ खसनाम ॥ ८ ॥ वीरणमूलउशीर ॥६३॥
लामज्जकलघुलयअभय नलदसेव्यअम्बुणाल ॥ मूंजनाम ॥ ३ ॥ स्थूलदर्भक्षुरमु
जइम जानद्रुबद्रुतृणजाल ॥६४॥ वांशनाम ॥१०॥ वंशवेणुतेजनतथा शतप
र्वात्वक्सार ॥ यवफलमस्करतृणध्वजा कीचकअरुकमार ॥६५॥ नालेरनाम
॥ २ ॥ नालिकेरअरुलांगली ॥ ताडनाम ॥ २ ॥ तालअपरतृणराज ॥ सुपारीनाम
॥ ५ ॥ पूगगुवाकरुक्रमुकपुनि खपुरघोंटसुखसाज ॥ ६६ ॥ केतकीनाम ॥ २ ॥ कैत
अपरपुनिकेतकी ॥ खजूरनाम ॥ २ ॥ खर्जूरीखर्जूर ॥ पिंडखजूरनाम ॥ ४ ॥ द्वीपसं
भवाश्रेणिपुनि सुफलापिंडखजूर ॥६७॥ कछुनिघंटकछुअमरके निश्चैनामनिहा
रि ॥ भावनवर्गवनौषधी रच्योरुचिरसुखकारि ॥६८॥ इतिवनौषधिवर्गः॥४॥सिं
हनाम॥६॥पंचाननहर्यक्षहरिकेसरिसिंहमृगेश ॥ वघेरानाम॥३॥ व्याघ्रद्वीपिशार्दू

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

लंपुनि ॥ चीतानाम ॥ २ ॥ तरक्षुंमृगादनंएस ॥ ६९ ॥ सूरनाम ॥ १२ ॥ शूकरंपो
त्रीघृष्टिंकिटिं कोलंवराहंविचार ॥ स्तब्धरोमंघोणी रुकिरं क्रोडंदंष्ट्रिभूदारं ॥ ७० ॥
वंदरनाम ॥ ९ ॥ मर्कटंवानरंकीशंकपि पेषद्रुप्लुवगंप्लुवंग ॥ शाखामृगंरुव
लीमुखंहि ॥ रींछनाम ॥ २ ॥ भल्लुकंरिछंअभंग ॥ ७१ ॥ गैंडानाम ॥ ३ ॥ गं
डकंखड्गीखड्गंयह दुस्करगैंडादेष ॥ भैंसानाम ॥ ५ ॥ वाहवैरिंकासरंमहिष
लुलायंसैरिभंलेष ॥ ७२ ॥ श्पालनाम ॥ १० ॥ भूरिमायंगोमायुंमृगधूर्त्तकंशि
वांश्रगालं ॥ जंबुकंवंचकंक्रोसटां फेरवंफेरुंकुचाल ॥ ७३ ॥ विल्लीनाम ॥ ५ ॥
ओतुंविडालरुंआखुभुकं दृषदंशकंमार्जारं ॥ गोहकेबच्चानाम ॥ ४ ॥ गोधासु
तंगौधेयंगनि गौधेरंरुगौधारं ॥ ७४ ॥ भेडियानाम ॥ ५ ॥ कोकइंहामृगंकहतत
हि दृकंमृगहारुमृगारिं नौलियानाम ॥ ५ ॥ अहिभक्षकंपिंगलंनकुलं बभ्रुंपुनि
सर्पारिं ॥ ७५ ॥ शेहलीनाम ॥ २ ॥ श्वावितंशल्यंरुरोमतेहि शललिंशल्यशलंसोय
मृगनाम ॥ ५ ॥ मृगंकुरंगंवातायुंत्वचूयोनिंहरिणंपुनिहोय ॥ ७६ ॥ मृगजाति
भेदनाम ॥ १९ ॥ वातप्रमीअरुवातमृगं कंदलीकदलीचीनं ॥ प्रियकंचमूरुंस

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मूरुरुरुं न्पंकुरंकुंकहिदीन ॥ ७७ ॥ रुष्णसारंशंबरंचमरं रोहितंपृषत्पुकार ॥ रो
हिषंकृष्यरुगोकरणं इममृगजातिअपार ॥ ७८ ॥ वैलनाम ॥ १० ॥ ऋषभंवृष
भंवृषभद्रंगौं वलीवर्दंअनड्वानं ॥ सौरभेयंउक्षांवहलं ॥ वृद्धजरद्गवंजान॥७९॥
गायनाम ॥ ९ ॥ सौरभेयिंमाहेयिंगौं शृंगिणिंउस्रांमातं ॥ अर्जुनिंअघ्न्यांरोहि
णीं ॥ वछडानाम ॥ २ तरणकंवत्सकंहात ॥ ८० ॥ रोझनाम॥ ४ ॥ रूपंनीलं
नीलांडकरु गवयंनामतेहिगाय ॥ शुशानाम ॥ ४ ॥ रोमकरणिंअरुविलेशयं
शशंशूलीसमुझाय ॥ ८१ ॥ हस्तीनाम ॥ १९ ॥ दंतीहस्तीद्विरदंद्विपं नागंमतंग
जंमान ॥ गजदंताबलंअनेकपं कुंजरंकरीपिछान ॥ ८२॥ स्तंबेरमंवारणंरुइभं
पदमीसिंधुरंसोय ॥ करटीपीलुंकरेणुंपुनि कलभंकरीसुतहोय॥ ८३॥गजतिय
करिणीधेनुकां ॥ हस्तीकेगालनाम ॥ २ ॥ मदनाम ॥ २ ॥ गंडरुकटंमदंदानं ॥
जंझीरनाम ॥ ३ ॥ शृंखलंअंदुकंनिगडंतेहि बंधनथँभआलान ॥ ८४॥ हस्ती
बांधिबेकारस्सानाम ॥ ३ ॥चूषांकक्षांवरत्रां श्रणिंअंकुसंमुझाय ॥ मावत
नाम ॥ ४ ॥ हस्त्यारोहंनिषादिंआधोरणंहस्तिपथाय ॥ ८५ ॥ घोडानाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ १३ ॥ वाजिवाहसैंधवसनि अश्वतुरंगमअर्व ॥ घोटकपीतितुरंगपुनि घोट
तुरगंगंधर्व ॥ ८६ ॥ घोडीनाम ॥ ३ ॥ बडवाअश्वावामिपुनि ॥ अश्ववाणी
नाम ॥ २ ॥ हेषाह्रेषावानि शफखुरटापतुरंगके ॥ लगामनाम ॥ २ ॥
खलीनकविकाठानि ॥ ८७ ॥ अश्वगतिनाम ॥ ५ ॥ आस्कंदितप्लुतधौरित
क रेचितवल्गितगाय ॥ प्रगटपंचगतिअश्वयह धारानामधराय ॥ ८८ ॥
खच्चरनाम ॥ ४ ॥ वेशरअश्वतरशीघ्रगति रथपूजितपहिचान ॥ खरनाम ॥ ५ ॥
खरगर्दभवालेयपुनि रासभचक्रीवान ॥ ८९ ॥ ऊंठनाम ॥ ४ ॥ उष्ट्रक्रमेलकमयम
हा अंग करभशिशुताहि ॥ बकरानाम ॥ ५ ॥ छागछगलस्तुभवस्तअज ॥ बकरी
नाम ॥ २ ॥ छागीअजासुआहि ॥ ९० ॥ भेडकानाम ॥ ६ ॥ एडकमेढ्रउरभ्रऊर्णा
युउरणपुनिमेष ॥ स्वाननाम ॥ ८ ॥ सारमेयकौलेयमृगदंशकुक्कुरदेष ॥ ९१ ॥ शु
नकभषकमंडलरुश्वा शुनिसरमातिहितीय ॥ गंडशूरानाम ॥ २ ॥ कहियग्रामशू
करअपर जानहुविट्चरजीय ॥ ९२ ॥ ऊंदरीनाम ॥ २ ॥ गिरिकाबालकमूषिका
ऊंदरानाम ॥ ३ ॥ उंदरमूषिकआखु ॥ किरगांटियानाम ॥ २ ॥ विसोरानाम ॥ २ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कहियसरटकंकलासं गृहगोधिकं मुसलीभाषु ॥ ९३ ॥ मकडीनाम ॥ ४ ॥ लूतांम
र्कटकांऊर्णनाभीतंतूवायं ॥ कानसलावनाम ॥२॥ कर्णजलौकाशतपदीं ॥ छोटा
कीडानाम ॥ २ ॥ कृमिंनीलंगुंकहाय ॥ ९४ ॥ कैंकडानाम ॥ २ ॥ शूककीटंवृश्चिक
समुझि ॥ विछूनाम॥३॥अलिंद्रुहंवृश्चिकंआहि ॥ कहौंनामपक्षीनके सुनहुसबैअ
बताहि ॥ ९५ ॥ पक्षीनाम ॥ २३ ॥ विहगंविहायसंविहंगमं खगंविहंगंवीपत्रिं ॥
द्विजंशकुंतंशकुनरुशकुनिं पक्षिंशकुंतिंपतत्रिं ॥ ९६ ॥ पतगंपततंअंडजंविकिर
विष्किरंबाजिंवषान ॥ नीडोद्भवंअरुपत्ररथं गरुत्मान्पुनिजान ॥ ९७ ॥ पांखना
म ॥ ५ ॥ पत्रंपतत्ररुपक्षंछदंगरुतंनामतेहिगाय ॥ पांखकेमूलनाम ॥ २ ॥ पक्षमू
लंपक्षतिंप्रगट ॥ चांचनाम ॥ २ ॥ चंचुंत्रोटिंसमुझाय ॥ ९८ ॥ अंडानाम ॥ ३ ॥ पे
शींअंडरुकोषंपुनि ॥ आलानाम ॥२॥ नीडंकुलायंनिहार ॥ बच्चानाम ॥ ६ ॥ पोतं
पाकंअर्भकंपृथुकं शावकंशिशुंहिसँभार ॥ ९९ ॥ बतकनाम ॥ ४ ॥ कारंडवंप्लुवंपेषि
यै कादंबंरुकलहंसं ॥ हंसनाम ॥ ५ ॥ श्वेतंगरुतंचक्रांगंपुनि मानसवासीहंसं
॥ २०० ॥ राजहंसंसितवरनसो चचुंचरनजेहिरक्त ॥ मलिनचंचुअरुचरनजेहि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मल्लिकाख्यतेहिउक्त ॥ १ ॥ श्यामचंचुचरनजेहि धार्त्तराष्ट्रतेहिधार ॥ वरटाहंसिनि
लक्ष्मणा सारसप्रियापुकार ॥ २ ॥ मोरनाम ॥ ८ ॥ ककी शिखीभुजंगभुक् मे
घनादअनुलासि ॥ वर्हिमयूररुशिखावल नीलकंठसुखरासि ॥ ३ ॥ चंद्रकमे
चकंचंद्रवा ककागिरामयूर ॥ मोरपांषनाम ॥ ३ ॥ पिछशिखंडरुवर्हपुनि चोटी
शिखारुचूर ॥ ४ ॥ जीवंजीवंचकोरअरु हारिलकुक्कुभलाव ॥ पंचनामतैंपं
चयह पक्षीभिन्नकहाव ॥ ५ ॥ टिटोरीनाम ॥ २ ॥ कोयष्टिकटिटिभकहिय ॥ वटे
रनाम ॥ २ ॥ वर्त्तिकवर्त्तकजोय ॥ कबूतरनाम ॥ ३ ॥ कलरवंकपोतपराव
तं ॥ बाजनाम ॥ २ ॥ श्येनशशादनसोय ॥ ६ ॥ घुघूनाम ॥ ८ ॥ दिवाअंध
पेचकप्रगट वायसवैरिउलूक ॥ दिवसभीतकौशिककहिय अपरनिशाटनघूक
॥ ७ ॥ कौडियानाम ॥ खंजरीटखंजनगुनहु ॥ भरदूलचिडीनाम ॥ २ ॥ भरद्वाज
व्याघ्राट ॥ नीलकंठनाम ॥ २ ॥ चाषकिकीदिवंदेषियै ॥ कलिंगनाम ॥ ३ ॥ क
लिंगभृंगधूम्याट ॥ ८ चीलनाम ॥ ३ ॥ चिल्हपिलुआतायिअरु ॥ सुपेतचील
नाम ॥ २ ॥ लोहपृष्ठपुनिकंक ॥ पपीहानाम ॥ ३ ॥ सारंगतोककचातकहि ॥ चिं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

डीविशेषनाम ॥ २ ॥ कहियचटकंकलविंकं ॥ ९ ॥ कूकडानाम ॥ ४ ॥ कुक्कुटं
चरणायुधंअपर ताम्रचूडंकुक्कवाकुं ॥ कोयलनाम ॥ ४ ॥ पिकंकोकिलंपरभृतं
प्रगट वनप्रियंकोमलवाकु ॥ १० ॥ काकनाम ॥ १० ॥ काकंकरटंबलिभुकंत
था आतमघोषंअरिष्टं ॥ परभृतंवायसंध्वांक्षंपुनि सकृतप्रजांबलिपुष्टं ॥ ११ ॥
कालाकउवानाम ॥ २ ॥ कालकंठंदात्यूहंकहि ॥ डोडकागनाम ॥ २ ॥ द्रोणका
कंकाकोलं ॥ गीधनाम ॥ २ ॥ गृध्रंअपरदाक्षाय्यंगुनि ॥ सूवानाम ॥ २ ॥ की
रंशुकंहिप्रियबोल ॥ १२ ॥ आडनाम ॥ ३ ॥ आडीआटिंसरारिंसोउ ॥ तीतर
नाम ॥ २ ॥ तित्तिरंक्रकरंसुहाय ॥ कुरजनाम ॥ २ ॥ कहियकुररंउतक्रोशंपुनि
॥ कुरदातलीनाम ॥ २ ॥ क्रुंअरुक्रौंचंकहाय ॥ १३ ॥ सारसनाम ॥ ४ ॥ कर्क
रेटुंअरुकरेटूं सारसपुष्करंनाम ॥ चकवानाम ॥ ४ ॥ कोकरथांगंरुचक्रंकहि चक्र
वाकंसुखाधाम ॥ १४ ॥ बुगलानाम ॥ ४ ॥ बकंबलाकंजलशब्दकृतं विसकंठिका
वताय ॥ चमचेडनाम ॥ ३ ॥ अजिनपत्रंजतुकांजिनहि चमगादुरिंकहिगाय ॥ १५ ॥
माषीनाम ॥ ३ ॥ मक्षिकंनीलांवर्वणां ॥ सैतकीमाषीनाम ॥ ४ ॥ कहिसरघांमधुमा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

षिं ॥ पुनिपतंगिकापृतिकां ॥ डांसनाम ॥ २ ॥ दंशिकदंशीभाषि ॥ १६ ॥ झिल्लीना
म ॥ ४ ॥ चीरीझिल्लीभीरुकाभनहितिनहिभृंगारिं ॥ टांटियानाम ॥ ३ ॥ गंधोलीव
रटावररं ॥ पतंगियानाम ॥ २ ॥ शलभंपतंगंपुकारि ॥ १७ ॥ भ्रमरनाम ॥ १० ॥
मधुकरंमधुलिहंमधुव्रतं भ्रमरंपुष्पलिहंभृंगं ॥ अलिंद्विरेफंषटपदंमधुपंशोभतपु
हपनसंग ॥ १८ ॥ आगियानाम ॥ ३ ॥ जुगुनुंज्योतिरिंगणंजिनहि कहिकविकु
लखद्योतं ॥ कियेप्रगटपक्षीनके नामअवश्यउद्योत ॥ १९ ॥ मिथुनअपरपुनिद्वंद्व
यह जोरीनरतियजोय ॥ युग्मयुगलंयुगतीनयह नामउभयकेहोय ॥ २० ॥ समू
हकेनाम ॥ २१ ॥ निवहंनिकायसंदोहंव्रजं संहसुउत्करंव्रातं ॥ स्तोमंओघंसंहतिंनि
करं समुदायंरुसंघातं ॥ २१ ॥ संहतिंचयंसमवायंगणं व्यूहंसमूहंकदंबं ॥ वारं
पुंजंराशीविसरंवृंदंकूटंनिकुरंबं ॥ २२ ॥ इतिसिंहादिवर्गः ॥ ५ ॥ मनु
ष्यनाम ॥ ११ ॥ मानुषंमर्त्यंमनुष्यंनरं मानवंमनुजंपुमानं ॥ पूरुषंपुरुषंरुपंच
जनं नांपुनिनामवषान ॥ २३ ॥ स्त्रीनाम ॥ १० ॥ जोषितंप्रतीपदर्शिनीं नारीअ
बलांनाम ॥ स्त्रीरुवधूंसीमंतिनीं वनितांमहिलांवामं ॥ २४ ॥ स्त्रीभेदनाम ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ १७ ॥ भामिनिकामिनिभाविनि प्रमदनितंबिनिपेष ॥ रामारमणीसुंदरी ल
लनाकांतालेष ॥ २५ ॥ भीरुसुलोचनिअंगना वरारोहवरनंत ॥ मत्तकाशिनी
उत्तमा वरवर्णिनी वदंत ॥ २६ ॥ निजविवाहितास्त्रीनाम ॥ ७ ॥ पतनीपाणिगृ
हीतिपुनि सहधर्मिणीसँभार ॥ भार्याजायाद्वितीया देषहुसममदार ॥ २७ ॥प
तिव्रतानाम ॥ ४ ॥ पतिव्रतासाध्वीसती सुचरित्रापुनिसोय ॥ कन्यानाम ॥
॥ ४ ॥ कन्याकुमारीकन्यका नामनग्निकाहोय ॥ २८ ॥ विभिचारिणीनाम ॥ ८ ॥
कुलटापुंश्चलिस्वैरिणी इत्वरिधर्षिणीधार ॥ पांशुलारुपुनिवंध्यकी व्यभिचारिणी
विचार ॥ २९ ॥ शखीनाम ॥ ५ ॥ शखिआलीसधीचिसहचरीवयस्याधार ॥ व
द्धस्त्रीनाम ॥ ३ ॥ वद्धापलितापलिकनी पोटापुरुषअकार ॥ ३० ॥ दूतीनाम ॥
॥ २ ॥ दूतीअरुसंचारिका नगनकोटवीनारि ॥ दासीनाम ॥ ४ ॥ दासीचेटीचे
टिका प्रेष्यानामपुकारि ॥ ३१ ॥ अर्धवद्धविधवात्रिया कात्यायनीकहाय ॥ सै
रिंधीस्वेछासहित परघरकाजकराय ॥ ३२ ॥ प्रेष्याअंतःपुरचरी तरुणिअसिक्नी
आहि ॥ कुटनीनाम ॥ ३ ॥ कुटुनीकुट्टनिशंभली नीचत्रियाकहिताहि ॥ ३३ ॥ वेश्या

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नाम ॥ ६ ॥ वदहिवारमुख्यांजिनहि रूपाजीवांजान ॥ गणिकावेश्यांसतकृतां वारस्त्रीजुवषान ॥ ३४ ॥ रजस्वलानाम ॥ ८ ॥ रजस्वलास्त्रीधर्मिणी पुष्पवती पहिचान ॥ अविआत्रेयीऋतुमती मलिनीउदक्यामान ॥ ३५ ॥ स्त्रीकारजनाम ॥ ३ ॥ जानहुआर्जवपुष्परज ॥ गर्भवतीस्त्रीनाम ॥ ४ ॥ गुर्विणिगर्भिणिगाय ॥ आपन्नसत्वासोउसमुझि अंतर्वतनिवनाय ॥ ३६ ॥ पुत्रनाम ॥ ९ ॥ तनय सूनुसुतआतमज अंगजपुत्रप्रवीन ॥ दारकनंदनतनुजपुनि कन्यासुतकानीन ॥ ३७ ॥ पुत्रीनाम ॥ १० ॥ तनयातनुजाआत्मजा दुहितानंदिनिदेष ॥ सुताअंगजादारिका पुत्रिपुत्रिकापेष ॥ ३८ ॥ पुत्रसुतासंतानकछु तोकअपत्यकहात ॥ पितानाम ॥ ५ ॥ जानहुवप्रांजनयिता पिताजनकपुनितात ॥ ३९ ॥ मातानाम ॥ ५ ॥ जनयित्री मातांप्रसू जननी अंबाजान ॥ बहिननाम ॥ ४ ॥ भगिनी स्वसासहोदरी बहिनी नामवषान ॥ ४० ॥ पोतीपोतानाम ॥ ४ ॥ नप्त्री पौत्रीसुतात्मजा सुतसुतपौत्रस्वकीय ॥ मांमामांमीनाम ॥ २ ॥ मातभ्रातमातुलकहिय मातुलानितेहितीय ॥ ४१ ॥ देवादिवरदेषियै ॥ भांणेजनाम ॥ २ ॥ भागिनेयस्वस्रेय ॥ जवाईनाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ २ ॥जामातांदुहितापतीं॥ दोहितानाम ॥ २ ॥ दौहित्रंदौहित्रेयं ॥ ४२ ॥क्रमतैं
दादापडदादानांनानाम॥ ३ ॥ पितामहंरुप्रपितामहंहि मातामहंमातातं॥ सगा
भाईनाम ॥ ४ ॥ सहजंसगर्भ्यंसहोदरंहि सोदरंसागेभ्रात ॥ ४३ ॥ गोतीनाम
॥ ६ ॥बंधुंज्ञातिंबांधवंरुस्वंः स्वजनंस्वगोत्रंविचार॥ पतिनाम ॥ ४ ॥ धवंप्रियंप
तिंभरतारंपुनि जानहुउपपतिंजार ॥४४॥ जीवतपतिजारजतनय ताकँहँकुंडकहा
य ॥ होतमुयेपतिपुत्रजेहि सोवँहँगोलकंगाय ॥ ४५ ॥ पतनीपतिकोनामसंग दं
पतिंजंपतिंजान ॥ जरनाम ॥ ४ ॥ गर्भाशयंरुजरायुंपुनि उल्वंकललंपहिचान
॥ ४६ ॥ जन्ममासनाम ॥ २ ॥ सूतिमासंवैजननंसोउ ॥ गर्भनाम॥२ ॥ गंर्भं
रुभ्रूणंअखंड ॥ नपुंसकनाम ॥ ५ ॥ शंढंतृतीयाप्रकृतिंपुनि क्लीवंनपुंसकंषंडं
॥ ४७ ॥ बालकनाम ॥ ३ ॥ बालकंबालंरुमाणवकं ॥ जवाननाम ॥ २ ॥
तरुणंरुजुवांकहाय ॥ वृद्धनाम॥ ६॥ स्थविरंवृद्धंजीरणंप्रवयं जीनंरुजरनंजना
य ॥ ४८ ॥ अतिवृद्धनाम ॥ ३ ॥ दशमींअरुज्यायानंपुनि वरनहिवरषीयानं
॥ शुक्लजरातैंकेशजो परगटपलितंप्रमान ॥ ४९ ॥ वडाभाईनाम॥ ३॥ अग्रियं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अग्रजंपूरवज ॥ छोटाभाईनाम ॥ ४ ॥ अनुजंकनिष्टकहात ॥ यवीयान
अवरजंअपर ॥ दुर्बलनाम ॥ ३ ॥ अमांसंदुर्बलंछात ॥ ५० ॥ बलवा
ननाम ॥ ३ ॥ अंसलंअरुमांसलंअपर बोलहितेहिबलवान ॥ वडापे
टवालैकेनाम ॥ ४ ॥ वृहतकुक्षितुंदिकंवदहि तुंदिलंतुंदीजान ॥ ५१ ॥
कुबरांगंडुलंकुबूजंकहि वामनंह्रस्वरुखर्बं॥ एडंबधिरंबहिरांकहिय श्रोणपंगुकहि
सर्व ॥ ५२ ॥ टुंटांकहियैकुकरंकुणिं खौडांखंजंकहाय ॥ कैरांकैकरंवलिरंकहि
गूंगांमूकंवताय॥५३॥निरोगीनाम॥ ३ ॥ निरुजंनिरामयंअनामयं॥ रोगीनाम
॥ २॥ रोगीआमयवान॥ चिकितसारुरुजप्रतिक्रियां रुजइलाजपहिचान॥५४॥
रोगनाम॥७॥ आमयंअरुगदंरुजंरुजां व्याधिंरोगंउपताप ॥ ओषधनाम॥ ४॥
भेषजंओषधंअगदंभनि जायुंहरहिपरिताप ॥ ५५ ॥ क्षयीरोगनाम ॥ ४ ॥ य
क्ष्माक्षयीरुशोषंक्षयं ॥ पीनसनाम ॥ २॥ पीनसंपुनिप्रतिश्यायं॥ क्षुतंक्षवंछिक्कां
जानियै क्षवथूकासंकहाय ॥ ५६॥ खाजनाम ॥ ३॥ कंडूयांकंडूखर्जुं ॥ फोडा
नाम ॥ ३ ॥ व्रणंरुपिटकंविस्फोटं ॥ घावनाम ॥ ३ ॥ क्षतंईरमंमरुंवरनियै ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कुष्टनाम ॥ ४ ॥ कुष्टंमंडलकंकोठं ॥ ५७ ॥ स्वेतकुष्टसोउश्वित्रंकहि ॥ ववासीर
नाम ॥ २ ॥ अर्शसीरुंदुर्नामं ॥ वमननाम ॥ ३ ॥ वमिंप्रछर्दिकांवमथुंवदि सं
ग्रहणींदुखधाम ॥ ५८ ॥ शोफंशोथंअरुस्वयथुं त्रयसोजानामसँभारि ॥ वैद्यना
म ॥ ५ ॥ भिषकंचिकितसकंवैद्यंपुनि गदंकारंरुजहारिं ॥ ५९ ॥ मूर्छाजुक्तकेना
म ॥ ३ ॥ मूर्छितंमूर्छालंरुमूर्त्तं अदृगंउचारहिअंधं ॥ वीर्यनाम ॥ ६ ॥ बीजंवी
र्यइंद्रियंशुक्रं तेजंरेतंततनुबंध ॥ ६० ॥ मांसनाम ॥ ६ ॥ पललंक्रव्यंआमिषंपि
शितंतरसंमांसंदुखकारि ॥ चर्मनाम ॥ ४ ॥ त्वचांचर्मत्वचंअस्रृगधरं सिरांधम
नितनुनारि ॥ ६१ ॥ कलेजानाम ॥ २ ॥ अग्रमांसंवुक्कांवदहि ल्दयंअपरल्दतं
होय ॥ चरवीनाम ॥ ३ ॥ वपांवसांअरुमेदंकहि ॥ तिलीनाम ॥ ३ ॥ तिलकं
क्कामंतिलिंजोय ॥ ६२ ॥ गूदानाम ॥ २ ॥ कहिमस्तिष्कंरुगोर्दपुनि ॥ देहसंधि
बंधनकीनाडीनाम ॥ २ ॥ स्नायुंवस्नसांधार ॥ अंत्रंपुरीततंआंतंयह ॥ थूकवालाल
नाम ॥ ३ ॥ स्रृणिकांस्पंदिनिलारं ॥ ६३ ॥ किट्टंकानमलंनैनमल दूषिकंनामदि
षाव ॥ नासामलसिंघाणंसुनि ॥ मूत्रनाम ॥ ३ ॥ मेहनंमूत्रंप्रस्रावं ॥ ६४ ॥ गूथं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पुरीषंअवस्करंहि शमलंशकृतंउच्चारं ॥ पुनिवरचर्म्कंहिअष्टयह विष्टानामविचार ॥ ६५ ॥ पीठसुअस्थिकशेरुकां कर्परनामकपाल ॥ कीकसंकुल्पंहिअस्थियह तनुपंजरंकंकालं ॥ ६६ ॥ मस्तकअस्थिकरोटिंकहि पशुलीपंशुकपेष ॥ अंगनाम ॥ ४ ॥ अपघनंलषद्रुप्रतीपंपुनि अवयवंअंगंविशेष ॥ ६७॥ देहनाम ॥ १२॥ गात्रंकलेवरंसंहननं वर्षमंविग्रहंदेहं ॥ वपुंशरीरंपुनिकायंकहि मूर्तितनूंतनुंएह ॥ ६८ ॥ पगनाम ॥ ४ ॥ अंघ्रिंचरनंपदंपादंपुनि ॥ फणानाम ॥ २॥ प्रपदंपदाग्रं पिछान ॥ घुटिकंगुल्फंगिरियांगनिय एडीपार्षनिजान ॥ ६९॥ पींडीनाम॥ २॥ प्रस्तांजंघांपेषियै॥ गोडानाम॥ ३॥ जानूंअष्टिवानं ॥ अपरनामएहिउरुपर्वं ॥ साथलनाम ॥ २ ॥ सकथीउरुंहिपिछान ॥ ७० ॥ वंक्षणंउरुकटिसंधिकहि ॥ गुदानाम ॥ ३ ॥ गुदंपुनिपायुंअपानं अधोभागथितनाभिके वस्तिंमूत्रअस्थान॥ ॥७१॥ कंमरनाम ॥ ५॥ ककुदमतीकटिंश्रोणिंपुनि श्रोणिफलकंकटंगाय ॥ पृष्ठ भागतियकटिनकौ नामनितंबंकहाय ॥ ७२॥ अग्रभागकटिजघनंपुनि ॥ कूलां नाम ॥ २॥ फिचंकटिप्रोथंकहंत॥ कहिभगलिंगउपस्थंदोउ ॥भगनाम ॥ २ ॥ भ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

गंअरुयोनिभनंत ॥ ७३ ॥ लिंगनाम ॥ ४ ॥ शिश्नंशेफंमेहनंसही मेढ्रंइनहिपुनि
मान ॥ अंडकोषंमुष्कंरुद्वषणं उभयअंडअभिधान ॥ ७४ ॥ पेटनाम ॥ ६ ॥ उदरं
तुंदंकुक्षीजठरं पेषद्रुपेटंपिचिंडं ॥ स्तननाम ॥ ४ ॥ स्तनंउरोजंवक्षोजंकुचं चूचुं
कुचाग्रअखंड ॥ ७५ ॥ क्रोडंभुजांतरंगोदंगनि ॥ छातीनाम ॥ ३ ॥ वदहिवत्सं
उरंवक्षं ॥ कंधनाम ॥ ३ ॥ भुजशिरंअंसंसकंधंभनि बाहुमूलद्वैकक्षं ॥ ७६ ॥
जानहुजत्रुणिंहंसुली"पृष्टंपीठंकहिताहि ॥ भुजानाम ॥ ४ ॥ भुजंप्रवेष्टंदोंबाहुंभ
नि ॥ कूणीनाम ॥ २ ॥ कफोणिंकूर्परंआहि ॥ ७७ ॥ कहियकलाइप्रकोष्टंपुनि ॥
पुणचानाम ॥ १ ॥ हस्तसंधिमणिबंधं ॥ भनहिकनिष्टालौंकरभं बाहिरहस्तप्रबं
ध ॥ ७८ ॥ हाथनाम ॥ ५ ॥ पंचशाखंसयपाणिंकरं हस्तनामयहहोय ॥ तर्जनिअ
परप्रदेशिनी निकटअंगुष्टंहिसोय ॥ ७९ ॥ आंगलीनाम ॥ २ ॥ अंगुलिंकरशा
खांसमुझिंएहिकेपासअंगुष्टं ॥ क्रमहिप्रदेशिनिंमध्यमां अनामिकांरुकनिष्टं ॥
८० ॥ प्रादेशनाम ॥ ३ ॥ अंगुलितर्जनिआदित्रय अंगुष्टविस्तृतआहि ॥ प्रादे
शंरुगोकर्णपुनि तालंकहतहैताहि ॥ ८१ ॥ वैंतनाम ॥ २ ॥ सहितकनिष्टअंगुष्टकर

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

विस्तारितदरसाय ॥ द्वादशअंगुलमानतैं वैंतवितस्तिवताय ॥ ८२॥ विस्तारित
अंगुलिसहित होतजबैपुनिहस्त॥ ताकेभाषतनामत्रय प्रतलंचपेटंप्रहस्तं ॥ ८३॥
हस्तप्रमाणनाम ॥ विस्तृतकरकूर्परहितैं मधअंगुलिकेअंत ॥ चतुरवीशअंगुलि
नकौ कविकुलहस्तंकहंत ॥ ८४ ॥ करहिसबैअंगुलिकुटिल प्रस्तृतिंतिनहिपहिचा
न ॥ प्रस्तृतिउभयजबमिलहितेहि अंजुलिंनामवषान ॥ ८५ ॥ मूठीनाम ॥ २॥
बद्धांगुलिसबहोतजब जानहुमुष्टिंसरंति॥ऊर्ध्वकनिष्टामुष्टिजो आषहिताहिअ
रंति ॥ ८६ ॥ नखनाम ॥ ४ ॥ कररुहंपुनभवंनखरंनखं ॥ लोमनाम ॥ २ ॥रो
मंतनूरुहंगाय ॥ ग्रीवानाम ॥ ३ ॥ कंधरंग्रीवंशिरोधिंसोउ ॥ कंठनाम ॥ २॥
गलंअरुकंठंकहाय ॥ ८७॥ कंठकापिछलाभागघांटीनाम ॥ ३॥ घाटांअवटुंरु
काटिकां कंबुग्रीवंत्रयरेख ॥ मुखनाम ॥ ७ ॥ वदनंतुंदंआननंलपनं आस्यंव
क्त्रंमुखंदेष॥८८॥ नाकनाम॥ ५॥घोणांनासांनासिकां गंधवहांपुनिघ्रानं॥होटना
म॥४॥ दशनवासंअरुरदनछदं औष्टंअधरंपहिचान ॥ ८९॥औष्टप्रांतस्त्रक्किणिं
प्रगटं चिबुकंअधरअधथानं गंडकपोलंहिगालंकहिं तेहिअधहनूंपिछान॥९०॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

दशनंदंतंअरुरदनंरदं काकुदंतालुंसुठाट ॥ रसनांजिव्हांरसज्ञां गोधींअ
लिकंललाटं ॥ ९१ ॥ नयनउपरिभ्रूजुगंशुभग भ्रूमधकूर्चंभनंत ॥ चक्षुंनेत्रंलोच
नंनयनं ईक्षणंअक्षिंकहंत ॥ ९२ ॥ दृगंदृष्टींसोउदेषियै ॥ माणसीयानाम ॥ २ ॥
तारकंकनीनिकांहि ॥ आंसूनाम ॥ ४ ॥ अस्रंअस्रुंनेत्रांबुंपुनि रोदनंजानहुताहि
॥ ९३ ॥ अंतकोनजोअक्षिके ताहिअपांगंउचारि ॥ तेहितैंतिरछोदेषिबौ सोकटाक्षं
मनहारि ॥ ९४ ॥ काननाम ॥ ७ ॥ कर्णंशब्दग्रहंश्रोत्रंश्रुतिं कहियश्रवणंश्रवंका
नं ॥ माथानाम ॥ ५ ॥ उत्तमांगंशिरंशीर्षंपुनि मूर्द्धांमस्तकंमान ॥ ९५ ॥ केश
नाम ॥ ६ ॥ केशंशिरोरुहंचिकुरंकचं कहियतुकुंतलंबारं ॥ टेढेकेशनाम ॥ २ ॥
चूरणकुंतलंअलकंकहि ॥ भ्रमरकंझुकेललार ॥ ९६ ॥ पट्टीनाम ॥ ३ ॥ केशवे
शंकवरींकवरं ॥ जुलफीनाम ॥ २ ॥ काकपक्षंपहिचान ॥ सोउशिखंडकंसमु
झियै जूरांधम्मिलंजान ॥ ९७ ॥ चोटीनाम ॥ ३ ॥ केशपाशिंचूडांशिखां जटां
सटांमुनिकेरि ॥ वेणिंप्रवेणिंलटूरिलहि पाशपक्षंकचढेरि ॥ ९८ ॥ कहिशीर्षण्यंशि
रस्यंद्वै शीससरलकचसोय ॥ प्रगटपुरुषमुखऊपरै श्मश्रुंजिनहिपुनिजोय ॥ ९९ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वेशप्रसाधनप्रतिकर्म नेपथ्यरुआकल्प ॥ अलंकारकोपंचयह कहिशोभाकविक
ल्प ॥ ३०० ॥ प्रगटपरिष्कृतप्रसाधित अपरअलंकृतआहि ॥ भूषितमंडितनाम
यह भूषनसंजुतताहि ॥ १ ॥ भूषननाम ॥ ८ ॥ भूषाभूषनविभूषन अलंक्रि
याअलँकार ॥ परिष्कारआभरनपुनि मंडननामनिहार ॥ २ ॥ मुकुटकिरीटरुम
कुटपुनि ॥ चूडामणिशिररत्न ॥ तरलहारकौमध्यमणि शोभतसदासजत्न ॥ ३ ॥
पत्रपाश्यरुललाटिका बैंदीनामसुबोल ॥ तालपत्रपुनिकर्णिका भूषनकर्णअमो
ल ॥४॥ कुंडलनाम ॥२॥ कर्णवेसटनकुंडलहि ॥ मुक्ताहारनाम ॥ २ ॥ मुक्तावली
रुहार ॥ गुत्सारधंगोस्तनगुत्स हारभेदबहुधार ॥ ५ ॥ पुणचीवाकंकणनाम ॥ ४ ॥
पारिहार्यआवापकहि कटकवलयरमनीय ॥ विजैपत्रवाबाजूबंदनाम ॥२॥अंगद
अरुकेयूरकहि ॥ वीटीनाम ॥ ३ ॥ ऊर्मिकारुअँगुलीय ॥ ६ ॥ अक्षरसंजुतमुद्रिका
कंकनभूषनहस्त ॥ स्त्रीकीकटीमेखलानाम ॥ ५ ॥ कांचिसप्तकीमेखला रसनारसन
प्रशस्त ॥ ७ ॥ पुरुषनकीकटिमेखला शृंखलताहिकहाय ॥ क्षुद्रघंटिकाकींकिनी घुघु
रुनामगनाय ॥ ८ ॥ पायजेबवाविछियानाम ॥ ६ ॥ तुलाकोटिपादांगदहि नूपुर

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अरुमंजीरं॥ पादकटकहंसकप्रगट पदभूषनसुखसीर॥ ९॥ वस्त्रनाम ॥ ६ ॥ अं
शुकचेलआछादनहि वस्त्रवसनपटवास॥ त्वचफलरुमिअरुरोमचहुँ जानहुका
रनजास॥ १० ॥ वलकलशणमयत्वचजनित फलजसूत्रमयसोय॥ रुमिजपाट
कौशेयकहि ऊनीरोमजहोय ॥ ११॥ क्षौमदुकूलहिनामतैं वसनरेशमीमान ॥
फाटावस्त्रनाम॥ २॥ नक्तकंकर्पटफटितकहि जीर्णपट्टच्चरंजान ॥ १२॥ वेठनवस्त्र
केनाम ॥ २॥ प्रच्छदपटरुनिचोलपुनि रल्लकंबलठान॥ धोतीनाम॥ ४॥ अधपट
उपसंव्यानपुनि अंतरीयपरिधानं॥ १३॥ दुपट्टानाम॥ ५॥ उत्तरीयसंव्यानअरु
वहतिकारुप्रावारं॥ अपरउत्तरासंगइम नामपंचगनिसार॥ १४॥ अंगियानाम
॥२॥ कूर्पासकंकंचुकिंकहिय॥ रजाईनाम॥१॥ कहिनीसारंप्रवीन॥ कछनीनाम
॥ २॥ अर्द्धोरुकचंडातकहि॥ लहँगानाम॥ १॥ पेषट्टुपुनिप्रपदीनं॥ १५॥ चारुचं
दोवानामद्वै वदउल्लोचंवितानं॥ शिविरंदूष्पआदिकसमुझि वसनरचितअस्थान
॥ १६॥ कहहितिरस्करणी'तिनहि पुनिजवनिकाकहात ॥ प्रतिसीरापरसिद्धयह
कहियैनामकनात॥ १७॥ उवटनानाम ॥ २॥ उद्वर्त्तनंउत्सादनंहि॥ स्नाननाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ३ ॥ स्नानरुआप्लुवप्लावं ॥ पोंछनानाम ॥ ४ ॥ मार्ष्टिमारजनमृजसंमृज ॥ चंदन आदिविलेपनकेनाम ॥ २ ॥ चर्चाचार्चिक्यंगाव ॥ १८ ॥ चारुचिन्हमृगमदरचित कहुं कपोलतनमांहि ॥ तिनहिंपँत्रलेखाअपर पत्रंगुलिसुकहांहि ॥ १९ ॥ कस्तूरीनाम ॥ ४ ॥ कतूरीमृगनाभिमृगमदरुमृगांडजधार ॥ कपूरनाम ॥ ५ ॥ शशिसिताभंहिम वालुका कर्पूररुघनसार ॥ २० ॥ अगरनाम ॥ ५ ॥ लोहंकृमिजंराजार्हवंशिकारु अगुरुंवताय ॥ यक्षधूपनाम ॥ ४ ॥ रालंसर्वरसंसर्जरसं यक्षधूपंसमुझाय ॥ २१ ॥ लोबाननाम ॥ ५ ॥ यावनांपिंडकंतुरुसकरु सिल्हधूपंलोबानं ॥ धूपनाम ॥ ३ ॥ कृ त्रिमधूपकंअपरदकधूपंधूपंपहिचान ॥ २२ ॥ कस्तूरीकर्पूरकंकोलंअगुरुंसुख रास ॥ नामयक्षकर्दमंइनहि लेपसुगंधिनिवास ॥ २३ ॥ कुंकुमंअरुचंदनंअगुरु कस्तूरीकर्पूरं ॥ कहहियक्षकर्दमंइनहि केउरसज्ञमुदमूर ॥ २४ ॥ चोवाअरगजाना म ॥ ४ ॥ तनुअनुलेपनिंविलेपनं वर्णवर्त्तिंअभिराम ॥ गंधचूरणनाम ॥ २ ॥ वासंयोगचूरणंविमल ॥ गंधयुक्तवस्तुनाम ॥ २ ॥ भावितंवासितंनाम ॥ २५ ॥ पुष्पमालानाम ॥ ३ ॥ पुष्पजमालंमाल्यस्रक्पेषहुनामप्रतछ ॥ शेखरंअरुआपी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

डंवँहँ शिखागुहीस्त्रक्स्वछ ॥ २६ ॥ आभोगंरुपरिपूर्णतांपूरणनामपिछान ॥ उ
भयनामतकियातिनहि उपवर्हंरुउपधानं ॥ २७ ॥ खाटनाम ॥ ४ ॥ खट्वांअरु
पल्यंकंपरयंकंमंचंमनभाय ॥ विछायतनाम ॥ ३ ॥ शय्यांशयनीयंरुशयनं ॥
गेँदुआनाम ॥ २ ॥ गेँदुकंकंदुकंगाय ॥ २८ ॥ दीयानाम ॥ ४ ॥ गृहमणिंदीपंप्रदीप
करुं कज्जलध्वजंहिसमिद्ध ॥ डब्बानाम ॥ २ ॥ समुझिसमुदगकंसंपुटकं ॥ पीढाना
म ॥ २ ॥ आसनंपीठंप्रसिद्ध ॥ २९ ॥ प्रतिग्राहंपुनिपतदग्रहं पीकदानिंदरसाय ॥
कंकतिकांरुप्रसाधिनीं कंगुसिंनामकहाय ॥ ३० ॥ दर्पणंआदर्शंरुमुकुरं काच
नामकहितीन ॥ व्यजनंतालवंतकंविमल पंखांकहहिप्रवीन ॥ ३१ ॥ इतिमनुष्य
वर्गः ॥ ६ ॥ कुलनाम ॥ ९ ॥ कुलंअभिजनंअन्वयंजननं संततिंगोत्रंसंतानं ॥ अन्व
यायंवंशंरुवरन ब्राह्मनआदिवषान ॥ ३२ ॥ सज्जननाम ॥ ६ ॥ साधुसभ्यंस
ज्जनंमहाकुलंकुलीनंअरुआर्यं ॥ च्यारआश्रमनाम ॥ ब्रह्मचारिंगृहिंवनस्थंरु
भिक्षुंआश्रमहिधार्यं ॥ ३३ ॥ ब्राह्मणनाम ॥ ६ विप्रंअग्रजन्मांरुद्विजं महिसु
रंवाडवंउक्त ॥ ब्राह्मणंषटकर्मांसुवँहँ षटकर्मनसंजुक्त ॥ ३४ ॥ पंडितनाम ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ २३ ॥ कविंकोविदंबुधंसनंसुधीं विपश्चितंरुविद्वानं ॥ पंडितसंख्यावानंपुनि
धीरंसूरिंधीमानं ॥ ३५ ॥ प्राज्ञंमनीषिंरुविचक्षणं लब्धवरणंकृतिंकृष्टिं ॥ वि
ज्ञंतज्ञंदोषज्ञंअरु दूरदर्शिंवडद्दष्टिं ॥ ३६ ॥ वेदपढावैताकेनाम ॥ २ ॥ उपाध्यायंअ
ध्यापकंहि ॥ वेदपढैताकेनाम ॥ २ ॥ छांदसंश्रोत्रियंउचार्य ॥ गुरुंजनमादिक्रि
याकरहि मंत्रकहहिआचार्यं ॥ ३७ ॥ अग्निष्टोमसुआदिमख करवावहिजोकाहि ॥
सोवँहँकर्त्ताजज्ञको रुत्विजंयाजकंआहि ॥ ३८ ॥ यज्ञपतिकेनाम ॥ ५ ॥ यजमानंरु
यष्टावतीं कहियेयज्ञअध्यक्षं ॥ वहींसोमवतयज्ञकरि दीक्षितंदाषहिदक्ष ॥ ३९ ॥
स्थपतिंबृहस्पतियज्ञकृतं यज्वांविधिमखकारि ॥ सोमपंपीवहिसोमरस हितसोंस
बदुखहारि ॥ ४० ॥ शिष्यनाम ॥ ३ ॥ सेवसदागुरुकीकरहि पढहिशास्त्रसमुदायअं
तेवासीछात्रंशिष्यवीद्यारथीवताय ॥ ४१ ॥ वेदपढहिनितसहितव्रत ब्रह्मचारिंसोवि
ज्ञ ॥ परिपाटीउपदेशकी कहिऐतिर्थ्यंरसज्ञ ॥ ४२ ॥ आदिज्ञानउपज्ञांकहिय उपक्रमं
आरंभभाग ॥ यज्ञनाम ॥ ७ ॥ सप्ततंत्तुमखंयज्ञंक्रतुं सवंअध्वरंअरुयागं ॥ ४३ ॥
पाठंहोमंतर्पणंबलीं अभ्यागतसनमानं ॥ महायज्ञंयहपंचकहि ब्रह्मयज्ञंएहिमा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

न ॥ ४४ ॥ सभानाम ॥ ९ ॥ सभासमज्यासमितिपुनि संसदसदहिवषान ॥ प
रिषदगोष्ठीपेषियै आस्थानीआस्थान ॥ ४५ ॥ सभामैबैठैताकेनाम ॥ ५ ॥ सा
माजिकअरुसभासद सभ्यरुसभासतार ॥ विधिदरसावहियज्ञकी सोसदस्यनि
रधार ॥ ४६ ॥ तीनोंवेदकेज्ञातानाम ॥ ३ ॥ होताअध्वर्यूअपर उदगाताअव
दात ॥ ऋमतेंऋग्यजुसामकेज्ञाताइनहिकहात ॥ ४७ ॥ यज्ञकेचूंतरानाम ॥
॥ २ ॥ स्थंडिलचत्वरजानियै खंभायूपचखाल ॥ वेदमंत्रजुतयज्ञकी वेदीवनहि
विसाल ॥ ४८ ॥ दक्षिणाग्नीगर्हपत्य आहवनीयसुआहि ॥ तीनअग्नियहयज्ञ
की त्रेतानामसुताहि ॥ ४९ ॥ गायत्र्यादिकछंदगुनि हव्यपाकचरुजान ॥ दधि
संजोगपयउष्णमै रचिआमिक्षामान ॥ ५० ॥ दधिघृतकेसंजोगतैं कहिपृषदा
ज्यपवित्र ॥ रचितचारुमृगचर्मतैं मखकौव्यजनधुवित्र ॥ ५१ ॥ पायसअरुपर
मान्नकहि क्षीरनामभलभव्य ॥ हव्यभागभनिसुरनकौ कहिपितृनकौकव्य ॥
॥ ५२ ॥ यज्ञपात्रनाम ॥ ५ ॥ धुवउपभृतअरुस्रुचजुहू पात्रस्रुवादिकसोय ॥ हो
मितवस्तूवषट्कृत ॥ होमजोग्यवस्तुनाम ॥ २ ॥ हविसान्नाय्यहिहोय ॥ ५३ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

करहियज्ञकेअंतमैं सोअवभृथंअस्नान ॥ वापीकूपंतडागंशुभ कर्मसुपूर्त्तंपिछान ॥ ५४ ॥ पुरोडासतैंआदिमखशेषंअमृतंतेहिनाम ॥ पितृसुरनकेशेषकौं विघसं वदहिमतिधाम ॥ ५५ ॥ दाननाम ॥ १३ ॥ त्यागंविहापितंविसर्जनं उतसर्जनं अरुदानं ॥ प्रादेशनंनिर्वपणंअपवर्जनंअंहतिंठान ॥ ५६ ॥ विश्राणनंवितरणंरु स्पर्शनंप्रतिपादनंपेष ॥ पिंडदानजोमृतकहित ऊरधदैहिकंदेष ॥ ५७ ॥ करहिपि तृहितदानजो नामनिवापंनिहार ॥ करहिकरमजोपितृहित विधिजुतश्राद्धंविचा र ॥ ५८ ॥ षोजिबैकेनाम ॥ २ ॥ अन्वेषणांगवेषणां ॥ विनयनाम ॥ २ ॥ स निंअध्येषणंधार ॥ जाचन्यानाम ॥ ४ ॥ यांचांयाचनंअर्थनां अभिशस्तीउरधा र ॥ ५९ ॥ पूजाहितजलअर्घ्यंपुनि पदहितपाद्यसुनीर ॥ पाँडुनानाम ॥ ४ ॥ आ वेशिकंआगंतुंपाँडुनांअतिथिंकहिधीर ॥ ६० ॥ पूजानाम ॥ ५ ॥ अर्चांअर्हणंस पर्यां पूजांअपचितिंनाम ॥ सेवानाम ॥ ४ ॥ वरिवस्यांशुश्रूषंपरिचर्यंउपासनं साम ॥ ६१ अनुक्रमनाम ॥ ४ ॥ आनुपूर्व्यंअनुक्रमंअपर परिपाटीपर्यायं ॥ उ ल्लंघनैकेनाम ॥ ४ ॥ अतिक्रमंपर्ययंउपात्ययं पुनिअतिपातंकहाय ॥ ६२ ॥ फिरनै

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

केनाम ॥ ४ ॥ व्रज्यंअट्यंपर्यटनंअटं ॥ व्रतनाम ॥ ३ ॥ व्रतंरुनियमंउपवासं ॥ वेद
व्यासनाम ॥ ४ ॥ द्वैपायनंपाराशर्यं सत्यवतीसुतंव्यासं ॥ ६३ ॥ विश्वामित्रनाम
॥ ३ ॥ कौशिकंविश्वामित्रंगाधेयंनामतेहिगाय ॥ वालमीकनाम ॥ ३ ॥ प्राचेतसं
पुनिआदिकविं मैत्रावरुणवंताय ॥ ६४ ॥ संन्यासीनाम ॥ ५ ॥ मस्करिंभिक्षुंप
राशरीं परिव्राटंसंन्यासिं ॥ तपस्वीनाम ॥ ४ ॥ तपस्वीं तापसंतपोधनं पारिकांक्षिं
मुदरासि ॥ ६५ ॥ पावननाम ॥ ३ ॥ पूतंपवित्ररुप्रयतंपुनि ॥ पाखंडीनाम ॥ २ ॥ स
र्वलिंगिंपाखंडं ॥ मुनिदंडनाम ॥ २ ॥ कहिआषाढंहिव्रतिनकौ जोपलाशमयदंडं
॥ ६६ ॥ रांभंवेणुमयदंडवर ॥ मुनिआसननाम ॥ २ ॥ आसनंद्वषीं वषान ॥ अजिनं
रुत्तिंमृगचरमंकहि कुंडिंकमंडलुंमान ॥ ६७ ॥ वारैयमनाम ॥ सत्यंअहिंसंअ
चोरिंच्हीं असंगंअसंचयंगाइ ॥ मौनंआसतिकंब्रह्मब्रतं अभयक्षमांथिरताइ
॥ ६८ ॥ बारैनियमनाम ॥ तपंउपासंजपंसौचद्वैं होमंअतिथिदुखनासं ॥ श्रेद्धांउप
रुतिसेबगुरुंतोषंरुतीर्थनिवासं ॥ ६९ ॥ जनेउनाम ॥ ४ ॥ धरीसुवांयेकंधजो य
ज्ञसूत्रंउपवीतं ॥ करीदाहिनेकंधपैं सोप्राचीनावीतं ॥ ७० ॥ लंबीलसैजुकंठमध

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

निश्चैजाननिवीतं ॥ देवतीर्थनाम ॥ अंगुलिहूकेअग्रमै तीरथदैवंपुनीत ॥ ७१ ॥ अ
अनामिकारुकनिष्टिका उभयमूलकेमांहि ॥ प्रगटप्रजापतिदेवकौ तीरथतहांकहां
हि ॥ ७२ ॥ तर्जनीरुअंगुष्टमध तीर्थपितृकौपेष ॥ तैसैंइमूलअंगुष्टके तीरथब्राह्म्य
विशेष ॥ ७३ ॥ संसकारशुभहीनजो ताकहँब्रात्यविचार ॥ वरतैवंचकतासहित ध
रमध्वजसोधार ॥ ७४ ॥ अग्रजतैंपहिलैअनुज कियअधिकारप्रवृत्ति ॥ सोपरिवे
त्ताजानियै वडभ्रातापरिवित्ति ॥ ७५ ॥ विवाहनाम ॥ ५ ॥ करपीडनउदवाहपरि
णयंउपयमंउपयामं ॥ मैथुननाम ॥ ६ ॥ रतिव्यवायमैथुनसुरतं निधुवनंरतंसुख
काम ॥ ७६ ॥ धरमंअरथंअरुकामपुनि मोक्षंकहियचहुँवर्ग ॥ मोक्षरहितएहि
तीनकौ वरनहिनामत्रिवर्ग ॥ ७७ ॥ ॥ इतिब्रह्मवर्गः ॥ ७ ॥ ॥ क्षत्रियना
म ॥ ६ ॥ कहिविराटंराजन्यवरं बाहुजंक्षत्रियंधीर ॥ अपरमूर्द्धअभिषिक्तंपुनि
क्षत्रंवषानहिवीर ॥ ७८ ॥ राजानाम ॥ २२ ॥ राजांमहिपतिंराटंनृपं क्ष्माभृतं
महीपंमहीशं ॥ नामनरेंद्रंनरेश्वरंहि क्ष्मापतिंभूपंक्षितीशं ॥ ७९ ॥ क्षोणीनाथंम
हीक्षितंहि पुनिनरदेवंनरेशं ॥ भूपतिंभूभुकंनराधिपं पार्थिवंपृथिपंप्रजेशं ॥ ८० ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कहियअधीश्वरंनृपतिबहु जेहिआज्ञावसवर्त्ति॥ सार्वभौमंजानहुजिनहि जोनृप
चक्रसुवर्त्ति॥८१॥अपरमंडलेश्वरंनृपति निजनिजमंडलमांहि ॥राजसूयमखक
रहिजो तेहिपतिंताहिकहांहि ॥ ८२॥ सबहीकोंशिक्षाकरत सोसँम्राटंसंभार ॥ व
डामंत्रीनाम ॥ ३ ॥ मंत्रिंअमात्यंरुधीसचिवं ॥ छोटामंत्रीनाम ॥ १ ॥ कर्मस
चिवंतेहिलार ॥ ८३ ॥ मुख्यमंत्रीनाम ॥ २ ॥ महामंत्रिंपरधानंपुनि मुख्यराज
अधिकारिं॥ कहियपुरोहितंपुरोधांकरमसाक्षिसुखकारि॥८४॥ न्यायकर्त्तांना
म ॥ २ ॥ अक्षदर्शकंहिदेषियै प्राडविवाकंविचार ॥ पौलियानाम ॥ ५ ॥ द्वा
स्थितंदरसकंद्वास्थंपुनि द्वारपालंप्रतिहारं ॥ ८५ ॥ अधिकारीनाम॥ २॥ अधिकृ
तंअरुअध्यक्षंपुनि"भौरिकंकनकाध्यक्ष ॥ स्थायुकंग्रामअध्यक्षंकहि"नैष्किकंरू
प्यअध्यक्ष ॥ ८६ ॥ अंतर्वंशिकंवषानियै अंतःपुरअधिकारि ॥ रनिवासकेसेव
कनाम ॥ ४ ॥ कंचुकिंसौविदंसौविदलं पुनिस्थापत्यंपुकार॥८७॥ शंढंवर्षवरं
उभयहनाजरनामनिहार ॥ सेवकनाम ॥ ३ ॥ सेवकंअरुअरथींअपर अनु
जीवीउरधार ॥ ८८ ॥ शत्रुंनिकटवरतीनृपति"मित्रंपरैतेहिपेष ॥ तेहितैंपरवासी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नृपति उदासीनअवरेष ॥ ८९ ॥ वैरीनाम ॥ १९ ॥ रिपुसपत्नद्वेषणदुस्टद अरिवै
रीअभिघाति ॥ परिपंथीप्रत्यर्थिपर दस्युअमित्रअराति ॥ ९० ॥ शात्रवशत्रुवि
पक्षद्विट अहितअपरद्विषआहि ॥ समवयमित्रनाम ॥ ३ ॥ स्निग्धवयस्यरुसव
यकहि समवयमित्रसुताहि ॥ ९१ ॥ मित्रनाम ॥ ३ ॥ सखासुस्टद अरुमित्रपु
नि ॥ मित्रतानाम ॥ २ ॥ सख्यरुसासपदीन ॥ अनुकूलनाम ॥ २ ॥ अनुरोध
रुअनुवर्त्तनहि ॥ विश्वासीनाम ॥ २ ॥ आप्तप्रत्ययितचीन ॥ ९२ ॥ हलकारा
नाम ॥ ७ ॥ प्रणिधीनामपिछानियै अपसर्परुचरचार ॥ गूढपुरुषस्पशसमुझियै
यथार्हवरणविचार ॥ ९३ ॥ ज्योतिषीनाम ॥ ८ ॥ मौहूर्तिकमौहूर्त्तपुनि गणक
ज्योतिषिकज्ञानि ॥ कार्त्तांतिकदैवज्ञअरु सांवत्सरसुखदानि ॥ ९४ ॥ शास्त्रीना
म ॥ २ ॥ तांत्रिकज्ञातसिधांतगुनि ॥ मोदीनाम ॥ २ ॥ सत्रीगृहपतिसार ॥ ले
खकनाम ॥ ४ ॥ लेखकअक्षरचंचुलहि अक्षरचनलिपिकार ॥ ९५ ॥ लिखित
अक्षरनाम ॥ ४ ॥ लिपिरुलिखितलिविलेखियै अरुअक्षरसंस्थान ॥ दूतनाम ॥
॥ २ ॥ दूतअपरसंदेशहरदौत्यकर्मतेहिजान ॥ ९६ ॥ वटाऊनाम ॥ ६ ॥ पांथ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पथिकंपुनिपथकंकहि अरुअध्वन्यंगनाय ॥ अध्वनीनंअध्वगंअपरं तियअध्व
गांकहाय ॥ ९७ ॥ राज्यके ७ अंगनाम ॥ स्वामिमंत्रिंकोशंरुसुल्दं देशंदु
र्गंबलंदेष ॥ सप्तअंगयहराज्यके प्रकृतिनामएहिपेष ॥ ९८ ॥ नीतिकेषटगुण
नाम ॥ विग्रहंसंधिंरुद्वैधंपुनि आश्रयंआसनंयानं ॥ उछाहंमंत्रंप्रभावंजो
शक्तितीनपुनिमान ॥ ९९ ॥ कहित्रिवर्गमतनीतिमै क्षयंअरुवृद्धिंस्थानं ॥ प्रता
पनाम ॥ ३ ॥ तेजंप्रतापंप्रभावंपुनि कोशजअंडजजान ॥ ४०० ॥ दानंदंडंअ
रुभेदंपुनि सामंउपायसुचारि ॥ दंडनाम ॥ ३ ॥ साहसंअरुदमंदंडंसोउ ॥ मिला
पनाम ॥ २ ॥ सामंसांत्वंसुखकारि ॥ १ ॥ भेदंअपरउपजापंद्वै करिबौभेदवषा
न ॥ उपधांधर्मादिकनतैं मंत्रिपरीक्षामान ॥ २ ॥ जोसलाहचहुँश्रवनगतं अष
डक्षीणंसुउक्त ॥ एकांतनाम ॥ ६ ॥ रहंउपांशुंनिःशलाकंहि छन्नंरुविजिनंविवि
क्त ॥ ३ ॥ रहमैहोतरहस्यंसो ॥ विश्वासनाम ॥ २ ॥ विश्रंभंरुविश्वासं ॥ भ्रेषंनाम
अन्यायभनि इनतैंरहियउदास ॥ ४ ॥ न्यायनाम ॥ ५ ॥ देशरूपंअभ्रेषंअरु कल्पं
समंजसंन्यायं ॥ न्यायजुक्तवस्तुनाम ॥ ५ युक्तंऔपयिकंन्याय्यंअभिनीतंलभ्यं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

दरसाय ॥ ५ ॥ युक्तअयुक्तपारषनाम ॥ २ ॥ संप्रधारणासमर्थन ॥ आज्ञाना
म॥ ७ ॥ शासनशिष्टिनिदेश ॥ आज्ञाअरुअपवादपुनि सुनियशास्तिनिर्देश ॥
॥ ६ ॥ मरजादानाम ॥ ४ ॥ स्थितिमर्यादाधारणा संस्थानामवषान ॥ अपरा
धनाम ॥ ३ ॥ मंतुआगअपराधपुनि॥ बांधिबैकेनाम ॥ २॥ बंधनअरुउद्दान
॥ ७ ॥ राजभागनाम ॥ ३ ॥ भागधेयकरबलिभनिय दूनौदंडद्विपाद्य॥ देतदाम
मासूलतेहि शुल्कनामप्रतिपाद्य ॥ ८ ॥ निजबांधवकौभागतेहि हरणसदायउचा
र॥ भेटनाम॥ ५॥ प्राभृतउपदाउपायन उपग्राह्यउपहार॥ १॥ फलआगामिउदर्क
कहि अनलजआदिअद्दष्ट ॥ भयफलनृपचौरादितैं देषद्रुताकँहँद्दष्ट ॥ १० ॥
व्हैस्वपक्षतैंनृपनकै जोभयअहिभयआहि ॥ कानूननाम ॥ २॥ प्रक्रियारुअधि
कारपुनि ॥ चँवरनाम ॥ २ ॥ चामरंप्रकीर्णचाहि॥ ११॥ राजगादीनाम॥ ३॥
नृपआसनभद्रासनहि जानद्रुमनिमयजत्र ॥ सिंहासनसुवरनरचित ॥ छत्र
नाम॥ २ ॥ आतपत्रंपुनिछत्र ॥ १२॥ वहैंछत्रजोनृपतिकौ सोनृपलक्ष्मनिहा
र॥ पूर्णकुंभअरुभद्रकुंभ ॥ सुवर्णकीझारीनाम ॥ २ ॥ कनकालुकभृंगार

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ १३ ॥ पोरानाम ॥ २ ॥ उपरक्षणंसज्जनंअपर पैहरानामपुकार ॥ रथंक
रिंअस्वंपदातियह सेनाअंगसुच्यार ॥ १४ ॥ रथनाम ॥ ४ ॥ रथंशतांगंस्पंदनंअ
पर सुखदपुष्परथंथाय ॥ जनांनारथनाम ॥ ३ ॥ प्रवहणंहयनंरुकर्णिरथं ॥
गाडीगाडानाम ॥ ३ ॥ गंत्रिंशकटंअनंगाय ॥ १५ ॥ पालषीनाम ॥ २ ॥ या
म्ययानंशिविकांशुभग ॥ हिंडोलानाम ॥ २ ॥ दोलांप्रेंखपुकार ॥ पैडाना
म ॥ ३ पहियांचक्रंरथांगंपुनि धुरींधुरांधूंधार ॥ १६ ॥ पूठीनाम ॥ ३ ॥ ने
मीप्रधिंपूठोंप्रगट ॥ आंवलनाम ॥ २ ॥ पिंडिकंनाभीअभंग ॥ जुआडानाम ॥ २ ॥
कहियैकूबरंयुगंधरं जोतहिजहांतुरंग ॥ १७ ॥ वाहननाम ॥ ५ ॥ धोरणंयुग्पं
रुपत्रंपुनि वाहनंयानविचार ॥ कहारनाम ॥ २ ॥ शिविकादिकवाहककहिय
वैनीतकंरुकहारं ॥ १८ ॥ सारथीनाम ॥ ८ ॥ कहियनियंतांप्राजितां यंतांक्षत्तांसूतं
॥ दक्षिणस्थंसव्येष्टंयह सारथिंनामअभूत ॥ १९ ॥ जोधारनाम ॥ १ ॥ भटंयोधां
योद्धारंभनि ॥ रथीनाम ॥ २ ॥ रथीस्यंदनारोहं ॥ सेनारक्षकनाम ॥ २ ॥ सैनिकंसे
नारक्षकंहि ॥ असवारनाम ॥ २ ॥ सादीअश्वारोहं ॥ २० ॥ बखतरनाम ॥ ३ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कंचुकंसनाहंवारवणं॥ सेनापतिसेनानिं॥ टोपनाम ॥ ३॥ शीर्षकंअरुशीर्षण्यं पुनि सोउशिरस्त्रंसुखदानि॥ २१॥ कवचनाम॥ ८॥ दंशनंवर्मंततुत्रंपुनि जागरं नामसुजान ॥ कवचंउरस्छदंकंकटकं तिनहिकहततनुत्रानं॥ २२॥ कवचयुक्तके नाम ॥ ४ ॥ आमुक्तंरुप्रतिमुक्तंपुनि कहिअपिनद्धंपिनद्धं ॥ मंत्रआदिसैंरक्षित केनाम ॥ ६ ॥ सज्जंव्यूहंकंकटंरु दंशितंवर्मितंसन्नद्धं ॥ २३॥ पैदलनाम॥ ६ ॥ पादातिकंअरुपदाजयं पत्तिंपदातिंकहात ॥ पदगंपदिकंपुनिपेषियै पैदलगनपा दातं ॥ २४॥ धनुषधारीकेनाम ॥ ४॥ धनुषमानंधानुष्कंपुनि धन्विंधनुर्द्धरंधीर ॥ लाठीफरसीधारीकेनाम॥ २ ॥ यष्टीकरुपारश्वधिकं॥ केवलबाणधारीकेनाम ॥ २ ॥ कांडवानंकांडीरं ॥ २५ ॥ असिजुक्तकेनाम ॥ २॥ नैस्त्रिंशिकंअसिहेति पुनि॥ भालाजुक्तकेनाम॥ २ प्रासिकंकौंतिकंदेष॥ ढालजुक्तकेनाम ॥ २॥ फल कपाणिंचर्मीकहिय ॥ वरछीजुक्तकेनाम ॥ १ ॥ शक्तीहेतिकंदेष॥ २६॥ सेवक नाम॥ ४॥ अनुचरंअभिसरंअनुप्लवं सोउसहायंसुखदान॥ आगैचलनैवालैके नाम ॥ ४॥ प्रष्टंअग्रसरंपुरःसरं पुरोगामिंपहिचान ॥ २७ ॥ मंदगामिमंथरंक

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

हिय अतिजवजुतजंघाल ॥ कासीदनाम ॥ २॥ जांघिकजंघाकरिककहि जेहि
बलजंघविसाल ॥ २८ ॥ जलदीवानकेनाम ॥ ६ ॥ प्रजवी वेगीजवनजव त्व
रितंतरस्वीलोग ॥ जय्यऔरकोंजितहिसो जेयजीतिबेजोग ॥ २९ ॥ जेता जि
त्वरंजिष्णुसोजेहि अरिजीतहिनांहि ॥ ऊर्जस्वलऊर्जस्विकहि पहलबानतेहिपां
हि ॥ ३० ॥ सेनानाम॥ १२॥ सेनाध्वजिनीवाहिनी वतनाचमूअनीक ॥ चक्र
सैन्यबलवरूथिनि अनीअनीकिनिठीक॥३१ ॥ सांयुगीनरणकुशलसो॥सूरमा
नाम॥३॥ सूरवीर विक्रांत ॥ व्यूहदुर्गजिमसेनकी रचनारचहिअनूप॥३२॥ प्रांत
भागजोव्यूहकौ पेषहुप्रत्यासार ॥ पृष्टभागकौप्रतिग्रह दाषहिनामउदार॥३३॥
सेनाकैनवभेदनाम ॥ पत्तिरुसेनामुखगुल्म गणवाहिनी विचार ॥ पृतनाचमूअ
नीकिनी अक्षौहिनीउचार॥३४॥ तिगुनतिगुनद्वैपत्तितैं अनीकिनिपरयंत॥दशगु
नकियेअनीकिनी अक्षौहिनीकहंत॥३५॥ पत्तिआदिनवसेनालक्षन॥ स्पंदनएक
रुएकइभ पैदलपंचप्रमान ॥ तीनतुरगएहिसेनकौ पंत्तिनामपहिचान ॥ ३६ ॥
स्पंदनतीनरुतीनइभ पंद्रहहोतपदाति ॥ नवतुरंगइमसेनमुखसेनानामकहाति॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥३७॥ नौस्पंदननौमत्तगजपैदलपैंतालीश ॥ गुल्मनामसेनागनिय वाजिसात
अरुवीश ॥ ३८ ॥ सप्तवीशरथइभइतें इकशतअरुपैंतीश ॥ पैदलइकियासीतुरग
कहिगणसेनमुनीश ॥३९॥ रथइकियाशीइभइतें चहुँशतपंचपदाति ॥ द्वैशततंया
लिशतुरग वाहिनिसेनविभाति ॥ ४० ॥ ललितपदछंद ॥ द्वैशततँयालीशरथंति
नमैइतेमहागजमानहुँ ॥ इकसहस्रद्वैशतपुनिपंद्रहजामैपैदलजानहु ॥ शुभगस
प्तशतअरुउनतालिशतामहतरलतुरंगा ॥ पृतनानामसेनयहपाविनिशोभतभूपति
संगा ॥ ४१ ॥ रथशतसप्तबहुरिउनतीशा द्विरदइतेपुनिदेषहु ॥ तीनसहषटशतपैंतालि
शपरगटंपैदलपेषहु ॥ शतइकीशसतियासीघोरेरनअंगनमैराजै ॥ चमूनामसेना
यहचंगीभलीभांतितैंभ्राजै ॥ ४२ ॥ द्वैसहस्रइकशतसतियासीरथइतनेकरिकहियै ॥
दशसहस्रनवशतपैंतीसापैदलहुपुनिलहियै ॥ षटसहस्रशतपंचरुइगसठराजतवा
जीरूरे ॥ यहअनीकिनीनामसुसेनाप्रगटकहैमतिपूरे ॥ ४३ ॥ सहसइकीशअष्ट
शतसित्तररथपुनिइतनेहाती ॥ एकलक्षनौसहसतीनशतबहुरपचाशपदाती ॥ पैंस
ठसहसरुषटशतदशपुनिगनियअश्वगुनगेहा ॥ अनीकिनीसेनातैंदशगुनअक्षौ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

षी खडग कृपान ॥ मंडलाग्र करपाल कौक्षेयक ईली जान ॥ ५३ ॥ तसरु मुष्टिखड
गादिकी ॥ परदलानाम ॥ १ ॥ मेखल बंधनताहि ॥ फलक चर्म फलंढाल के ॥ एतेना
नामसु आहि ॥ ५४ ॥ मुद्गरनाम ॥ ३ ॥ पेषट्ठु घन मुगदर प्रघण ॥ गोफणनाम
॥ २ ॥ पुनि स्रगा भिंदीपाल ॥ परिघ अपर परिघातन हि कहिलोहांगि कराल ॥ ५५ ॥
फरसीनाम ॥ ४ ॥ परशु परश्वध पेषियै कहियै स्वधिति कुठार ॥ छूरीनाम ॥ ४ ॥ श
स्त्री छुरिका असिसुता असिधेनुका उचार ॥ ५६ ॥ भालाबरछी कुंत भनि शल्यशं
कुफलतास ॥ सर्वलंतोमर गुर्जगनि ॥ सांगनाम पुनिप्रास ॥ ५७ ॥ शस्त्रकीनोक
नाम ॥ ४ ॥ पाली कोटी कोण अरु ॥ अश्रिनामतेहि आन ॥ जात्रानाम ॥ ६ ॥ जा
त्राव्रज्या गमन गम निर्याण रुप्रस्थान ॥ ५८ ॥ स्तुति आदि सैं राजावां कों जगावैता
केनाम ॥ ४ ॥ वैतालिक बोधक बंदुरि चाक्रिक घांटिक थाय ॥ भाटनाम ॥ २ ॥ स्तु
तिपाठक बंदीजन हि ॥ स्तुतिगायकनाम ॥ २ ॥ मागध मगध कहाय ॥ ५९ ॥ संश
स्तकं तेहि समुझियै रनमैकबहु मुरेन ॥ समुतपिंज पिंजल कहिय रनअकुलानीसेन
॥ ६० ॥ रजनाम ॥ ४ ॥ पांशु धूलि रज रेनु पुनि ॥ चूनावावडी धूलिनाम ॥ २ ॥ चूर

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नक्षोदभनंति॥ ध्वजानाम॥ ३॥ कहियैकेतनंकेतुध्वज॥ छोटीध्वजावानिशान
नाम॥ २॥ वदिपताकवैजंति॥ ६१॥ पराक्रमनाम॥ १२॥ सहबलविक्रमओज
तर स्थामशुष्मपहिचान॥ द्रविणसौर्यपुनिदेषियै शक्तिपराक्रमप्रान॥६२॥जुद्ध
केनाम॥ ३०॥ युद्धप्रधनप्रविदारणरु मृधयुधसंख्यसमीक॥ आयोधनविग्र
हकलह आस्कंदनरुअनीक॥ ६३॥ संयुगकलिसंस्फोटअभ्यागमअभिसंपात॥
संप्रहारअभ्यामर्द आजिसमितिआघात॥ ६४॥ संयतअरुसमुदायसोउ समित
समरसंग्राम॥ जन्यबहुरिरणजानियै निश्चैआहवनाम॥६५॥ चहुँघांरणसंकुल
तुमुल बाहूयुद्धनियुद्ध॥ सिंहनादक्ष्वेडासमुझि जोधगर्जनाजुद्ध॥ ६६॥ करिस
मूहघटनाघटा॥ वंहितकरीपुकार॥ क्रंदनदुखमयवीररव॥ धनुषशब्दविस्फार
॥६७॥ जुधजुँझाउदुंदुभिशबद पटहअडंबरपेष॥ हठनाम॥ ३॥ हटबलातकार
रुप्रसभ॥ फतैनाम॥ २॥ जयअरुविजयविशेष॥६८॥ उतपातनाम॥ ३॥
उतपातरुउपसर्गपुनि अजन्यदुखसंदोह॥ विध्वंसनाम॥ २॥ पीडाअवमर्दन
प्रगट॥ मूर्छानाम॥ ३॥ मूर्छाकश्मलमोह॥ ६९॥ भागिवैकेनाम॥ ६॥ प्रद्रा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

हिँनीसुएहा॥ ४४॥संपतनाम ॥ ५ ॥दोहा ॥ समुझहुसंपतसंपदा श्रीलक्ष्मीसं
पत्ति॥ विपतनाम॥ ४ ॥ आपहिताकहँआपदा विपतांविपदंविपत्ति॥ ४५॥शस्त्र
नाम ॥ ५ ॥ शस्त्रंअस्त्रंप्रहरणंप्रगट आयुधंहेतिअखंड ॥ धनुषनाम ॥ ६ ॥ चा
पंइष्वासंरुशरासनं धनुंकार्मुकंकोदंडं ॥ ४६ ॥ "कालपृष्टंधनुकरनको अर्जुनको
गांडीवं ॥ धनुषकेछेडानाम ॥ २ ॥ प्रांतभागजोधनुषके अटनीकोटिअतीव ॥
॥ ४७ ॥ पणचनाम ॥ ५ ॥ मौर्वीज्यांगुणंशिंजनी प्रत्यंचांपहिचानँ ॥ लस्तकंध
नुमधभागलहि ॥ निशांनानाम ॥ २ ॥ लक्षंशरव्यंवषान ॥ ४८ ॥ मंड
लंअरुवैशाखवद समपदंप्रत्यालीढं ॥ धनुधारिनकेपंचयह आसनंजुतआलीढ
॥ ४९ ॥ बाणनाम ॥ १४ ॥ इषुंआशुगंखगंअजिह्मगं विशिखंपृषतकरुबानं ॥
शरंकलंबंअरुमारगणं पत्रीरोपंपिछान॥ ५० ॥ प्रक्षेडननाराचंद्वै रचितलोहम
यतीर॥ विषजुतलिप्तकंदिग्धंवदि॥ पुंखारवनाम॥ २॥वाजपक्षंकहिवीर॥५१॥
भाथांणनाम॥८॥तूणितूणतूणीरंपुनि तरकसंउपआसंगं ॥ इषुधीअरुभाथानं
भनि निरषहुताहिनिखंगं॥ ५२॥तरवारनाम॥ १० ॥ चंद्रहासंनिस्त्रिंशंअसिं रि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वंरुसंद्रावंपुनि विद्रवंद्रवंहिविचार॥ अपयानंरुअपक्रमंअपर ॥ हारनाम॥२॥
होहिपराजयंहारं॥ ७० ॥ पराभूतंअरुपराजितं हारसहितनरहोयँ ॥ नष्टंतिरोहितं
नामद्वै छिपैजायकहुँसोय ॥ ७१ ॥ मरिबैकेनाम ॥३०॥ कवित्त॥ प्रमापणंनि
वर्हणंनिकारणंनिशारणंप्रवासनंपरासनंनिसूदनंमानियै ॥ निर्हिंसनंनिर्वासनं
संज्ञपनंनिर्ग्रथनंअपासनंनिस्तर्हणंनिहननंठानियै ॥ निर्वापणंमारणंक्षणनंपरि
वर्जनंत्योंउद्वासनंप्रमथनंक्रथनंकहानियै ॥ आलंभंविशरंघातंपिंजंबधंउन्मथं
औउज्जासनंविशसनंघातनंवधानियै ॥ ७२ ॥ मृत्युनाम ॥ १० ॥ दोहा ॥
अत्ययंप्रलयंरुपंचतां कालधर्मंदिष्टांतं ॥ मृत्युंमरणंपुनिमानियै नाशंनिधनं
अरुंअंतं ॥ ७३॥ मृतककेनाम ॥ १० ॥ मृतकंप्राप्तपंचत्वंपुनि प्रेतंपरेतंपरा
सुं ॥ संस्थितंमृतंरुप्रमीतंशवं कुणपंनामपुनितासु ॥ ७४ ॥ चितानाम॥ ३ ॥
जानहुचित्यांचितिंचितां मृतककाष्टसंबंधँ ॥ विनशिरनाचतरनअजिर कहियै
ताहिकबंधं॥ ७५॥ मशाननाम ॥ २ ॥ कहियश्मशानंरुपितृवनं ॥ कैदीनाम
॥ २ ॥ प्रग्रहंउपग्रहंएह ॥ प्राणनाम॥३॥ कहियश्वासंअसुंप्राणंपुनि ॥ भाकसी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नाम ॥२॥ कारांबंधनगेहं ॥ ७६ ॥ आयुनामवँहँकालकहि जोजीवनपरयंत ॥
संजीवनीजडीनाम ॥ ४॥जीवांअरुजीवनंअगदं संजीवनीकहंत ॥ ७७ ॥ इति
क्षत्रियवर्गः॥ ८ ॥वैश्यनाम ॥ ६ ॥ विटंउरव्यंभूस्पृकं वैश्यंऊरुजंअर्यंवषान ॥
जीविकानाम॥५॥ वर्त्तनंवार्त्तांवृत्तिंआजीवंजीविकांजान ॥ ७८ ॥ गोरक्षांवा
णिज्यंकृषिंवैश्यवृत्तियहतीन ॥ वृत्तियांकेभेदनाम ॥ श्वानवृत्तिंसेवासमुझिंकृषि
कहिअनृतंप्रवीन ॥७९ ॥"वृत्तिउंछशिलऋतंवदहिं" ॥ याचितमृतंकहिताहिं" ॥
सबहीतैंउत्तमअमृत वृत्तिअयाचितंआहि॥ ८० ॥"वणिकवृत्तिक्रयविक्रयजुत॥
सत्यानृतंहिसंभार॥ उधारलेबैंकेनाम॥ ३ ॥ पर्युदंचनंरुक्रणंप्रगट आषहिपुनि
उद्धारं ॥८१ ॥ बौराऔंधुरकेनाम॥ २ ॥ उत्तमर्णंअधमर्णंद्वै दायकग्राहकदेष॥
व्याजलेनेवालाकेनाम ॥३॥ कहियकुसीदिकंवार्धुषिकं वृद्ध्याजीवंविशेष॥८२॥
करसानाम॥ ५॥ कृषिकंकृषीबलंकर्षंकहि क्षेत्राजीवंकृसानं॥ षेतनाम॥४॥ क्षेत्रं
वप्रंकेदारंशालेयंआदिबहुजान ॥८३॥मोगरीनाम ॥ २ ॥ लोष्टभेदनंरुकोटिशं
हि॥ ढगलनाम॥ २॥ लेष्टवंलोष्टंविचार ॥ अवदारणंरुखनित्रंक्रम कहियैकसी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कुदार॥ ८४॥ चाबुकनाम॥ ३॥ प्राजनतोदनतोत्रपुनि ॥ दातनाम॥ २॥ दात्र
लवित्रलहाय॥ नाडीवाजोतनाम ॥ ३ ॥ योक्तयोत्रआबंधतिहुँ रस्सीजोतकहा
य॥॥ ८५॥ हलनाम॥६॥ फालकृषिकलांगलरुहल सोउगोदारणसीर॥ हलवा
णीनाम॥ ३॥ फलकूटकरुनिरीषगुनि शाम्पशिविलकहिधीर॥८६॥ चऊऊमरा
नाम॥ सीतालांगलपद्धती॥ हालनाम॥ २॥ईषालांगलदंड॥ मेधिवामेढिनाम
॥ १॥ मेधिखलैमधदारुपशु बंधनथंभप्रचंड॥ ८७॥ चावरनाम॥ ५॥ व्रीहिंशा
लिंचावरंकलमं अक्षतंअन्नअपार॥वहैंवनौषधिवर्गमैं वरनेजुतविस्तार॥८८॥
शिद्दानाम॥ २॥कणिशंशस्यमंजरिंकहिय॥ शिद्दैकाअग्रभागनाम॥ २॥शस्यशूकं
किंशारु॥ डोकानाम॥ ३॥ नाडीनालरुकांडपुनि तुषत्वकधान्यअसारु॥ ८९॥
फलीनाम॥ ३॥ फलीशमीसिंबासुभग॥ धानकाढेरनाम॥ २॥ ऋधंआवसित
सुहाय॥ सोयाधान्यनाम॥३॥बद्धुलीकृतंअरुपूतंपुनि शुद्धधान्यसुखदाय॥ १०॥
तृणधान्यंरुनीवारंद्वै धान्यजंगलीजान॥ ऊखलनाम॥ २॥ कहियउलूखलउद्धूख
लं॥ मूसलनाम॥ २॥ मुसलंअयोग्रंवषान ॥ ९१ ॥छाजनाम॥ २॥ प्रस्फोटनं

कां. २

॥४८॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अरुशूर्पंपुनि ॥ तितउंचालनींमान ॥ बोरास्यूतप्रसेवसुनि ॥ ओडानाम ॥ २॥
पिटंकांडोलंप्रमान ९२॥ करंडियानाम ॥ ३॥ कहिकरंडंकटंकिलिंजक ॥ रसोई
घरनाम ॥ ३ ॥ अवसिमहानसंआहि ॥ रसवतिंपाकस्थानंपुनि ॥ पौरोगवंपतिता
हि॥ ९३॥ रसोईदारनाम ॥ थ॥ आरालिकंगुणंआंधसिकं सूपकारंनिरधार॥ कहि
यैसूदंरुऔदनिकं दिव्यरसोईदारं॥ ९४ ॥ चूलानाम॥५॥चुल्लिंअंतिकाअधिश्रय
णिं उद्धानंरुअश्मंत॥ तपणीनाम ॥ ३ ॥ कहिअँगारशकटीअपर हसनिंहसंतिं
कहंत॥९५॥ जलताकाष्टनाम ॥३॥ अंगारंरुउल्मुकंअपर आषहिताहिअलातं॥
कडायलावाभाडनाम॥ २॥ अंबरीषंअरुभाष्ट्रंभनि॥ भट्टीनाम॥२॥ स्वेदनिंकंदु
कहात॥ ९६॥ गडुवानाम॥ ३॥ कर्करिंआलुंगलंतिकां॥ मटकानाम॥२॥ मणि
कंअलंजरंमान ॥ हांडीनाम ॥ ४ ॥ कुंडंपिठरंथालीउषां ॥ सरवानाम ॥ २ ॥
सरावंअरुवर्द्धमानं ॥ ९७॥ कलशनाम ॥ ४॥ कहिघटंकुटंअरुकलशंनिपं॥ क
टोरानाम ॥ २॥ पानपात्रंपुनिकंसं ॥ तवानाम ॥ २ ॥ पिष्टपचनंपुनिक्रजीषंहि
॥कुडानाम ॥ २॥ कुतूरुंकुतुपप्रसंस॥ ९८॥ वरतननाम॥ ५॥ प्रथमपात्रंआव

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पनपुनि भाजनभांडअमत्र ॥ कुडछीनाम ॥ ३॥ दर्विखजाकांकंबिकहि ॥ डो इनाम ॥ २॥ तर्दुदारुकरंतत्र ॥ ९१॥ सागनाम ॥ ३॥ हरितकसाकरुशिग्रुसो उ ॥ सागकेडांषलानाम ॥ ३॥ नाडिकडंबकलंब॥ आंबलीचूकानाम ॥ २॥ तिं तिडीकंचूकादिबहु कहियतशाककदंब ॥५०० ॥ वेसवारनाम ॥ २॥ हींगमिर चजीरालवन धानाहरदीधार ॥ वेसवारअरुउपस्कर इनकेनामउचार ॥ १ ॥ कां जीनाम ॥ ६॥ कांजिकअरुअभिषुतअपर आरनालसौवीर॥ धान्यामलकुंजल अमल अचवहिलोकअमीर ॥ २ ॥ सिंधालोननाम ॥ ३ ॥ सैंधवशितशिवमा णिमथ' ॥ सांभरालोननाम ॥ २॥ रोमकवसुक'विशेष॥ समुद्रलोननाम॥ २॥ वरनहिअक्षीवरुवसिर ॥ खारीनाम ॥ ३ ॥ कृतकपाक्यविडषष ॥ ३ ॥ संचल नाम ॥ ४ ॥ अक्षरुचकसौवर्चलहि लेषहुसंचललोन॥ तिलकस्यामइमलोनब हु भनहिभिषकमतिभोन ॥ ४ ॥ राबवाखांडनाम॥ ३ ॥ मत्स्यंडीफाणितबहु रि वरनहिखंडविकार॥ चीणीवामिश्रीनाम॥ २॥ सिताशर्करासमुझियै इनकी जातिअपार ॥ ५ ॥ दूधदहीमिलेपदार्थकानाम ॥ २॥ क्षीरविकृतिकहिकूर्चि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कां ॥ कडीनाम ॥ २ ॥ तेमनपुनिनिष्टानं ॥ शिखरननाम ॥ २ ॥ रसालमार्जि
तमानियै ॥ बंध्यादहीनाम ॥ २ ॥ पिच्छिलविजिलप्रमान ॥ ६ ॥ चावलकी
फूलीनाम ॥ ३ ॥ भूजेअक्षतपृथुकचिपिटकचिउरासंभार ॥ धाणीवाफूलीना
म ॥ ४ ॥ आपक्करुअभ्यूषपुनि पौलीधानीधार ॥ ७ ॥ चिकनैकेनाम ॥ ३ ॥
स्निग्धंअपरचिक्कणंमसृणं ॥ पुवावावरानाम ॥ ३ ॥ पिष्टकपूपंअपूपं ॥ भातनाम
॥ ६ ॥ भिस्संअंधंओदनंभक्तं दीदिविंअन्नंअनूप ॥ ८ ॥ मंडसवरसमुख्यसो ॥
भातकामांडनाम ॥ २ ॥ निस्रावरुआचामं ॥ लापसीनाम ॥ ५ ॥ श्राणां
यवागुंउष्णिकांतरलां विलेपिंनाम ॥ ९ ॥ मोदकंनामसुलडुंलहि सरकुलिंपुरीसु
हाय ॥ कहिषिचरीसंयावपुनि सूपदालदरसाय ॥ १० ॥ गोतैंउपजतगव्यंसब ॥
गोबरनाम ॥ २ ॥ गोविट्गोमयंगाय ॥ छांणानाम ॥ १ ॥ कहियैशुष्ककरीषंसोउ
॥ दूधनाम ॥ ३ ॥ दुग्धंक्षीरंपयंपायं ॥ ११ ॥ पयतैंप्रगटपयस्पकहि दधिघृतआ
दिपुनीत ॥ घीनाम ॥ ४ ॥ हविंसर्पीघृतंआज्यंअरु ॥ माखननाम ॥ २ ॥ नव
उद्धृतंनवनीतं ॥ १२ ॥ प्रथमदिवसदधितैंप्रगट घृतहैयंगवंहोय ॥ गोरसवामठा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नाम ॥ ४ ॥ अरिष्टंगोरसंदंडहतं कालशेयंपुनिसोय ॥ १३ ॥ गोरसकेभेदनाम ॥ ३ ॥ दधितैंचोथाभागजल संजुततक्रंकहाय ॥ अर्द्धअंबुजुतउदश्वितं विनज लमथितंवताय ॥ १४ ॥ दधिउदभवजलमस्तुंकहि नवपयकहिपीयूषं ॥ भूष नाम ॥ ५ ॥ क्षुधांबुभुक्षांक्षुतंअपर अशनायांअरुभूषं ॥ १५ ॥ कवानाम ॥ ॥ ३ ॥ कवांग्रासंअरुकवलंकहि ॥ जलआदिसंगपीनैकेनाम ॥ २ तुल्यसुपानंस पीतिं ॥ सहभोजनंअरुसाध्यिंसो जीमहिसंगसप्रीति ॥ १६ ॥ तृषानाम ॥ ४ ॥ तृटंपिपासंउदन्यांतर्षं ॥ भोजननाम ॥ ७ ॥ जेमनंलेपंअहारं ॥ जग्धिंअपरभो जनंभनहि निघसंरुन्यादंनिहार ॥ १७ ॥ अघायबैकेनाम ॥ ३ ॥ सौहितंतर्पणं तृप्तिंपुनि ॥ झूठनकेनाम ॥ २ ॥ फेलांअरुउच्छिष्टं ॥ चाहनाम ॥ ६ ॥ कामंनि कामंप्रकामंपर याप्तंयथेप्सितंइष्टं ॥ १८ ॥ गोपनाम ॥ ६ ॥ गोधुगंगोपंगुपालं गोसंख्यंवलवंआभीरं ॥ लगैललितनंदललाकां एतेनामअहीर ॥ १९ ॥ झरणा नाम ॥ ५ ॥ मंथंरईंवैशाषंवदि मंथदंडंमंथानं ॥ आधारखंभनाम ॥ २ ॥ कुठरं दंडविष्कंभंकहि ॥ विलोवनानाम ॥ २ ॥ मथनीं गर्गरिंमान ॥ २० ॥ साद्दूकारना

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

म ॥ ८ ॥ सार्थवाहंवैदेहकंहि क्रयविक्रयिकंविचार ॥ वणिकंवणिजंनैगमंपणिं
कंपण्याजीवंपुकार ॥ २१ ॥ व्योपारीवावेचनैवालैकेनाम ॥ २ ॥ कहिविक्रेता
विक्रयिकं ॥ लैनैवालैकेनाम ॥ २ ॥ क्रायकंक्रयकंकहाय ॥ मोलनाम ॥ ३ ॥
मूल्यंवस्नंअरुअवक्रयं ॥ वनियाकेकर्मनाम ॥ १ ॥ तेहिवाणिज्यंवताय ॥ २२ ॥
मूलधननाम ॥ ३ ॥ नीवी'परिपणंमूलधनं ॥ व्याजवानफानाम ॥ २ ॥ अधि
कलाभंफलंआहि ॥ लेनदैनकेनाम ॥ ४ ॥ परीवर्त्तंपरिदानंनैमेयंनिमयंकहिताहि ॥
॥ २३ ॥ क्रय्यंवेचिबैयोग्यकहि ॥ फेरदैनैकेनाम ॥ २ ॥ तदर्पणंरुप्रतिदानं ॥ ले
नैकीवस्तुनाम ॥ ५ ॥ पण्यक्रेयंक्रेतव्यंपणितव्यंविक्रेयंवषान ॥ २४ ॥ अवश्य
लेनैकीवस्तुनाम ॥ ३ ॥ सत्यापनंसत्याकृती' कहियैसत्यंकारं ॥ धरोकडनाम ॥
॥ २ ॥ उपनिधिंन्यासंनिहारियै ॥ वेचनैकेनाम ॥ २ ॥ विक्रयंविपणंविचार ॥ २५ ॥ स
मुझहुंसंख्यांशब्दयह गनतीनामगनाय ॥ जाकीसंख्याकीजियै सोसंख्येयंकहाय
॥ २६ ॥ अंकएकतैंआदिपुनि पेषहुनौपरयंत ॥ शून्यदियेतापैंसही दशगुनवृद्धिव
दंत ॥ २७ ॥ तोलवानापनाम ॥ ५ ॥ यौतवद्रुवयंरुपाय्यंपुनि मानंतोलंयहमान ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अंगुलितुलारुप्रस्थंतिहुँभेदइनहिकेजान॥ २८॥ अबशास्त्रकीरीतिसैंचौसटरुप
येभरसेरसैंतोलकौप्रमाण॥ ललितपदछंद॥ द्वादशसरसपइकजवद्वैजवरती पं
चरतिमासा॥ षोडशमासनकौइकतोलाकर्षअक्षंकहितासा॥ चारिकर्षइकपल
सोउआनाइनहिनिकुंचकलेषहु॥ चहुँपलकुडवपावसोउतेहिचहुँप्रस्थसेरंसोउपे
षहु॥ २९॥ चारिप्रस्थआढकंचहुँआढकद्रोणंकहैमतिधारी॥ चारिद्रोणद्रोणी
सोउमाणीचहुंद्रोणीइकखारी॥ विंशतिद्रोणकुंभइककहियेदशकुंभनकौवाहा॥
कहौंभारपरिमानसुनहुमतिमानसमेतउछाहा॥ ३०॥ शतपलकीइकतुलापिछा
नहुवीशतुलाइकभारा॥ दशभारनकौइकआचितंयहशकटभारंनिरधारा॥ यह
सपादपुनिएकतीशमनंसबहीबोझवषाना॥ अशीरुपैयेभरसेरहुतैंपंचवीशमन
ठाना॥ ३१॥ दोहा॥ केउषटगुंजामासंकहि केउअष्टकौंकहाय॥ टांकंसुमासा
चारिकौ सुमतिकहहिसमुझाय॥ ३२॥ मौरनाम॥ २॥ हेमअक्षंजोहोततेहि
वरनैसुवरनंविस्त॥ जहांहोतपलहेमकौ कहैताहिकुरुविस्तं॥ ३३॥ रुपैयानाम
॥ २॥ कार्षिकंकार्षापणंकहिय॥ पैसानाम॥ १॥ ताम्ररंचितपणंपेष॥ पावली

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नाम ॥ १ ॥ चतुर्थींशकहिपादंपुनि ॥ वंटनाम ॥ ३ ॥ अंशंभागंवंटंदेष ॥ ३४॥
धननाम ॥ १२॥ स्वापतेयंवसुंरिक्थंधनं द्रव्यंवित्तंदरसाय॥ द्रविणंद्युम्नंअरुअ
र्थंरां विभवंहिरण्यंवताय॥ ३५॥ मुद्रावनेरुविनवने हेमरजतजोहोय॥ कोशंहिर
ण्यंकहातहै समुझहुनिश्चैसोय॥ ३६॥ कनकरजतविनअपरजो ताम्रआदिकहि
कुप्यं॥ कछुकताम्रजुतरजतकी मुद्राराजहिरूप्यं॥ ३७॥ मरकतमणिनाम॥ ४॥ गा
रुत्मतंमरकतंअश्मगर्भंहरितमणिंमान॥ पद्मरागवामाणिक्यनाम॥ ३॥ शोण
रत्नंअरुलोहितकं पद्मरागंपहिचान॥ ३८॥ मोतीनाम॥ २॥ मुक्तांमौक्तिकंमानियै
॥ मूंगियानाम॥ २॥ विद्रुमंवदहिप्रवालं॥ रतनमात्रनाम॥ २॥ मरकतमुक्ताआ
दिसब कहिमणिंरतनंसुढाल॥ ३९॥ सोनानाम॥ १९॥ हाटकंहेमंहिरण्यंतपनी
यंशातकुंभंस्ववर्णं॥ महारजतंकांचनंरुक्मं कर्बुरंभर्मंसुवर्णं॥ ४०॥ कार्त्तस्वरंअ
ष्टापदंहि जांबूनदंगांगेयं॥ जातरूपंचामीकरंहि कनकंदाननितदेय॥ ४१॥ आभू
षनसबकनकके शृंगीकनकंकहंत॥ रूपानाम॥ ५॥ रूप्यंरजतंखर्जूरंदुर्वरणंश्वे
तंदरशंत॥ ४२॥ पीतलनाम॥ ४॥ आरकूटंपित्तलंप्रगट रीतिंआरंकहिशिष्ट॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तांबानाम ॥ ६ ॥ ताम्रंउदुंबरंम्लेछमुखं शुल्बंरुह्यष्टंवरिष्टं ॥ ४३ ॥ लोहनाम ॥ ७ ॥ अश्मसारंअयंलोहंपिंडं शस्त्रकंतीक्ष्णंमान ॥ कालायसंमलइनहिकौ मंडूरंरुसिंहानं ॥ ४४ ॥ सबधातूनाम ॥ १ ॥ सबहीतैजसलौहंलहि"कहिकुशिंअयसविकार ॥ काचनाम ॥ २ ॥ क्षारंकाचंपुनि ॥ पारानाम ॥ ५॥चपलंरसं सूतंरुपारदंपारं ॥ ४५ ॥ अबरषनाम ॥ ३॥ गिरिजंअमलंअभ्रकंगनियँ गवलं सुमहिषविखान ॥ सुरमानाम ॥ ३ ॥ स्रोतोंजनंयामुनंअपर ॥ कापोतांजनंजान ॥ ४६ ॥ तूतानाम ॥ ५॥ कर्परिं'वितुनकंमयूरकं तुत्थांजनंशिखिग्रीवं॥ गंधकनाम ॥ ३ ॥ गंधकंअरुगंधाश्मंगुनि सौगंधिकंबलसीव ॥ ४७ ॥ हरतालनाम ॥ ५ ॥ पिंजरंपीतकंपेषियै तालंआलंहरिताल ॥ शिलाजितनाम ॥ ३ ॥ अश्मजंगिरिजंशिलाजतूं यहप्रदवीर्यविसाल ॥ ४८ ॥ समुद्रझागनाम ॥ ३ ॥ हिंडिरंफेनंरुअब्धिकफं ॥ सिंदूरनाम ॥ २ ॥ सिंदुरंनागजंश्रेष्ठ॥ सीसानाम ॥ ४॥ वप्रंनागंसीसकंवदहि गावहिपुनियोगेष्टं ॥ ४९ ॥ रांगवाकथीरनाम ॥ ४ ॥ रंगं वंगंत्रपुंपिच्चटंहि ॥ रुईनाम ॥ २ ॥ गनिपिचुतूलंगरिष्टं ॥ सहतनाम ॥ ३ ॥ म

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

धुंक्षौद्रंमाक्षिकंकहिय ॥ मोमनाम॥ २॥ सिक्थकंमधुउच्छिष्टं ॥ ५०॥ मैनशि
लनाम ॥ ४ ॥ नागजिव्हिकांमनोव्हां मनश्शिलांमनगुप्तं ॥ जवखारनाम॥ ३॥
यवक्षारंअरुयवाग्रजं पाक्यंसुनामप्रयुक्त॥ ५१ ॥ साजीनाम ॥ ३ ॥ सुखवर्च
कंकापोतंपुनि कहियसार्जिकाक्षारं ॥ वंशलोचननाम ॥ २ ॥ वंशरोचनांवरनि
यै त्वकूक्षीरांनिरधार ॥ ५२ ॥ सुंठिमिरचपिप्पलित्रिकटुं त्र्यूषणंव्योषंवषान ॥ ह
रडबहेराआंवला त्रिफलांफलतिदुँजान ॥ ५३ ॥ ॥ इतिवैश्यवर्गः॥ ९ ॥
॥ शूद्रनाम ॥ ४ ॥ अवरवर्णंअरुद्वषलंपुनि शूद्रंजघन्यंजनाय ॥ आचांडालअं
वष्टकरणादिसंकीर्णंकहाय ॥ ५४ ॥ शूद्रानीसुतवैश्यतैं करणंकहियसोस्पष्ट ॥ व
नियानीतैंविप्रसुत आषहितेहिअंबष्टं ॥ ५५ ॥ क्षत्रियतैंशूद्रानिसुत उग्रंनाम
तेहिआहि ॥ क्षत्रियानिसुतवैश्यतै मागधंमानहिताहि ॥ ५६ ॥ वनियानीसुतक्ष
त्रितैं सोमाहिष्यंमहान ॥ क्षत्रियानिसुतशूद्रतैं क्षत्तांनामवषान ॥ ५७ ॥ क्षत्रि
यतैंसुतब्राह्मनी ताकँहँसूतंकहात॥ ब्राह्मनिकैसुतवैश्यतैं वैदेहकंविख्यात ॥ ५८॥
करणीसुतमाहिष्यतैं कहियेसोरथकारं ॥ ब्राह्मनिहूकेवषलतैं सुतचांडालंउचार ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ५९ ॥ उत्तमतियनरहीनतैं सुतप्रतिलोमजसोय ॥ नरउत्तमतियनीचतैं अनुलोमजसुतहोय ॥ ६० ॥ चर्मकारंनापितंरजकं वढहीतंतुवायं ॥ समुझहुशिलपीपंचयह कारूनामकहाय ॥ ६१ ॥ कारीगरंशिलपीकहिय ॥ मालीनाम ॥ २ ॥ मालिकंमालाकारं ॥ ईटकाकारीगरनाम ॥ २ ॥ पलगंडंरुलेपकंप्रगट ॥ कुंभारनाम ॥ २ ॥ कहिकुलालंकुंभकारं ॥ ६२ ॥ दरजीनाम ॥ २ ॥ तुन्नवायं सौचिकंसमुझि ॥ कोलीवाजुलाहानाम ॥ २ ॥ कुविंदंतंतुवायं ॥ रंगाजीवंरुचित्रकरं नामचितेराताय ॥ ६३ ॥ शिकिलीगरनाम ॥ २ ॥ शस्त्रमार्जंअसिधावकरु ॥ लोहारनाम ॥ २ ॥ लोहकारंव्योकारं ॥ चमारनाम ॥ २ ॥ चर्मकारंअरुपादुकृतं ॥ चूडीगरनाम ॥ २ ॥ शांखिकंकांबिकंसार ॥ ६४ ॥ सोनारनाम ॥ ४ ॥ रुक्मकारनाडींधमंहि कलादंसुवरनकारं ॥ ताम्रकुद्दंशाल्विकंउभय नामठठेरनिहार ॥ ६५ ॥ सुथारनाम ॥ ६ ॥ तक्षावंर्धिकंकाष्टतटं वढहिंत्वष्टंरथकारं ॥ मंडहारंशौंडिकंउभय कहियैनामकलार ॥ ६६ ॥ धोबींनिरणेजकरंजकं ॥ नाईनाम ॥ ५ ॥ मुंडींक्षुरींवषान ॥ दिवाकीर्तिंनापितं दिपै अंतावसायींआन ॥ ६७ ॥ पंडानाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ २ ॥ देवलंदेवाजीविंद्दे ॥ गाडरीनाम ॥ २ ॥ अजाजीवंजाबालं ॥ इंद्रजालनाम
॥ ३ ॥ सुनियैमायासांबरीं जानहुइंदरजालं ॥ ६८ ॥ गौंडियानाम ॥ २ ॥ प्राति
हारकंहिपेषियै कहिपुनिमायाकारं ॥ चारणनाम ॥ २ ॥ चारणंअपरकुशीलवंहि
नामउभयनिरधार ॥ ६९ ॥ नटनाम ॥ ६ ॥ शैलालीं शैलूषसोउ जानहुजायाजी
वं ॥ भरतंकृशाश्वीं नटभनहि एहिकृतकठिनअतीव ॥ ७० ॥ मृदंगियैकेनाम ॥ २ ॥
मार्दंगिकंअरुमौरजिकं ॥ तालीबजावैताकेनाम ॥ २ ॥ पाणिघंपाणीवादं ॥ वेणु
वजावैताकेनाम ॥ २ ॥ वेणुध्मांअरुवैणविकं ॥ वीणावजावैताकेनाम ॥ २ ॥ वै
णिकंवीणावादं ॥ ७१ ॥ चिडीमारकेनाम ॥ ४ ॥ जानहुजालिकंवागुरिकं शाकु
निकंरुजीवांतं ॥ कसाईनाम ॥ ३ ॥ वैतंसिकंमांसिकंअपर कौटिकंनामकहंत
॥ ७२ ॥ मजूरनाम ॥ ४ ॥ भृतिभुकंभृतकंरुकर्मकरं वदहिवैतनिकंताह ॥ हमालना
म ॥ २ ॥ भारवाहंभारिकंभनहि ॥ संदेशादेवैताकेनाम ॥ २ ॥ वैवधिंवार्तावाहं
॥ ७३ ॥ दासवाटहलुवानाम ॥ ११ ॥ गोप्यकंचेटकंभृत्यंदासेरंदासंदासेयं ॥ प्रैष्यं
भुजिष्यंनियोज्यंपरिचारकंकिंकरज्ञेय ॥ ७४ ॥ नीचकेनाम ॥ १० ॥ विवर्णंप्राकृतं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पृथगजनं पामरंइतरंनिहीनं॥ अपसदंजालमक्षुल्लकरु नीचंनामकहिदीना॥७५॥
औरतैंपलैताकेनाम ॥ ४ ॥ प्रगटपरैधितंपराचितं परिस्कंदंपरजातं ॥ पलै
औरतैंपुरुषतेहि आहिनामअवदात ॥ ७६ ॥ आलसीकेनाम॥ ६ ॥ मंदंतुंद
परिमृजंतथा शीतकंअलसंअनुष्णं॥ चतुरवातेजकेनाम॥६॥ पेशलंदक्षंरुचतुरं
पटु कहिसूत्थानरुउष्णं॥ ७७ ॥ चांडालनाम ॥ १० ॥ दिवाकीर्तिंप्लुवंजनंगमं
मातंगंरुचंडालं ॥ अंत्यजंअंतेवासिश्वपचंरुपुसकसंचांडालं ॥ ७८ ॥ व्याध
नाम ॥ ४ ॥ व्याधंमृगयुंलुब्धकरु मृगबधाजीवंविख्यात ॥ भिल्लुनाम ॥ ५॥श
वरंनिषादंपुलिंदंअरु भिल्लुंकिरातंकहात ॥ ७९ ॥ सिकारनाम ॥ ४ ॥ आक्षो
दनंरुमृगव्यंआखेटरुमृगयाजान ॥ फंदानाम ॥ २ ॥ जालनाम ॥ २ ॥ कूटयं
त्रंउन्माथंवागुरंमृगबंधनिंमान ॥ ८० ॥ चोरनाम ॥ १० ॥ तस्करंमोषकंचोरं
अरु ऐकागारिकंआहि ॥ परास्कंदिंप्रतिरोधिंपुनि स्तेनंदस्युंकहिताहि ॥ ८१ ॥
पाटच्चरंपुनिमलिम्लुचं ॥ चोरीनाम ॥ ३ ॥ स्तेन्यंचौर्यंकहिस्तेयं ॥ चोरीधनसो
लोप्रंलहि हैसबहीकैहेय ॥ ८२ ॥ व्याधोंकीसामग्रीनाम ॥ १ ॥ बंधनहितमृग

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पक्षिउपकरनवदहिवीतंस ॥ रस्सीनाम ॥१॥ वटीवराटकरज्जुगुण शुल्वंकहहिक
विवंस ॥ ८३ ॥ रहटनाम ॥ २ ॥ घटीयंत्रउदघाटनहि जातैंजलबहिजात ॥ व
स्त्रवनानैकेराछनाम ॥ २ ॥ वायदंडवेमावदहि ॥ सूतनाम ॥ २॥ तंतूसुत्रकहात
॥ ८४ ॥ वीननानाम ॥ २ ॥ वाणिंव्यूतिपुनिवरनियै ॥ मट्टीआदिसैंवनाईपूतली
नाम॥ १॥लेपनादिरचिपुस्तं ॥ वस्त्रदंतादितैंवनीपूतलीनाम ॥ २॥ पांचालिकारुपु
त्रिका वस्त्रआदिकृतवुस्त॥८५ ॥ संदूकनाम ॥४॥ पेटामंजूषाप्रगट पेटक'पिटक
वताय ॥ खूंटीनाम ॥ २ ॥ भारयष्टिभनिविहंगिक ॥ छीकानाम ॥ २ ॥ काचं
रुशिक्यंकहाय ॥ ॥ ८६ ॥ मोजानाम ॥ १ ॥ पनहीनाम ॥ ४ ॥ अनुपदीनपा
दुंउपानतपादुकपदत्रानं ॥ चामकीरस्सीरनाम ॥ ३ ॥ नध्रीवध्रीवरत्रा कशा
जेरबंधजान ॥ ८७ ॥ नीचकीवीणानाम ॥ २ ॥ कंडोलवीणावरनियै चांडा
लिकावषान ॥ सोनारकाकांटानाम ॥ २ ॥ एषणिकानाराचिंअरु ॥ कसोठी
नाम ॥ ३ ॥ शाणनिकषंकषमान ॥ ८८ ॥ रेतीनाम ॥ २ ॥ पत्रपरशुव्रश्चनंव
दहि ॥ सलाईनाम २ ॥ ईषिकतूलिकअत्र ॥ धवणनाम ॥ २ ॥ भस्त्राचर्मप्रसे

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

विकां आरानाम ॥ २ ॥ कहहिक्रकचंकरपत्रं ॥ ८९ ॥ मूसनाम ॥ २ ॥ मूषातैज
सवर्तिनीं ॥ कतरणीनाम ॥ २ ॥ कहिकर्त्तरीरुपानिं ॥ वक्षभेदिंवक्षादनंहि व
सुलानामवषानि ॥ ९० ॥ सारनाम ॥ २ ॥ वैधनिकांआस्फोटनी ॥ टांकीनाम
॥ २ ॥ प्रस्तरदारणटंकं ॥ चमारकाचक्रूनाम ॥ २ ॥ आरांचर्मप्रभेदिकां ॥
कारीगरीनाम ॥ १ ॥ समुझद्दुशिल्पंनिसंक ॥ ९१ ॥ सूमींस्थूणांलोहकी
प्रतिमानामपिछान ॥ तुल्ययोग्यताधर्मकहि उपमाअरुउपमानं ॥ ९२ ॥ प्रति
बिंबवाप्रतिमानाम ॥ ८ ॥ प्रतिमांपुनिप्रतियातनां प्रतिछायांपहिचान
प्रतिनिधिंअर्चांप्रतिकृतीं प्रतिबिंबरुप्रतिमानं ॥ ९३ ॥ बराबरकेनाम ॥ ७ ॥ स
मंसमानंतुलंसदृकंसाधारणंसदृशंसदृक्षं ॥ सदृशकेनाम ॥ ७ ॥ नीकाशंरुसंकाशं
निभं प्रतीकाशंप्रत्यक्ष ॥ ९४ ॥ भनहिभूतंअरुरूपंपुनि तैसैंहिकल्पंकहाय ॥ उक्त
रपदथितसदृशके पेषद्दुसबपर्याय ॥ ९५ ॥ मजूरीनाम ॥ ११ ॥ कर्मण्यांभृत्यां
विधां भृतिंचेतनंपणंभर्मं ॥ मूल्यंभरण्यंरुभरणंनिर्वेशंकठिनयहकर्म ॥ ९६ ॥ म
दिरानाम ॥ १२ ॥ हलिप्रियांहालांसुरां पुनिवारुणी वताय ॥ परिस्रुतांगंधोत्तमां

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कादंबरीकहाय ॥ ९७ ॥ इरांप्रसन्नांपेषियै मदिराकस्यरुमद्यं ॥ माध्वीगौडीपै
ष्टिंतिहुँ जातिभ्रांतिप्रदसद्य ॥ ९८ ॥ मद्यभेदनाम ॥ १ ॥ मध्वासवंमधुंमाधव
कं माध्वीकंरुमैरेयं ॥ आसवंसीधूंमेदकंरु जगलंभेदबहुज्ञेय ॥ ९९ ॥ मद्यपान
गृहनाम ॥ २ ॥ सुंडापानंरुमद्यगृहं ॥ उनकीसभानाम ॥ २ ॥ पानगोष्टिंआपानं
॥ पीवैकेपात्रनाम ॥ २ ॥ तेहिपीवैहितचषकं अरु पानपात्रंपहिचान ॥ ६०० ॥
जुवारीनाम ॥ ४ ॥ धूर्तंअक्षदेवीं कितवं नामद्यूतकृतदेष ॥ फडबाजनाम ॥ २ ॥
सभिकंद्यूतकारकंसमुझि ॥ जामननाम ॥ २ ॥ लग्नकंप्रतिभूंपेष ॥ ६०१ ॥ जू
वानाम ॥ ४ ॥ अक्षवतिंकैतवंद्यूतंपणं ॥ ग्लहंपणंबाजीगाय ॥ पाशानाम ॥
॥ ३ ॥ पाशकंदेवनंअक्षँपुनि शारीगतिंपरिणायं ॥ ६०२ ॥ अष्टापदंअरुशारि
फलंअभिधाचौपरआहि ॥ प्राणिद्यूतंकहिसमाव्हयं जियकीबाजीजाहि ॥ ६०३ ॥
इतिशूद्रवर्गः ॥ १० ॥ ॥ पृथ्वीं पुरंगिरिंवनौषधिं मृगंनरंब्रह्मंवताय ॥ क्षत्री वै
श्यंरुशूद्रंदश वर्गदिव्यदरसाय ॥ ६०४ ॥ दशवर्गनसंजुतशुभगदेषद्रुकांडद्वितीं
य ॥ नामदामभावनभनी निजमतिसमरमनीय ॥ ६०५ ॥ ॥इतिश्रीभा
विनीनाममालायांद्वितीयकांडः समाप्तः ॥ २ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीगणेशायनमः ॥ ॥अथतृतीयकांडः ॥दोहा॥ भाग्यवानकेनाम ॥ ३॥पु
ण्यवानंधन्यंरुसुकृतिं॥ उदारनाम॥ २॥ महाशयंरुसुकृपालु॥ उद्यमीनाम॥ २॥
महोत्साहंअरुमहोद्यमं॥ सीधैकेनाम॥ २॥सुहृदयंपुनिहृदयालु॥१॥ज्ञाताकेना
म॥ ११॥ शिक्षितंअरुनिष्णातंपुनि निपुनंप्रवीनंअभिज्ञं॥ वैज्ञानिकंकृतमुखंकु
तीं कुशलंरुज्ञातांविज्ञं॥ २॥ संशयजुतसांशयिकंकहि॥पूज्यनाम॥ ३॥ पूज्यंप्रती
क्ष्यंरुमान्यं॥ अतिदानीनाम॥ ४॥दानशौंडंअरुबहुप्रदं स्थूललक्ष्यंसुवदान्यं॥ ३॥
वडीउंमरवालाकेनाम ॥ २॥ आयुमानंजैवातृकंहि ॥ शास्त्रीकेनाम॥ १ ॥अंत
र्वाणिंवषान॥ पारखीनाम॥ २॥कहियपरीक्षिकंकारणिक॥ वरदेनेवालैकेनाम
॥ २॥ वरदंसमर्धकंजान॥ ४॥ हरषजुक्तकेनाम ॥ ३॥ विकुर्वाणंहर्षितंप्रमनं॥
दाताभोक्तानाम॥ १॥सुकलंदानिभोक्तार॥उदासकेनाम॥ ३॥ दुर्मनंअंतर्मनंविम
नं॥ सरलचित्तकेनाम॥ ३॥ दक्षिणंसरलंउदारं॥ ५॥ प्रसिद्धकेनाम॥ ६॥ वि
श्रुतंप्रथितंप्रतीतंपुनि वित्तंख्यातंविज्ञातं॥ धनीईभ्यंअरुआढ्यंतिहुँ धनवत
नामकहात॥ ६॥ मालककेनाम॥ ११॥ स्वामीईश्वरंईशितां पतिंमालिकंसुख

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

धाम ॥ नेतांप्रभुंपरिवढंअधिपं अधिभूंनायकंनाम ॥ ७ ॥ कहिसमृद्धंबहुऋद्धि
जुतं अभ्यागारिकंआहि ॥ पुनिउपाधिद्वैनामसब परिजनपालहिताहि ॥ ८ ॥
अलंकृताआदरसहित देतसुकन्यादान ॥ कूकुदंताकोनामकहि "मनजवंपितास
मान ॥ ९ ॥ लक्ष्मीवानकेनाम ॥ ४ ॥ श्रीलंअपरश्रीमानंपुनि लक्ष्मणंलक्ष्मीवा
नं ॥ दयालुकेनाम ॥ ३ ॥ सूरतंकृपालुंकारुणिकं ॥ स्नेहजुक्तकेनाम ॥ २ ॥ व
त्सलंस्निग्धंवषान ॥ १०॥ स्वाधीनकेनाम॥५॥ अपावृतंरुस्वच्छंदंनिरवग्रहंस्वैरि
स्वतंत्रं ॥ पराधीनकेनाम ॥ ४ ॥ नाथवानंपरवानंपुनि पराधीनंपरतंत्रं ॥ ११ ॥
आधीनमात्रनाम ॥ ५ ॥ अस्वछंदंआयत्तंअरु गृत्यकंनिघ्नंअधीनं॥ बुहारनैवा
लाकेनाम ॥ २ ॥ खलपूंबहुकरंपेषियै" जाल्मंविचारविहीन॥ १२ ॥ सुस्तकेना
म ॥ २ ॥ दीर्घसूत्रंपुनिचिरक्रियं" कुंठंक्रियाजेहिमंद॥ मजूरनाम ॥ २ ॥ कहिभ
रण्यभुकंकर्मकरं ॥ कर्मठंक्रियाअमंद ॥ १३ ॥ खवैयाकेनाम॥ ३ ॥ भक्षकंघ
स्मरंअघ्नरंहि ॥ मांसाहारिकेनाम ॥ २ ॥ शौष्कलंआमिषआशिं ॥ भूखाकेना
म ॥ ४ ॥ क्षुधितंबुभुक्षितंजिघत्सूं अशनायितंदुखराशि ॥ १४ ॥ पेटारथीना

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

म ॥ ३ ॥ आत्मंभरिंउदरंभरी कुक्षिंभरीकहाय॥ सबभुकंसर्वान्नीनंसोउ सर्वभ
क्षिंसमुझाय ॥ १५ ॥ लोभीनाम ॥ ५ ॥ अभिलाषुकंगर्धनंगृधनु तृष्णकंलुब्ध
लहाय ॥ लोलुपंलोलुभंनामहै अतिलोभीतेहिथाय ॥ १६ ॥ सिरडीनाम ॥ २ ॥
उन्मदिष्णुउन्मदंअपर ॥ अन्यायीनाम ॥ २ ॥ समुद्धतंरुअविनीतं ॥ मतवाला
केनाम ॥ ४ ॥ उत्कटंक्षीवांशौंडंमतं ॥ नम्रकेनाम ॥ ३ ॥ प्रश्रितंनिभृतंविनीत
॥१७॥ वश्यकेनाम॥२॥वश्यंप्रणेयंवषानियै॥ ढीठकेनाम॥ ३॥ धृष्णकंवियातं
धृष्टं॥ बुद्धिमानकेनाम॥ २॥ प्रतिभान्वितंरुप्रगल्भपुनि॥ सलज्जकेनाम॥ २॥ क
हिशालीनंअधृष्टं॥ १८॥ कामीनाम ॥६॥ कामयितांकामुकंकमितं कामनंअभि
कंअभीकं ॥ आज्ञाकारीनाम ॥ ४॥ विनयग्राहिंविधेयंवचनस्थितंआश्रवंनीक
॥ १९ ॥ अचरजजुक्तकेनाम ॥ २ ॥ कहिविलक्षंविस्मयसहितं ॥ व्याकुलके
नाम ॥ २ ॥ कातरंअपरअधीरं ॥ डरेहुवेकेनाम ॥ ५ ॥ त्रस्तंभीरुंभीरुकंबहु
रि भीलुकंसभयशरीरं ॥ २० ॥ लहनेवालैकेनाम ॥ २ ॥ आशंसूंआशंसितां॥
गृहनकरनैवालैकेनाम ॥ २ ॥ गृहीतांरुगृहयालुं श्रद्धालुंश्रद्धासहितं ॥ परनैवा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

लैकेनाम ॥ २ ॥ पातकंअरुपतयालु ॥ २१ ॥ अपत्रपिष्णुलज्जासहितं ॥ वंदना
करैताकेनाम ॥ २ ॥ अभिवादकंवंदारु ॥ वढनैवालाकेनाम ॥ २ ॥ वर्धनंअ
रुवार्धिष्णुंवदि ॥ हत्याराकेनाम ॥ ३ ॥ घातुकंहिंस्रंसरारु ॥ २२ ॥ उछलनैवालै
केनाम ॥ २ ॥ उत्पतिताउत्पतिष्णू ॥ भूषनकीइछावालैकेनाम ॥ २ ॥ मंडनंअ
लंकरिष्णु ॥ होनैकीइछावालैकेनाम ॥ ३ ॥ भविताभूष्णुंभविष्णुंभनि ॥ निकार
नैवालैकेनाम ॥ २ ॥ क्षिपनूंनिराकरिष्णु ॥ २३ ॥ जाननैवालैकेनाम ॥ ३ ॥ ज्ञा
तांविंदुरंविदुरंगनि ॥ वर्तनैवालाकेनाम ॥ २ ॥ वर्तनपुंनिवार्तिष्णु ॥ सहनैवा
लैकेनाम ॥ ६ ॥ क्षमितांक्षमी तितिक्षुंकहि क्षंतासहनंसहिष्णु ॥ २४ ॥ मेघवा
चिकनैकेनाम ॥ ३ ॥सांद्रंस्निग्धंमेदुरंकहिय ॥ फूलेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ विकस्वरं
अपरविकासिं ॥क्रोधीनाम॥४॥क्रोधनंकोपीअमर्षणं चंडक्रोधबहुरासि॥ २५॥
जागनैवालाकेनाम ॥२॥ जागरूकंजानहुजिनहि जागरितापुनिजान॥ निद्राजु
क्तकेनाम॥ २॥घूर्णितंप्रचलायितंप्रगट ॥ सोयेकेनाम ॥ २ ॥ शायितंअरुनिद्रानं
॥ २६ ॥ वक्तानाम ॥ ४ ॥ वक्तावदपुनिवदावदं वाकपतीवडुआषि॥ नैयायि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कनाम॥ २॥ वाग्मीवाचोयुक्तिपटुं वावदूकंबहुभाषि॥२७॥निंदितवाक्ययुक्तके
नाम॥४ ॥ वाचालंरुवाचाटंबहुगर्ह्यवाकंजल्पाकं॥ अनर्गलवक्ताकेनाम॥ ३ ॥
दुरमुखंमुखरंअबद्धमुखं ॥ साफनबोलैताकेनाम ॥ २ ॥ लोहलंअस्फुटवाकं
॥२८॥ दोषवादीनाम॥२ ॥ कुचरंकुवादंकहाइयै ॥ कुवादीनाम॥ २ ॥ कदवद
निंदितवादिं॥ क्रूरवादीनाम॥२॥अस्वरंअपरअसौम्यस्वरैं शक्रुंकहियप्रियवादि
॥ २९॥ आशिषतैंस्तुतिकरैताकेनाम॥२॥ नांदीवादीनांदिकरं ॥ शब्दकरैताके
नाम॥ २॥शब्दनंरवणंपिछान ॥शक्तिनसुनिबैबोलिबै एडमूकंसोजान॥३० ॥
धिक्कारीकेनाम॥२॥ अपध्वस्तंधिकृतंअपर ॥निकालेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ निष्का
सितंअवरुष्टं ॥ निरादरजुक्तकेनाम॥ ४॥ प्रत्याख्यातंनिराकृतंहि निरस्तंप्रत्यादि
ष्टं॥३१॥ नग्नकेनाम॥ ३ ॥ नग्नंअवासांदिगंबरैं महामुढंजडंअज्ञं ॥ निंदितके
नाम॥२॥अधिक्षिप्तंप्रतिक्षिप्तंपुनि॥ ठगेहुवेकानाम१॥विप्रलब्धंकहिविज्ञ ॥३२॥
बंधेकेनाम॥ ३॥ कीलितंसंयतबद्धंकहि॥ अपवादीकेनाम॥ २॥ आक्षारितंअ
भिशस्तं अस्थिरकांकहिसंकसुकैं व्याकुलनामविहस्तं॥ ३३॥ बांधहिबधउद्योग

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

जुत आततायिंसोआहि कष्टजुक्तउपरक्तंकहि विक्लवंविक्लतताहि॥ ३४॥ विनवि
चारमारनचहत चपलंचिकुरंसोहोय॥केवलदोषदरशीकेनाम॥ २॥ पुरोभागिंदो
षैकदृकं॥ कपटीनाम॥ ३॥ निकृतंअनृजुंशठंसोय॥ ३५॥ दुष्टनाम॥ ४॥ दुर्जनं
दुष्टंरुपिशुनंखलं॥ पुण्यात्मानाम॥ १॥ शाश्विदानंसुखदाय"कर्णेजपंसूचकंचुग
लं॥ छलीनाम॥ २॥ वंचकंधूर्तंबताय॥ ३६॥ हिंसकनाम॥ ४॥ क्रूरंपापंघातुकं
नृशंसं॥ दुःखीनाम॥ १॥ उपरक्तंहिसोज्ञेय॥ मूर्खनाम॥ ६॥ यथाजातंबालिशं
मूर्खंमुग्धंमूढंवैधेयं॥ ३७॥ कृपणनाम॥ ५॥ अनमितपचंकदरजंकृपनं किंपचंक्षु
द्रंकहाय॥ दरिद्रीनाम॥ ५॥ दुर्विधंदीनंदरिद्रंदुर्गतंनिःस्वंहिसमुझाय॥ ३८॥ जा
चकनाम॥ ५॥ याचकंमार्गणंवनीयकंअर्थिंयाचनकंएह॥ अहंकारयुतंअहंयुं
शुभयुतंशुभंयुंलेह॥ ३९॥ जीवोंकीचारिखाननाम॥ नरपशुआदिकजरायुज
स्वेदजंकृमिदंशादि॥ पक्षिंआदिअंडजंप्रगट उद्भिजंतरुगुलमादि॥ ४०॥ अक
स्मातदिविमैंउपज पूरबपुन्यप्रभाव॥ दिव्योपपादुकंदेवता तातैंनामकहाव
॥ ४१॥ ॥इतिप्राणिवर्गः॥ १॥ ॥सुंदरकेनाम॥ १३॥ रुचिरंचारुसुंदरंसु

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

समं साधुरुशोभनकांतं ॥ रुच्यमनोज्ञमनोरमंहि मंजुलमंजुसुकांतं ॥ ४२ ॥ पर
मसुंदरनाम ॥ १ ॥ सोअसेचनकजेहिदरश वढतअधिकरुचिसद्य ॥ प्यारैकेनाम
॥६॥ वल्लभंप्रियंरुअभीष्टंपुनि दयितंअभीप्सितंद्वद्यं ॥४३॥ अधमकेनाम ॥ १३ ॥
अवमंअधमंअर्वांअणकं रेफंयाप्यंप्रतिकृष्टं ॥ कुतसितंखेटंकुपूयंकहि गर्ह्यंअव
द्यंनिकृष्टं ॥ ४४ ॥ मैलीवस्तुनाम ॥ ४ ॥ कच्चरंमलिनंमलीमसंहि मलिदूषितंतेहि
मान ॥ पवित्रनाम ॥ ३ ॥ पूतंपवित्रंरुमेध्यंपुनि ॥ स्वभावसैंपवित्रकेनाम ॥ २ ॥ वि
मलंरुवीध्वंवषान ४५ ॥ मलरहितकेनाम ॥ ५ ॥ अनवस्करंशोधितंमृष्टं निःशोध्यंरु
निर्णिक्तं ॥ निर्बलनाम ॥ ३ ॥ निर्बलंअसारंफलगुंपुनि ॥ खालीकेनाम ॥ ४ ॥ शून्यंव
शिकंतुच्छंरिक्तं ॥ ४६ ॥ मुख्यकेनाम ॥ १७ ॥ प्रवेकंउत्तमं अनुत्तमंप्रवर्हंप्रधानंमुख्यं ॥
अनअवरार्द्धंपरार्द्धंपुनि वर्यंवरेण्यंप्रमुख्यं ॥ ४७ ॥ अग्रियंअग्रंरुप्राग्रहरंप्राग्र्यं
अग्र्यंअग्रीयं ॥ श्रेष्टकेनाम ॥ ४ ॥ पुष्कलंश्रेयानंरुश्रेष्टं संतमंअतिरमनीय ॥ ४८ ॥ उत्त
रपदमैस्थितश्रेष्टअर्थवाचकनाम ॥ ६ ॥ सिंहंव्याघ्रंशार्दूलंगजंपुंगवंऋषभं कहाय
॥ उत्तरपदथितआदिएहि श्रेष्टअर्थसमुझाय ॥ ४९ ॥ विस्तीरणकेनाम ॥ ७ ॥ वृहदंवि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शंकटंपृथुलंपृथुंविपुलंविशालंरुवंडं ॥ पुष्टकेनाम ॥ ४ ॥ पीवांपीवनंस्थूलंपुनि पी
वरंनामप्रचंड ॥ ५० ॥ थोडेकेनाम ॥ ३ ॥ स्तोकंअल्पंक्षुल्लकंतथा ॥ सूक्ष्मकेना
म ॥ १० ॥ कृशंतनुंसूक्ष्मंसुहाय ॥ मात्रांत्रुटिंअणुंदभ्रंपुनि लवंकणंलेशंलहाय ॥
॥ ५१ ॥ अतिअलपकेनाम ॥ ४ ॥ कहियकणीयंअणीयंअरु अल्पीयंरुअल्पि
ष्टं ॥ बहुतकेनाम ॥ ११ ॥ प्रचुरंप्रभूतंरुबहुलंबहुं भूरिंभूयंभूयिष्टं ॥ ५२ ॥ प्रा
ज्यंअदभ्रंरुपुरहंपुरु ॥ सघनकेनाम ॥ ३ ॥ घनंअरुसांद्रंनिरंत्रं ॥ अलग २ के
नाम ॥ ३ ॥ तिट्ठुंयहपेलवंविरलंतनुं वाचकअलगस्वतंत्र ॥ ५३ ॥ समस्तकेनाम
॥ १२ ॥ सकलंसमग्रंअखंडंअरु कृत्स्नंसमस्तंअशेषं ॥ पूर्णंअनूनकंविश्वंपुनि नि
खिलंअखिलंनिःशेषं ॥ ५४ ॥ समीपकेनाम ॥ १५ ॥ सन्निकृष्टंअभ्यासंपुनि नि
कटंसमीपंसदेशं ॥ समर्यादंसन्नंरुसविधं अभितंसनीडंसवेशं ॥ ५५ ॥ उपकंठं
रुअंतिकंअपर अभ्यर्णंरुअभ्यग्रं ॥ यहपंद्रहनजदीकके समुझहुनामसमग्र
॥ ५६ ॥ संयुक्तकेनाम ॥ ४ ॥ अव्यवहितंसंसक्तंसोउ अपटांतरंरुविशिष्टं ॥ दू
रकेनाम ॥ २ ॥ विप्रकृष्टंअरुदूरंद्वै ॥ अतिनिकटकेनाम ॥ २ ॥ अंतिकतमंनेदिष्ट

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ५७ ॥ नामदवीयंदविष्टद्वै अतिहिदूरकेदेष ॥ गोलकेनाम ॥ ३॥ वर्तुलंवृत्तंरु
निस्तलंहि ॥ लंबैकेनाम ॥ २॥ आयतंदीरघंपेष ॥ ५८ ॥ ऊंचैकेनाम ॥ ६ ॥ उ
च्चंप्रांशुंउन्नतंउछ्रितं तुंगंउदग्रंउचार ॥ छोटकेनाम ॥ ४ ॥ वामनंह्रस्वंरुखर्व पुनि
नीचंनामनिरधार ॥ ५९ ॥ टेढैकेनाम ॥ ११ ॥ वजिनंजिह्मंकुंचितंरुनतं अरालं
ऊरमिमानं ॥ कुटिलंभुग्नंआविद्धंकहि वेल्लितंवक्रंवषान ॥ ६० ॥ ऊंधैमुखकेना
म ॥ ३ ॥ आनतंअवनतंअवाग्रंहि ॥ सरलकेनाम ॥ ३ ॥ प्रगुणंअजिह्मं
ऋजुंजोय ॥ ध्रुवकेनाम ॥ ५ ॥ नित्यंसनातनंसदातनं ध्रुवंशाश्वतंपुनिसोय
॥ ६१ ॥आकुलकेनाम ॥ ३ ॥ व्यस्तंप्रगुणंव्याकुलंवदहि ॥ अतिस्थिरकेनाम
॥ २ ॥ स्थास्नुंअरुस्थेयानँ सबव्यापकइकरूपनित सोकूटस्थंवषान ॥ ६२ ॥
चंचलनाम ॥ ६ ॥ लोलंचलाचलंचलंतरलं चंचलंपरिप्लवंगाय ॥ चलनैवा
लैकेनाम ॥ ६ ॥ चरंचरिष्णुंजंगमंरुत्रसं इंगंचराचरंथाय ॥ ६३ ॥ जडके
नाम ॥ २ ॥तरुआदिकथावरंअचरं ॥ कठिनकेनाम ॥ ९॥ कर्कशंकठिनंक
ठोरं ॥ जठरंमूर्तिमतंमूर्त्तद्दिढं निष्ठुरंक्रूरंबहोर ॥ ६४ ॥ वृथाकेनाम ॥ ३ ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मोघनिरर्थकव्यर्थवदि ॥ वढेहुवेकेनाम ॥ ३ ॥ एधितप्रौढप्रवृद्ध ॥ पुरा
नैकेनाम ॥ ५ ॥ प्रतनपुरातनचिरंतन प्रत्नपुरानप्रसिद्ध ॥ ६५ ॥ नवीनकेनाम ॥ ५ ॥
अभिनवनूतननव्यनव पुनिप्रत्यग्रपुकार ॥ कोमलनाम ॥ ४ ॥ कहियैकोमल
मृदुलमृदु समुझहुसोसुकुमार ॥ ६६ ॥ पीछेकेनाम ॥ ५ ॥ अनुगामीअनुपदअनुग
अन्वगअरुअन्वक्ष ॥ अप्रत्यक्षनाम ॥ २ ॥ अप्रत्यक्ष अतींद्रियहि ॥ प्रत्यक्षनाम ॥ २ ॥
ऐंद्रियपुनिप्रत्यक्ष ॥ ६७ ॥ आदिकेनाम ॥ ५ ॥ प्रथमआद्यकहिप्रभृतिपुनि पूर
वआदिवदंत ॥ अंतकेनाम ॥ ६ ॥ पाश्चात्यरुपश्चिमचरम अंत्यजघन्यरुअंत ॥
॥ ६८ ॥ एकाग्रचित्तकेनाम ॥ ४ ॥ एकतानएकाग्रअरु अनन्यवृत्तिइकतान ॥
साफकेनाम ॥ ४ ॥ उल्वणप्रव्यक्तस्पष्टस्फुट ॥ साधारणनाम ॥ २ ॥ साधारण
सामान ॥ ६९ ॥ असहायकेनाम ॥ ३ ॥ एकाकीएककरुइक ॥ जलदीनाम ॥ २ ॥
अविलंबितउच्चंड ॥ भिन्नकेनाम ॥ ४ ॥ अन्यअन्यतरइतरयह भनिभिन्नार्थ
अखंड ॥ ७० ॥ डावाअंगनाम ॥ २ ॥ वामसव्यकहिवामतनु ॥ जीमणाअंग
नाम ॥ २ ॥ दक्षिणअरुअपसव्य ॥ उलटैकेनाम ॥ ४ ॥ कहिअपसव्यअप्रष्ठते

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

हि पुनिप्रतिकूलंप्रसव्यं ॥ ७१ ॥ दुःप्रवेशकेनाम ॥ ३ ॥ दुःप्रवेशंकलिलंरुगहनं ॥ बाधारहितकेनाम ॥ २ ॥ निरअर्गलंरुअबाधं ॥ व्याप्तकेनाम ॥ ३ ॥ संकुलंकीर्णसंकीर्णसोउ ॥ संकटनाम ॥ २ ॥ संकटंपुनिसंबाधं ॥ ७२ ॥ फैलेहुवेकेनाम ॥ ॥ ३ ॥ विस्तृतंरुततंविस्तृतंवदहि ॥ मूंडितनाम ॥ १ ॥ परिवापितंहिवताय ॥ गूंथेहुवेकेनाम ॥ ५ ॥ ग्रंथितंसंदितंगुंफितंहि दब्धंरुग्रथितंदिषाय ॥ ७३ ॥ भूलकेनाम ॥ २ ॥ अंतर्गतंविस्मृतंअपर ॥ प्राप्तकेनाम ॥ २ ॥ प्रणिहितंप्राप्तंपिछान ॥ कंपायमानकेनाम ॥ ६ ॥ वेल्लितंप्रेंखितंधूतंधुतं कंपितंचलितंकहान ॥ ७४ ॥ प्रेरेहुवेकेनाम ॥ ६ ॥ नुत्तंनुन्नंनिष्टूतंपुनि ईरितंक्षिप्तंरुविद्धं ॥ चुराएकेनाम ॥ २ ॥ मानहुमूषितंमुषितंअरु ॥ फैलेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ पेषहुप्रस्तंप्रवृद्धं ॥ ७५ ॥ फैंकेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ न्यस्यंनिस्तृष्टंनिहारियै ॥ धूलीलगेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ गुंठितंरूषितंगाय ॥ समृद्धकेवावढेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ उपचितंनामनिदिग्धंपुनि ॥ द्रवीभूतकेनाम ॥ २ ॥ द्रुतंअवदीर्णंदिषाय ॥ ७६ ॥ शस्त्रउठायेहुवेकेनाम ॥ २ ॥ उद्यतंअरुउदगूर्णंलहि ॥ सूंघिबैकेनाम ॥ २ ॥ घ्राणंअपरआघ्रातं ॥ कू

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पआदिसैंनिकालिबैकेनाम ॥ २ ॥ समुदक्तंरुउद्धृतंसमुझि॥ चंदनादितैंलिप्तके
नाम॥२॥दिग्धंलिप्तंविख्यात॥ ७७॥ वींटेद्धवेकेनाम॥५॥ वेष्टितंआवृतंरुद्धंवल
यितंसंवीतंवदंत ॥ तीखेकेनाम ॥ ४ ॥ तेजितंशातंरुनिशितंक्ष्णुतं ॥ टूटेकेनाम
॥ २॥ रुग्नंरुभग्नंभनंत ७८ ॥ पकेकेनाम ॥ २ ॥ पक्वंविनाशोन्मुखंप्रगट ॥ ल
ज्जाजुक्तकेनाम ॥ ३ ॥ लज्जितंह्रीणंरुह्रीतं ॥ झरैताकेनाम ॥ ४ ॥ रीणंस्यन्नं
अरुस्रुतंस्रुतं ॥ निंदितकेनाम ॥ २ ॥ गर्हितंअरुअवगीतं ॥ ७९ ॥ नानाप्रका
रकेनाम ॥ ४ ॥ बहुविधंविविधंपृथगविधंहि नानारूपंप्रयुक्त ॥ कहिअवरीणं
धिकारजुत॥ स्वनितंध्वनितंध्वनिजुक्त ॥ ८० ॥ बंधेद्धुवेकेनाम॥ ६ ॥ संदानि
तंसंदितंउदितं मूतंबद्धंसितंमान ॥ मुनिअग्न्यादिकअंतमैं नामकहियनिर्बानं ॥
॥ ८१ ॥ क्षीरघृतादिकपाकश्रृतं क्वथितंसुपक्वकहात ॥ पीसेद्धुवेकेनाम ॥ २ ॥
अवचूर्णितंअवध्वस्तंअरु वायुरहितनिर्वातं ॥ ८२ ॥ लघुशंकाकिएद्धुवेकेनाम
॥ २ ॥ मानद्धुमूत्रितंमीढ्वं ॥ वमनकेनाम ॥ २ ॥ उदगतंअरुउद्वांतं ॥ दिशा
गएद्धुवेकेनाम॥२॥ गूनंहन्नंपुनिगाइयै॥क्षमायुक्तकेनाम॥२॥समुझद्धुसोढंरुक्षां

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तं ॥ ८३ ॥ दांतदमितकहिइंद्रिजितशांतशमितलयलेषं ॥ छादितछन्नढकेढुवे ॥ पूजितअंचितपेष ॥ ८४ ॥ छेदेढुवेकेनाम ॥ ३ ॥ वेधितछेदितविद्धवदि ॥ विचारेढुवेकेनाम ॥ ३ ॥ वित्तविचारितविन्नं ॥ सूक्ष्मकिएकेनाम ॥ ३ ॥ तष्टरुत्वष्टतनूकृतंहि ॥ भेदनकिएकेनाम ॥ ३ ॥ दारितभेदितभिन्नं ॥ ८५ ॥ जरेढुवेकेनाम ॥ ४ ॥ घुष्टघुष्टऊषितदग्धं ॥ कलेशजुक्तकेनाम ॥ २ ॥ क्लेशितक्लिष्टपुकार ॥ ऊतस्यूतउततीनयह सूततंतुविस्तार ॥ ८६ ॥ तेजरहितकेनाम ॥ ३ निःप्रभ विगतअरोकअरु ॥ पिघलेढुवेकेनाम ॥ ३ ॥ द्रुतविद्रुतरुविलीनं ॥ निर्वृत्तरु निष्पन्नद्वैषेढुसिद्धप्रवीन ॥ ८७ ॥ कहिसमाप्तअवसितरुसितं ॥ ज्ञप्तज्ञपितजुतबोध ॥ मांगेढुवेकेनाम ॥ २ ॥ प्रार्थितअर्दितपेषियै ॥ पूर्णकेनाम ॥ २ ॥ पूरितपूरणसोध ॥ ८८ ॥ पूजेढुवेकेनाम ॥ ५ ॥ अर्हितनमसितनमस्यित अर्चितअपचितजान ॥ सेवेढुवेकेनाम ॥ ४ ॥ वरिवस्यितवरिवसितउपचरितउपासित मान ॥ ८९ ॥ तपायमानकेनाम ॥ ५ ॥ धूपायितधूपितरुसंतापितदूनसंतप्त ॥ हर्षितकेनाम ॥ ६ ॥ मत्तहृष्टप्रल्हनप्रगट प्रमुदितप्रीतरुत्फुल्लं ॥ ९० ॥ ढकेढुवेके

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नाम ॥ ८ ॥ छिन्नंछातंकृत्तंरुवृकणं लूनंछित्तंदितंदातं ॥ चुवैताकेनाम ॥
॥ ७ ॥ स्रस्तंध्वस्तंस्कन्नंरुभ्रष्टं गलितंपन्नंच्युतंगात ॥ ९१ ॥ प्राप्तकेनाम
॥ ६ ॥ आसादितंप्रापतंलब्धं भावितंभूतंरुविन्नं ॥ गीलैकेनाम ॥ ६ ॥ उत्तं
समुन्नंरुतिमितंपुनि आर्द्रंसार्द्रंकेहिक्लिन्नं ॥ ९२ ॥ खोजिबैकेनाम ॥ ५ ॥
अन्वेषितंमार्गितंमृगितं गवेषितंरुअन्विष्टं ॥ त्यागेद्भुवेकेनाम ॥ ६ ॥ त्यक्तं
समुज्झितंहीनंपुनि विधुतंधूतंउतस्रष्टं॥ ९३॥ रक्षितकेनाम॥ ६॥ रक्षितंगोपायि
तंअवितं गुप्तंत्राणंअरुत्रातं॥ अपमानकिएद्भुवेकेनाम॥ ४॥ परिभूतंरुअवगणि
तंअवमानितंपुनिअवज्ञातं॥ ९४॥ कहिबैकेनाम॥ ५ ॥ उक्तंउदितंजल्पितंजथा
अभिहितंअरुआख्यातं॥ जानेद्भुवेकेनाम॥ ६॥ बुद्धंबुधितंअवसितंविदितं अव
गतंमनितंकहात॥ ९५॥ अंगीकृतकेनाम॥ ९ ॥ ऊरीकृतंउररीकृतंहि अंगीकृतंप्र
तिज्ञातं॥ आश्रुतंसंश्रुतंसंविदितं उपश्रुतंउपगतंख्यात॥ ९६ ॥ स्तुतिजुक्तकेनाम
॥ १० ॥ ईलितंशस्तंपनायितंरु प्रणुतंपनितंपहिचान ॥ ईडितंवर्णितंअभिष्टुतं स्तु
तंअरुगीर्णंबषान॥ ९७॥ भक्षणकिऐद्भुवेकेनाम॥ १२ ॥ भक्षितंचर्वितंलिप्तंप्रत्य

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वसितंगिलितंरुग्रस्तं॥ खादितंभुक्तंरुअशितंअभ्यवहृतंजग्धंरुलगस्तं॥ १८॥ क्षि
प्रआदिशब्दोंकाअतिशयअर्थवाचीक्षेपिष्टआदिशब्दताकेनाम॥ १२॥ अतिहि
क्षिप्रक्षेपिष्टंकहि अतिहिक्षुद्रक्षोदिष्टं॥ अतिहीप्रियसोप्रेष्टंपुनि अतिउरुवदहिवरि
ष्टं॥ १९ ॥ अतिहीस्थूलस्थविष्टंसो अतिहिबद्धुलवंहिष्टं अतिहिबाढसाधिष्टंअरु
अतिहिदीर्घद्राघिष्टं॥ १०० ॥ अतिहीस्फिरसोस्फेष्टंपुनि अतिगुरुगनियगरिष्टं॥
अतिहीह्रस्वह्रसिष्टंअति वंदारकवंदिष्टं॥ १०१॥ वार्ता इहांस्फिरशब्दबहुतवा
चीहै॥ औवंदारकशब्दमुख्यवाचीहै॥ इतिविशेष्यनिघ्नवर्गः॥ २॥ दोहा॥ सकल
वचनवाचकसमुझि आसक्तीवचमांहि॥ पारायणरुपरायणंहि क्रमतैंनामकहां
हि॥ २ ॥ कहिययदृछास्वैरितां द्वैस्वतंत्रतानाम ॥ हेतुरहितथितिंविलक्षणं वदहि
नाममतिधाम ॥ ३ ॥ शांतिकहावतशमथंशमं॥ इंद्रियनिग्रहनाम॥ ३॥ दांतिं
दमथंदमंदेष॥ कर्मवृत्तंसुकरमशुभगँ दानप्रवारणंपेष ॥ ४ ॥ वशीकरणनाम
॥ २॥ वशक्रियासंवदनंवदि॥उच्चाटननाम॥ २॥ कार्मणंमूलविकर्मी॥ तृप्तनाम
॥ ३॥ तर्पणंप्रीणनंअवनंपुनि॥ कंपनैकेनाम॥२॥ विधुननंविधुवनंकर्म॥ ५॥ र

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

क्षाकरिबैकेनाम॥ ३ ॥ परित्राणंपर्यासिंपुनि करवारणंहिप्रशंस॥ वस्त्रसींवनैके
नाम॥ ३॥ सेवनंसीवनंस्यूतिअरु॥ फूटिबैकेनाम ॥ ४ ॥ विदरंस्फुटनंभिदंध्वंस
॥ ६ ॥ गालीनाम॥ २॥ अभीषंगंआक्रोशनंहि॥ अनुभवज्ञाननाम॥ २॥ वेदनां
रुसंवेदं ॥ भिक्षानाम ॥ ४॥ यांचांभिक्षांअर्दनां अर्थनांहिचहुँभेद॥ ७॥ सर्वत्र
व्यासकेनाम॥ २ ॥ अभिव्यासिंसंमूर्छनरु॥ काटनकेनाम ॥ २॥ वर्धनछेदन
जान ॥ कुशलआनंदकेनाम ॥ ३ ॥ आनंदनंरुसभाजनंहि आप्रच्छनंपहिचान
॥ ८ ॥ संप्रदायंआम्नायंद्वै शुभउपदेशदिषाय ॥ हानिकहावतक्षयंक्षियां ॥ फुरक
नैकेनाम ॥ २ ॥ स्फरणंस्फुरणंसमुझाय ॥ ९॥ लैनाकहियैग्राहंग्रहँ कहिइछांवशं
कांतिं॥ रक्षारक्षणंत्राणंकहि रणंक्वणंशब्दसुभांति॥ १० ॥ छेदनकहियैवेधंव्यधं
कहिपचंपाकविधान ॥ हेलौदेबौहूतंहवं वरंवृतंकहिवरदान॥ ११॥ ओषंप्लोषंक
हिजरहिजेहि ॥ कहियनायंनयंनीति ॥ ज्यानिंकहावतजीर्णजेहि भ्रमिंजानद्रुभ्र
मरीति ॥ १२॥ प्रथांरुख्यातिंप्रसिद्धता स्फातिंवृद्धिविख्यात॥ सृष्टिंसृक्किंसपरस
कहिय स्रवंस्रवंस्रोतकहात ॥ १३ ॥ एधांकहिसमृद्धिअरु प्रमितिंप्रमांसतज्ञान

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

प्रसवंप्रसूतीजन्मलहि गुनियक्रमथंक्रमंलगान ॥ १४ ॥ वडपनअतिशयंउत्कर्ष
टपकनंच्योतंप्रघार ॥ संधिंश्लेषंमिलापकहि ॥ प्रयोजननाम ॥ २ ॥ आशयंवि
षयंविचार॥ १५॥ गीरणिंगिरिंनिगिलनकहिय उद्यमगुरणंगनाय॥ श्रायंश्रयण
आश्रयउभय ॥ उठानैकेनाम ॥ २॥ उन्नयंअरुउन्नायं ॥ १६ ॥ जीतकहावतज
वनंजयं कहिबौनिगदंनिगादं॥ उदभ्रमंसोउदवेगभनिं हरषकहियमदंमादं॥ १७॥
लूटनैकेनाम ॥ ३॥ डिंबंडमरंविप्लवंवदहि बंधनप्रसितिंरुचारं ॥ अभिप्रायकेअ
नुरूपचेष्टाकेनाम ॥ ३ ॥ इंगितइंगंआकारंअरु कहिअपकारंनिकारं ॥ १८॥ वि
क्रियंविकृतिंविरुद्धकृत कहिपरिणामंविकार ॥ एकत्रकेनाम॥ २॥समाहारंअरु
समुच्चयं ॥ खोसिबैकेनाम ॥ २॥ अपचयंअरुअपहारं ॥ १९ ॥ द्रव्यखरचिबौ
वदहिव्ययं ॥ नकलकरिबैकेनाम॥ २॥ अनुहारंरुअनुकारं करहिकवहुहिंसाक
रम आखहितेहिअभिचारं ॥ २० ॥ संजमकेनाम॥ ६॥ यामंवियामंरुवियमंपु
नि संयमंयमंसंयामं ॥ जागरयांजागरंअपर कहहिजागरणनाम ॥ २१ ॥ अंत
रायंप्रत्यूहंद्वै नामवषानहिविघ्न ॥ वडाविजोगकेनाम ॥ २॥ प्रविश्लेषंअरुविधु

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रंद्वै आश्रयनिकटउपग्नं ॥ २२ ॥ अभिप्रायनाम ॥ ३ ॥ अभिप्रायंआशयंरुछँदं ॥
सबओरफैलनैकेनाम ॥ २॥ परिसर्यापरिसारं ॥ आसननाम॥ ३ ॥ आस्यांआस
नंआस्थितीं ॥ विस्तारनाम ॥ ३ ॥ विग्रहंव्यासंविस्तारं ॥ २३ ॥ वदहिशब्दवि
स्तारकौ विस्तरंनामविशेष ॥ संवाहनंमर्दनसमुझि संस्तवंपरिचयंपेष ॥ २४ ॥
पाडोसनाम ॥ २ ॥ सन्निकर्षणंरुसंनिधीं ॥ धनादिसंग्रहनाम॥ २ ॥ पुनिनीवाकं
प्रयामं ॥ घावफैलनैकेनाम ॥ २॥ प्रसरंविसर्पणंपेषियै नाशंअदर्शनंनाम॥ २५॥
धानकीबेडनीकेनाम ॥ ३ ॥ कहिअभिलावंरुलवनंलवं ॥ अन्नादिसाफकर
नैकेनाम ॥ ३ ॥ पवनंरुपवंनिष्यावं ॥ नलीनाम ॥ २ ॥ त्रसरंसूत्रवेष्टनंप्रगट ॥
संगवाअवसरनाम ॥ २ ॥ अवसरंअरुप्रस्तावं ॥ २६ ॥ प्रथमगर्भउपसरंप्रज
नं ॥ प्रेमनाम ॥ २ ॥ प्रश्रयंप्रणयंपुकार ॥ बुद्धिशक्तिनिसक्रमंकहिय॥ उद्योग
नाम ॥ २ ॥ उपक्रमंप्रक्रमंउचार ॥ २७ ॥ प्रथमआरंभनाम ॥ ३ ॥ आरंभंरु
उदघातंपुनि आखहिअभ्यादानं ॥ दुर्गपंथसंक्रामंकहि संभ्रमंवेगवषान॥ २८॥
रुकनैकेनाम ॥ २ ॥ प्रतिष्टंभंप्रतिबंधंपुनि ॥ साक्षात्कारनाम ॥ २॥ अनुभवं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अरुउपलंभं ॥ तिलककरनैकेनाम ॥ २॥ समालंभंसोउविलेपनं ॥ अतिदानना म ॥ २ ॥ अतिसर्जनंरुविलंभं ॥ २९ ॥ स्नेहतोडनैकेनाम ॥ २ ॥ विप्रयोगंअरु विप्रलंभं ॥ गिरनैकेनाम ॥ २॥ निपातनंरुअवनायं ॥ कलेशनाम ॥ ३॥ आ दीनवंतेहिदेषियै आस्रवंक्लेशंकहाय॥ ३० ॥ देषनैकेनाम ॥ ५॥ आलोकनंईक्ष णंदरशं निर्वर्णनंनिध्यानं ॥ निरादरकरणकेनाम ॥ ४॥ प्रत्यादेशंनिराकृतीं निर सनंप्रत्याख्यानं ३१ ॥ पदार्थैकादेषनावारक्षणकेनाम ॥ २॥ अवेक्षांरुप्रति जागरंहि ॥ प्रसिद्धकेनाम ॥ २॥ प्रविख्यातिं विश्रावं ॥ पढनैकेनाम ॥ ३ ॥ पाठं निपाठंरुनिपठंपुनि ॥ गीलौकरिबैंकेनाम ॥ २ ॥ तेमंसमुंदनंगाव ॥ ३२॥ ढुंढनै केनाम ॥ ५ ॥ संवीक्षणंविचयनंरुमृगं मृगणांमार्गणंमान ॥ सूगवानिंदावाक रुणाकेनाम॥ ४॥ घृणांह्रणीयां ऋतीयां आर्तनंजानहुआन॥ ३३ ॥ प्रतिशास नंशिक्षांकहिय ॥ मेलकेनाम॥ ३॥ मेलकंसंगमंसंगं॥ लपटनैकेनाम ॥ ४॥ उप गूहनंसंश्लेषंपुनि परिरंभंरुपरिष्वंगं॥३४॥ उलटपुलटकेनाम॥४॥वरनहिव्यत्ययं विपर्ययं विपर्यासंव्यत्यासं ॥ उल्लंघनैकेनाम ॥ ४ ॥ पर्ययंअतिक्रमंउपात्ययं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अतिपातंहिकहितास॥ ३५॥ नायनाम॥ १॥ जिनहिकाष्टपैंकाष्टधरि छीलतउद
घनंसोय॥ तृणगणछेदतजिनहिपर स्तंबघ्नंहिसोहोय॥३६॥ चहुँघांसमतरुआदि
जो तेहिनिघंनामनिहार॥ धानउपणनैकेनाम॥२॥ उतक्षेपणजोधान्यको कहिउ
त्कारंनिकारं॥ ३७॥ निगिलननामनिगारंकहि"गनहिवमनंउद्गारं॥ वदहिछीं
कंविक्षावंपुनि कहिउदग्राहंडकारं॥ ३८॥ निवृत्तिकेनाम॥ ६॥ आरति'अवरति'
विरति'उपरति'उपरमंउपरामं॥ थूकनैकेनाम॥ ४॥ निष्टेवनंनिष्ष्यूतिंनिष्टेवंनिष्टीव
नंनाम॥३९॥ जवनंजूतिंपुनिवेगवदि॥ अंतकेनाम॥ ३॥ अंतसातिंअवसान"जू
तिंनामज्वरजानियै॥सरापनाम॥२॥अकरणिंशापंवषान॥ ४०॥जनसमूहजन
तांकहिय तिमब्राह्मण्यंविचार॥ कहिसाहस्रंसहस्रगनअैसैंहिलषहुअपार॥ ४१॥
इतिसंकीर्णवर्गः॥ ३॥ अथअनेकार्थःप्रारभ्यते॥ ककारांतकेउनामपुनिहकारां
तपरयंत॥ अनेकार्थक्रमतैंकहों सुनहुसुजनमतिवंत॥ ४२॥ नाकंकहावतस्वर्गं
नेभ"भनहिभुवंनंजनंलोकं॥सायकंजानहुखडंगंशरंकीर्त्तिछंदंकहिश्लोकं॥४३॥
जंबुकंवरुणंशृगालंकहि"गोदंचिन्हंकहिअंकं॥ दरशंनद्युतिंआलोकंकहि"चिन्हं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कलंककलंक ॥ ४४ ॥ आनकभेरी ढोलघंन तक्षकनागसुथार ॥ कः कहातरविवायु
विधिकंजलशिरसुखधार ॥ ४५ ॥ चिउरांबालहिपृथुककहिअर्कफटिकरविआंक ॥
तुछधानसंक्षेपअरुभोजनभेदपुलाक ॥ ४६ ॥ दाडिमगंडारुकमंडलुकहिहैंकरक
कवीश ॥ वदहिविनायकतीनयहगरुडबुद्धगनईश ॥ ४७ ॥ वृश्चिकविछूरासिकहि
किष्कुवैंतकरनीक ॥ अवयवअरुप्रतिकूलद्वैषहुनामप्रतीक ॥ ४८ ॥ तरुचिरायता
गंधतृणभूतिकनामभनंत ॥ आंधाझांडातुरइएहिकोषातकीकहंत ॥ ४९ ॥ कायफल
रुसितखैरकांसोमवल्कसमुझाय ॥ तिलखलअरुलोबानद्वैकविपिण्याककहाय
॥ ५० ॥ काबुलदेशेरुकाबुलीअस्वहींगवाल्हीक ॥ व्योघ्रवन्हिदिग्गजरुसितकमलक
हहिपुंडरीक ॥ ५१ ॥ गुग्गुलइंद्रउलूकअरुव्यालग्राहिविचार ॥ नकुलरुविश्वामित्रष
टकौशिकनामपुकार ॥ ५२ ॥ क्षुल्लकनीचदरिद्रैलघु रुजशंकाआतंक ॥ जैवातृकदी
र्घायुकुशपुनिकहिनामशशांक ॥ ५३ ॥ अलंकारदीपकंकहियकेकीशिखाकहाय ॥
अजवायनअजमोदपुनिदीपकदीपकथाय ॥ ५४ ॥ गैरिकगेरूस्वर्णगनि पीडा
अप्रियव्यलीक ॥ वर्तकबतकरुअस्वखुर अप्रियअनृतअलीक ॥ ५५ ॥ वंशस्वभाव

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अनूककहि टूंकत्वचाकहिशक्क॥विषापापरुहस्तिरदंदंभरुकीटाकल्क॥५६॥तोला
अष्टाधिकशतकसुवरनंनिष्कंवषान॥हियभूषनपलहेमकौ मद्रुंद्रुनिष्कपिछान
॥५७॥कहिपिनाकरंजदृष्टिशिवधनुषरुशूलंकराल ॥ कहियैदेवीकालिकाकालि
काहिघनमाल॥५८॥प्रथमप्रसूतागौकरिनि छुरीधेनुकाधार ॥ कहियकारिका
जातनानटिनीवत्तिसुढार॥५९॥ कर्णविभूषनंकर्णिकाकरिसुंडाग्रंकहाय॥कम
लबीजंमधअंगुलीपूगीफलंदरसाय ॥ ६० ॥ शालावृकंकपिप्यारश्वा वृंदारक
सुरंचारु॥मुख्यंअन्यकेवलइतेवाचकएकविचारु ॥ ६१ ॥ नृपनितंबंकंकनंअ
परसेनाकटकंकहाति ॥ कंटकशूचीअग्ररोमांचरुअल्पअराति ॥ ६२ ॥ प्रभुल
लारनिरषतरहैकारजकछुनकराय॥लालाटिकंतेहिनरनकौनिश्चैनामलहाय ॥
॥ ६३॥ वालकखंगशिशुव्याघ्रपुनिजटाजूटंतेहिजान॥ तिलकतिलंकतरुभेदपु
निटीकातिलकप्रधानं ॥ ६४ ॥ इतिककारांतवर्गः ॥ १ ॥ करद्युतिज्वालमयूख
कहिशिलीमुखंहिअलिबानं ॥ शंखशंखंनिधिशंखंअरुललाटास्थिंपहिचान ॥
॥ ६५ ॥ खंनभइंद्रियशून्यपुरविंदुस्वर्गकल्यानं ॥ शिखाशिखांज्वालाशिखांशि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

खांकिरनपुनिमान ॥ ६६ ॥ इतिखकरांतवर्गः ॥ २ ॥ नगअगपर्बतवृक्षकहि" आशुगविशिखसमीर ॥ दिनकरपक्षिपतंगदोउ" खगपक्षीरवितीर ॥ ६७ ॥ कहिपरागरजकुसुमकीगंधचूर्णपुनिगाय॥ग्रहणपरागपिछानियैधूरिपरागकहाय ॥ ६८ ॥ जानहुवेगप्रवाहजवै पूगपूगिफलवृंद ॥ मृगपशुमृगशिरखोजिबौमृग मृगकहहिकविंद ॥ ६९ ॥ नागरवेलीसर्पगजसीसानागनिहार ॥ कहहिश्वपचमातंगअरुगजमातंगउचार ॥ ७० ॥ अंगहीननेत्रांतअरुतिलकअपांगलहाय ॥ सर्गत्यागनिश्चयसृष्टिस्वभावअरुअध्याय ॥ ७१ ॥ ध्यानउपायरुयुक्तिसंगशस्त्र बांधिबौयोग ॥ तियसुखअहितनुफणतुरंगकरीपालनाभोग ॥ ७२ ॥ चातकमृगगजचित्ररंगनरंगिरिअहिसारंग॥सारथिमंडुककपिप्लवग"हारशापअभिष्वंग ॥ ७३ ॥ युगरथादिअंगउभययुगयुगकृतादिप्रत्यक्ष ॥ गोगौजलवचस्वर्ग शरकरमहिपविदिशअंक्ष ॥ ७४ ॥ चिन्हयोनिशिवमूर्तिकौनामवषानत लिंग ॥ शृंगप्रधानविखानकहिशृंगकहहिं गिरिशृंग ॥ ७५ ॥ भगमाहात्म्य पराक्रमहिभगकीरतिश्रीकाम ॥ भगवैराग्यरुज्ञानभगयो निभानुभगनाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ७६ ॥ इतिगकारांतवर्गः ॥ ३ ॥ परिघंशस्त्रंअरुघातकहि"ओघवंदंजलस्रो
तं॥ अर्घंमोलंपूजाविधी"अलपंइष्टलघुहोत ॥ ७७॥ अघंदुखंपापंरुविपंतकहि
जूवांविसंनंसिकारं॥ रागंद्वेषजंनमंरुमरंनंएहिअघंनामउचार ॥ ७८ ॥ इतिघ
कारांतवर्गः ॥ ४ ॥ काचंकांचंछींकांकहियंकाचंदृष्टिरुजंदेष ॥ वंचकंतांपिपरी
तंतांविस्तंरंप्रपंचंपेष ॥ ७९ ॥ शुचिंग्रीषंमंश्रृगारंनरंशुचिंआषांढंरुज्येष्टं॥ धवलं
शुंद्धंमंत्रीअनंलंइतेनामंशुचिंश्रेष्ट ॥ ८० ॥ रुचिंइंछांआसंक्तिंरुचिंरुचिंगभंस्तिं
कांगाय॥रुचिंप्रकांशंकांकहतहैरुचिंशोभांसमुझाय ॥ ८१ ॥ ॥इतिचकारांत
वर्गः ॥ ५ ॥ ॥ गुछंकुसुमकोगुंछंकहिंकिशलंयंमुक्तांहारं॥ कछंनीरतंटंनांवंपु
निंपहिरनवस्त्रकिनांरं॥ ८२ ॥वरनहिंअछंप्रसन्नंतांरिछंकहहिपुनिंअछं ॥ अछं
स्फटिंकंकोनामअरुअछंवषानहिंस्वंछं ॥८३॥ ॥इतिछकारांतवर्गः॥६॥ ॥
अहिभुजंगरुंडंरुनकुंलशिंखिं द्विजंद्विजंरंदंखंगंकांम॥अजंहंरिंहरंविंधिंछांगंअरु
अजंरघुनृपसुंतंनाम॥८४॥व्रजंसमूंहंगोशांलंमंगं कुंजंकुंजंकरिदंतं॥बुद्धंयुधिंष्टि
रंयमंइनहिंधर्मराजंवरनंत॥८५॥वलजांतियशुभदंर्शनांवलजंक्षेत्रंपुरद्वारं॥ आ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

जिंकहियसमभूमिरेणुप्रजाप्रंजांसुतधार ॥ ८६ ॥ अञ्जंशंखंशंशिंकमंलंकहिंधकां. ३
न्वंतंरिंपुनिजान॥बाजंसुंधांविंधुंवांयुंखंगंनिजंनिंजंनित्यंवषान॥८७॥ ॥ इति
जकारांतवर्गः ॥ ७॥ वार्ता बहुवाचीशुद्धझकारांतशब्दकाअभावहैयातैंझकारां
तस्थानमैंज्ञकारांतकहियैहै ॥दोहा॥ पुरुषं कहियंक्षेत्रज्ञंअरुंआत्मांपंटुक्षेत्रज्ञ॥ज्ञः
कहिंपंडितंसोमसुतंविंदुषंवैद्यंदोषज्ञं॥ ८८ ॥ करआदिकतैंसूचंनांसंज्ञांकहियैसो
य॥ गायंत्रीं अरुनामतिमसंज्ञांरवितियंजोय ॥ ८९॥ इतिझकारांतवर्गः ॥ ८॥
करटंकांकंकरिगांलंकहिकरटंश्राद्धंसमुझाइ॥कटंकम्मेरंगजगांलंकटंकटंपुनिकहि
यंचटांइ॥ ९०॥ केशरहितंदुश्चेरमंपुनिहैरिंमहेशंशिपिविष्टं॥कटुरसंतीक्ष्णंअकार्यं
कटुंकांलंभाग्यंकहिंदिष्टं॥९१॥ तत्कंसूतिगृहंशुंभंअशुंभंमदिरांअंतंअरिष्टं॥रिष्टंअ
शुंभंशुंभंजानियैंक्षेमंवषानहिंरिष्टं ॥ ९२॥ कूटंकितवंमायांअंचलंअयघंनंअरु
समुदायं॥ मृगबंधंनंगिरिशिंखरंगिरिकूटंहलांग्रंकहाय ॥९३॥ त्रुटिसंशंयंलघुकां ॥६८॥
लंकहिंत्रुटिइलायचीछोटिं॥शस्त्रधारंधनुअग्रंअरुवडंपनंसंख्यांकोटिं॥९४॥जटां
मूलंजूरांजटांफलंसंपंतंकहिंव्युष्टिं ॥ दृष्टिंज्ञानंदेषंनंनयंनंमखंइछांकहिंइष्टिं॥९५॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

स्टष्टिंस्टंष्टिंनिश्चिंतंबहुंतंवनंदुखंकष्टंकहंत ॥ पटुंप्रवीनंतीछंनंहिपटुंपटुंपुनिंविरुंजंवदंत ॥ १६ ॥ इतिटकारांतवर्गः ॥ ९ ॥ नीलकंठंशिवंकेंकिंकहि"निष्ठांसिद्धिंरुनांशं ॥ कोष्ठंजठरमंधंधान्यंघरंकोष्ठंमध्यगृहंवासं ॥ १७ ॥ काष्ठांस्थिंतिंवडंपनंदिशां"ज्येष्ठंवृद्धंवडभ्रांतं ॥ लघुभ्रांताअरुंबालंतेहिनामंकनिष्ठंकहात ॥ १८ ॥ इतिठकारांतवर्गः ॥ १० ॥ गुडंगोलांअरुंइक्षुरंस"व्याडंसर्पंमृगराजं ॥ क्ष्वेडांवंशशलांकंविषंक्ष्वेडांमृगपतिगांजं ॥ १९ ॥ दंडंदंडंघटिंलकुंटलहि"इडांसुरंभिंभूवांनिं ॥ नाडीघटिकांनामकहिंनाडींनवंजंवषानि ॥ २०० ॥ कुत्सितंशरंअवसरंलकुंटंवारिवंर्गंकहिंकांडं ॥ वासनंअश्वाभरंणंअरुंवनिकमूलधनंभांडं ॥ १ ॥ इतिडकारांतवर्गः ॥ ११ ॥ व्यूढंतंजनंअरुंमिलनंकहि"प्रतिज्ञांरुदृढंवाढं ॥ दृढंकहिसमरंथंवडनंकां"अतिशयंदुःखंप्रगाढं ॥ २ ॥ ॥ इतिढकारांतवर्गः ॥ १२ ॥ भ्रूणंबालंतियगंर्भंभनि"शरंबलिसुतंकहिंबाणं ॥ कणंसूक्ष्मंकणंधान्यकंण" गणंशिवगंणंगणंजाण ॥ ३ ॥ पणंद्यूतादिकंखेलिबौंधनंसेवांव्यवंहारं ॥ रज्जुंशुकंलसत्वांदिंगुणंगुणंधनुकींगुंणंधार ॥ ४ ॥ उतंसवंकालविभांगंक्षणंक्ष

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

णंविनउद्यमंथाय॥वर्णंद्विजांदिसितांदिस्तुतिअक्षँरंवर्णंवताय ॥ ५ ॥अरुणंभानुं
रविसारथीअरुणंरक्तंरंगनाम॥ खंभंशंभुतंरुस्थाणुंकहिंरणंरवंरविसंग्रामं॥ ६ ॥
ग्रामणिंनांपितंश्रेष्ठंअरुंग्रामणिंग्रामप्रंधानं ॥ ऊर्णंरोममेषादिंआवर्तंरुभ्रूमंध्यं
मान ॥ ७॥ हरिणीप्रतिमाहेमंकीहरिणीहरिंणीहोय॥ हरिणंशुकलेरंगहरिणंमृगं
शरणंरछंकगृहंसोय॥ ८ ॥स्थूणांथंभंरुमूर्तिअंय" तृष्णांवांछाप्यासं॥ घृणांदयां
निंदांघृणांकरेणुंकरिंतियेतासं ॥ ९ ॥ मंद्यंपछिमदिशंवारुणी"विपणींगेलीदुंका
नं ॥ कमंलभेदंतरुंश्रीपर्णंबलंधनंद्रविणंवषान ॥ १० ॥ तीक्षणंतीक्षंणंलोहंविषं
युद्धंकठोरंनिहार॥ मर्यांदांज्ञांतांशास्त्रहेतुंप्रमाणंपुकार ॥ ११ ॥ करणंदेहंसाधंकं
करणंइंद्रियंकरणंकहाय॥ जनमांदिकंमगंसंसरणंअभयसेनगंतिगाय॥ १२॥ व
मनकुअंन्नंउखांरिबौंसमुद्धरणंसमुझाय ॥ पशुशृंगंअरुंगजदशंनंउभयंविषाणं
वताय ॥ १३ ॥प्रवणंचतुसपंथंस्तुतिंसमुझिंक्रमतैंभूमिउतारं॥ व्याप्तंअशुद्धंसंकी
र्णंवदि"ईरणंशून्यंरुंखारं ॥ १४॥ इतिणकारांतवर्गः॥ १३ ॥ गरुतमंतखंगंगरुं
डंकहिं"नंदंसमुद्रंसरस्वंतं॥ विवस्वंतंकहिंदेवंरविं"गीधंरुपंक्षिंशकुंत॥ १५॥ धूमके

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तुंग्रहंशिखाजुतंअग्निनामंसोउअत्र॥घनपैबर्तजीमूतंकहि"हस्तहांतनक्षत्रं॥१६॥
यंताहैस्तिपंसारैथी"मरुतंपवनंसुरंहोत॥भर्त्तांधारंकपोषकैंहि"पात्रेनावैंशिशुंपो
तं॥१७॥केतूंध्वजांग्रहभेदंकहि"प्रेतंप्रेतैंमृतैंमान॥भूभृतंभूधरंभूपंभनि"सुतंसुतंनृ
पैंपहिचान ॥१८॥ ऋतुंतियरजैंऋतुंऋतुंकहिय"हैरिहैरैंअजितंअव्यक्तं॥सूतंव
ढैंहिरैंविसारैथी" विदुषंप्रकाशितंव्यक्तं ॥ १९ ॥ कहिंआनतींहिनृत्यगृहंजुद्धैंरुदे
शविशैंषं॥कृतांतंयमंसिद्धांतंअरुदैवंपापकृंतंपेष ॥ २०॥ धातुंशब्दकीयोनिंअरु
धातूंअश्मैंविकारं॥पंचभूंतइंद्रियंविषैंयंरसैंरक्तांदिअपार॥२१॥शुद्धहृदंयंशुद्धां
तंअरुंरजधांनींरनिवांसं॥शक्तींदेवींशक्तिंबलंशक्तिंलोहमैंयभासं॥२२॥मूर्तिं
देहंअरुंकठिनता"वसतींनिसांअवांसं॥व्रततिंवेलिंविस्तारंकहि" अपचितिंपूजां
नांसं॥२३॥अतिंदुःखंधनुअग्रंअरु" सातिंदानंअवसानं॥ जातिंजातिंपुनिजनं
मं[illegible]तेंरीतिंद्रवंजान॥२४॥ अनावृष्टिंअतिवृष्टिंशुकंमूषंकंशलभंकहाय॥
निजसेनांपरसेनभंयंईतिसमदुखदाय ॥ २५॥ ईतिंअंडंपरदेशांशिशुंईतिंउपद्रवं
धार॥प्राप्तिंउदंयंअरुलाभंकहि"क्षतिंक्षयंहानिंअगारं॥२६॥त्रेतांत्रेतायुगंकहि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

यअरुत्रयअग्निअभंग ॥ भोगवतीसरिनागपुरि" समितिसभाजुधसंग ॥ २७ ॥ हे
तिशस्त्रविकीप्रभाअगनीज्वालकहाइ॥जगतीछंदरुभूमिभनि" भूतिभस्मप्रभुता
इ ॥ २८ ॥ प्रकृतिस्वभावरुलिंगभगप्रकृतीकहियप्रधान ॥ पंक्तीछंदरुपांतिकहि" श्रु
तिकहिवेदरुकान ॥ २९ ॥ गुप्तिगुहाक्षितिपालना" लक्षणहेतुनिमित्त ॥ छंदचरित
गतकालदृढवर्तुलवाचकवृत्त॥३०॥भूतपंचभूआदिगतकालजंतुसमन्याय॥श्रुत
सुनिबौश्रुतशास्त्रकहि" कृतयुगकरवकहाय ॥ ३१ ॥ करिणीवामावासितअमृत
सुधाघृततोय ॥ वातवातरुजीविका" वार्तअरुजलघुहोय ॥ ३२ ॥ रूप्यहेमकल
धौतकहि" रजतरूप्यसितहार ॥ श्वेतद्विपरूपाधवल" सितसितबद्धविचार ॥ ३३ ॥
शेषविष्णुआकाशअरुवर्जितअंतअनंत ॥ निर्मलस्वेतरुपीतरंगकविअवदातक
हंत ॥ ३४ ॥ पावनविजनविविक्तकहिबुधकुलीनअभिजात ॥ शुक्लपूतनिष्टुर अ
म्ल" शितिसितस्यामकहात॥३५॥सतकहिअर्चितसाधुसतश्लाघितपरगटउक्त ॥
कहियपुरस्कृतअग्रणीपूजितअरिभयजुक्त ॥ ३६ ॥ इतितकारांतवर्गः॥ १४॥ अर्थ
प्रयोजनवाच्यधनवस्तुनिवृत्तिविचार॥कहिसमर्थजोशक्तिजुतहितसंबंधउचार॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥३७॥तीर्थंजलाशयंशास्त्रगुरुमुनिसेवितजंलजान॥तियरंजमंत्रिउपायंमखंपुनि
अवंतारंपिछान॥३८॥वीथीगलीरुपंक्तिकहिंआस्थांसभाउपायं॥प्रस्थंकहहिंपरि
मानंकांप्रस्थंशिखरगिरिंगाय ॥ ३९ ॥ रागरंहितंअतिवृद्धंजोसोदंशमीस्थंदिषा
य ॥ ग्रंथंकहतुहैंशास्त्रंकांग्रंथंद्रविणंदरसाय॥ ४०॥ इतिथकारांतवर्गः॥१५॥ ॥
छंदंछंदंआशंयरुवंशं अब्दंवरंषंघनंआहि॥चतुर्थांशंरश्मीचरंनंपादंकहतुहैताहि
॥ ४१ ॥ शशीअंग्निरविंतमोनुदं आज्ञांनिंदंअपवादं ॥ गोविंदंकृष्णंरुगोपंकहि
सुतंबांधंवंदायादं॥ ४२ ॥ क्रंदंकंष्टंरवंरुदंनंयुंधंरछंकंदारुंणंदंष ॥ सूदंरसोईंदारं
अरुंव्यंजनंनामविशेष॥ ४३ ॥ कहहिंप्रसादंप्रसंन्नताकृंपांकाव्यंगुनंजोय॥शादं
पंकंपुनिंहरितंतृनं मदंगजमंदंमुंदंहोय ॥ ४४ ॥ राजंलिंगंग्राधांन्यंपुनिंककुदंवृंषां
गंवषानं ॥ संविदंनामंरुप्रतिज्ञांसंभांषणंयुंधंज्ञानं॥ ४५॥ धंर्मंरहस्यंहिंउपनिषदं
शरदंवरंषंक्रतुंगाय॥ पदंपंदंथिंतिरंक्षांशंब्दंचिन्हंवंस्तुंव्यवसांयं॥ ४६॥ इतिदका
रांतवर्गः॥ १६॥ ॥ उत्सेधंहितंनंउच्चंकहिंन्यग्रोधंहिंवंट्यांम॥विवधंवषानंहि
ध्यांनंमंगंविधुशंशिंहरिंसुखधाम ॥ ४७॥ मनदुखंआश्चंर्यंचित्तंअरुंवस्तुअडां

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नीआधि॥चितवचसंयमनियमपुनिअंगीकारसमाधि॥४८॥परिधियज्ञतरुशा
खपुनिरविशशिमंडलमान॥अवधिवषानहिसीमबिल" विधिविधिदैवविधान
॥ ४९ ॥ प्रकरणप्रापतकार्यअरुदोषकहनअनुबंध॥शाखसमूहरुव्यूहनृपका
र्यकंधकहिस्कंध॥ ५० ॥ साधुश्रेष्ठसज्जनसमुझि" प्रणिधिविनयचरपष॥वधू
सासुसुततियघरिनि" अंधअंधतमदेष ॥ ५१ ॥ सुधाअमृतघृतमुक्तिजलविद्यु
तलेपविचार॥सिंधुदेशसागरसरितभैरवकरिमदधार॥५२॥संधप्रतिज्ञापेषिये
मर्यादापुनिमान॥श्रद्धाइछाआदरहि अरुविश्वासवषान॥५३॥मधुमदिरामाद
कसहततैदत्यपुष्परसपेष॥चैत्रवसंतरुदुर्गधमधुमधुकहिवृक्षविशेष॥५४॥ब्रह्मबंधु
द्विजनीचअरुनिंदामयनिर्देश॥भूषितअरुविख्यातकौभनहिप्रसिद्धहमेस॥५५॥
॥ ॥ इतिधकारांतवर्गः॥ १७ ॥ ॥ चित्रभानुरविअग्निभनि" भानुरश्मि
रविजान॥मूढनीचकहिपृथगजन" ग्रावनशैलपखान ॥ ५६ ॥ बानविहंगमपत
त्रिन" शिखरिनतरुगिरिधार॥शिखिनवन्हिअरुवहि" वदि" सादिनसूतसवार॥५७॥
अभिजनकुलपुनिजन्मभू वाजिनअस्वरुबान॥हायनज्वालावर्षकरव्रीहिभेदपहि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

चानं ॥ ५८ ॥ वृजिनकेशहरिपापदुखंवरुनंहुवृजिनवषान ॥ चंद्रंअग्निंप्रहलाद
सुतंभानुंविरोचनंजान ॥ ५९ ॥ आत्मनब्रह्मरुजीवतनुधृतिमतियतनस्वभाव ॥
अंकंविश्वकर्मनअपरंसुरशिलपीसमुझाव ॥ ६० ॥ वार्ता आत्मनकोआत्माऔ
विश्वकर्मनविश्वकर्माइत्यादिकसिद्धशब्दकेरूपहोतहै ॥ दोहा ॥ घातंकसुरपं
तिमत्तगजंमघंघनाघनमानं ॥ हिंसादंपंसनेहंधंनज्ञानंकहियंअभिमानं ॥ ६१ ॥
घनंअयमुदंगरमूर्तिघनझांझंनिरंतरंजोय ॥ राजनक्षत्रियंनृपतिशशिइनस्वा
मीरविसोय ॥ ६२ ॥ सेनासरितावाहिनीतनुकृशकायाचाम ॥ असिनीविद्युत
वज्रपुनिव्रह्मनतपश्रुतिरामं ॥ ६३ ॥ कंठवेलिसूनाकहियपुनितनुजाबधथान ॥
सूंन्यचंदोवातुछमखंअरुविस्तारवितानं ॥ ६४ ॥ केतनमंदरुकृत्यध्वजनिवंता
गेहनिहार ॥ आतंचनजावंनरुजवत्तिनामनिरधार ॥ ६५ ॥ गंधनउच्चउठाइबौहिं
सासूचनताइ ॥ व्यंजनव्यंजनलांछनरुअवयवमृछंकहाइ ॥ ६६ ॥ पशुपक्षिनकौ
युद्धअरुलोकवादकौलीनं ॥ मंतिपरमातमप्रकृतिकांकहहिंप्रधानप्रवीन ॥ ६७ ॥
कारजहेतुनिकारिबौवरनहिंवनउद्यानं ॥ देवनक्रीडाअक्षवन सावकाशस्थि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

तिस्थानं ॥ ६८ ॥ पौरुषतंत्रेउठाइबोआषहितेहिउत्थानं ॥ जोविरुद्धआचरनंप्र
तिरोधवदहिव्युत्थानं ॥ ६९ ॥ मृतकंक्रियागतिमारिबोद्रव्यरुदेबोदानं ॥
अर्थसिद्धिउपकरनंअनुगतिसाधनंपहिचान ॥ ७० ॥ दानरुवैरनिवारिबोनिर्या
तनंसोजानं ॥ व्यसनंदोषंदुखंद्यूततंस्करिमृगयामदपानं ॥ ७१ ॥ पलकरोमअं
णुंपुष्परजंपक्ष्मनंनामपिछान ॥ नैनपलकंमेगवर्त्मन् बुद्धिचिन्हंप्रज्ञानं ॥ ७२ ॥ क
हिंप्रसूनंफलंपुष्पंपुनि"निधननाशकुलठान"क्रंदनंरुदनं ॥ पुकारिबो"वर्ष्मनंदेहंप्रमा
नं ॥ ७३ ॥ प्रभाप्रभावंरुदेहंगृहंधामनंनामउचार ॥ साधनंप्रापतितोषंतिहुंआरा
धनंउरधार ॥ ७४ ॥ अधिष्ठानंरथचक्रंपुरंप्रधानंआसनंपेष ॥ रतनरतनंकुल
श्रेष्ठंसो"वनंजलंकाननंलेष ॥ ७५ ॥ तलिनंसेजंअंतरसहितंअलपंतुछंरसहीनं ॥
विदुषंतुल्यंअरुमुख्यंकोंकहहिंसमानंप्रवीन ॥ ७६ ॥ पिशुनंचुगलंखलंकपि
वदनंकुंकुमंक्रूरंकहाय ॥ विपतिजुक्तंअपराधजुतंसोअभिपन्नंवताय ॥ ७७ ॥
अर्जुनतरुतनजातिपुनिंदिशाधंर्मसुखधाम ॥ शुक्लवरनंअर्जुनंसमुझिंअर्जुनंअं
र्जुननाम ॥ ७८ ॥ इतिनकारांतवर्गः ॥ १८ ॥ भूषनंवर्हनिखंगगंनंकहियैनाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

कलाप॥ बीजबोइबोजलाशयसामग्रीपरिवाप ॥७९॥ वृषाकपीहरिहरकहियक
शिपुवसनअन्नधार॥ वाष्पउष्णजलअश्रुपुनितल्पसेजगृहदार॥८०॥ कल्पकला
मैकुशलसोकल्पनिरामयजान॥ कल्पकल्पकोंकहतहैकल्पमध्यपुनिमान॥८१॥
विटपगुछकिशलयकहियविटपडारविस्तार॥ सरस्वतिवीनाकछपीकछपिकछप
नार॥८२॥ दिवसअष्टमेअंशकांकविकुलकुतपकहाय॥ मृगरोमहुतैंपटवन्योसो
पुनिकुतपसुहाय॥ ८३॥ ॥ इतिपकारांतवर्गः ॥ १९॥ ॥ कुत्सितवाच
करेफकहिरेफरकारकहात॥ शिफाशिखाकोनामअरुशिफासरितैपुनिमात॥८४
शफगोआदिकखुरसमुझिशफतरुमूलकहंत॥ गुंफकहावतगूंथिबोभुजभूषनहि
भनंत॥ ८५॥ ॥ इतिफकारांतवर्गः॥ २०॥ दिव्यगाइबोगंधर्वप्राणितुरं
गमपेष॥ कंबुशंखेंकंकनकहियें पूर्वग्रथमंदिशदेष॥८६॥ ॥ इतिबकारांतव
र्गः॥ २१॥ ॥ कुंभकहियकरिसीसघटें डिंभमूढअरुबालं॥ स्तंभखंभजड
ताजथा शंभुब्रह्मविधुभालं॥ ८७॥ गर्भउदरअरुगर्भशिशुगर्भगर्भकोवास
केलिकलहविश्रंभकहिप्रणयरुपतिविश्वास॥ ८८॥ दुंदुभिभेरीढोलशिशुद्यूतखे

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

लनिरधार ॥ कुसुमभेदअरुकमंडलुनामकुसुंभनिहार ॥ ८९ ॥ नाभीक्षत्रियमु

ख्यनृपचक्रउदरमधअंग ॥ सुरभिवसंतसुगंधगोसुवरनसुभगअभंग ॥ ९० ॥ सभासभाकेलोककहिसभासभाअस्थान ॥ वल्लभअधिकारीकहियवल्लभप्रियपहिचान ॥ ९१ ॥ ॥ इतिभकारांतवर्गः ॥ २२ ॥ ॥ किरनरज्जुरश्मीकहियइछामनसिजकाम ॥ पुण्यअचौरस्वभावयमन्यायधर्मकेनाम ॥ ९२ ॥ उपायजुतआरंभअरुमंत्रीशीलपिछानं ॥ उपक्रमउभयकहातकेपिभेकप्लवंगमजान ॥ ९३ ॥ शक्तिउपायहिपराक्रम निगमवणिजपुरवेद ॥ रामरामबलपरशुधरसुंदरश्यामसुपेद ॥ ९४ ॥ ग्रामग्रामपुनिप्रथमस्वरंगावहिग्रामसमूह ॥ विक्रमबलउल्लुघिबो स्तोमस्तोत्रमखजूह ॥ ९५ ॥ चेष्टाभूषनभ्रांतितिहुँपेषहुविभ्रमनाम ॥ जिह्मकुटिलआलसकहियं घर्मपसीनाघाम ॥ ९६ ॥ गुल्मगुछरुजसेनगुनि" जामिबहिनिकुलनारि ॥ क्षमासहनंताभूमिभनि" क्षमसमर्थहितकारि ॥ ९७ ॥ श्यामानिशाशतावरी" श्यामहरितअरुश्याम ॥ पुंछतुरंगभूषनशुभंगमुख्यरुकेतुललाम ॥ ९८ ॥ सूक्ष्मलिंगतनुछलकहियं प्रथमहिआदिप्रधान ॥ वामवल्गुअरुवक्रशिव" अध

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मंन्यूनंतुंछंजान॥ ९९ ॥ ॥इतिमकारांतवर्गः॥२३॥ ॥तार्क्ष्यंगरुडैरथैंतुर
गंमं क्षयंगृहंनाशंकहाय॥तिष्यंपुष्यनेक्षत्रंकेलिं अवसरंक्रमंपर्यायं॥ ३०० ॥ भ
निंभ्रातृव्यंभंतीजंअरि"वैश्यंस्वामीअर्यं॥पूज्यंपूज्यंनरंश्वशुरंपुनि"देवरंस्यालंश्व
शुर्यं॥१॥शपंथंज्ञानंविश्वासंअरुंहेतुंअपरंआधीनं॥रंधंशब्दंकअर्थमैप्रत्ययंकह
हिप्रवीन॥ २॥इंद्रंकहियंपर्जन्यंअरुंगर्जनसंजुतमेंह॥अधिकवैरंपिछताइबोंअनु
शयंजानहुएह ॥ ३॥स्थूलोच्चयंविनपूंनतांगजमध्यमगंतिधारं॥समयंकालंसि
द्धांतंशुभवंचनंशपंथंआचारं ॥ ४॥ अनयंअशुभप्रारंब्धंकहिव्यसंनंरुविपंतव
षान॥ अत्ययंकष्टरुदोषंपुनिदंडंअतिक्रमंजान॥५॥संपरायंसंयुगंविपंतउत्तरकं
लंकहाय॥ विषयंदेशंशब्दादिवदि"रसंअरुंलेपंकषाय॥ ६ ॥ मन्युंदीनंताक्रोधंम
खंगुल्यंउपंस्थइंकंत॥ वीरयंवीर्यंप्रभावंबलंद्रव्यंद्रव्यंगुनंवंत॥७॥अग्निंनखंतगृह
धिष्ण्यंकहि"लोकवादंजुधंजन्यं॥वृषाकपायीगौरिश्री"अंत्यजंअधमंजघन्य॥८॥
कहतंअभिख्यांकथंनकांकांतिंअभिख्याआहि॥ कीर्तिंनामकंअर्थमैकहतंअभि
ख्यांताहि॥ ९॥ कर्मंचेष्टाचिकित्साप्रायश्चित्तंउपायं॥शिक्षासेवंउपायंआरंभनव

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

क्रियांकहाय ॥ १० ॥ छायांछायांकांतिप्रतिबिंबंभानुकीवामँ ॥ कक्ष्यांमध्येगृहा
दिकरिबंधनकांचीनाम ॥ ११ ॥ कृत्यांक्रियारुभेदकहितमजुतसुरअभिचारं ॥ पु
ण्यंमनोहरंकांकहत पुण्यंधर्मउरधार ॥ १२ ॥ दानीअरुप्रियवानिजुतंनामंवदा
न्यंवताय ॥ सौम्यंशुभगंशशिदेवजेहि जोग्यंजुक्तिजुतंन्यायं ॥ १३ ॥ ॥इतिय
कारांतवर्गः ॥ २४ ॥ शय्यामखंसंस्तरंकहियँ अवसरंसमूहंवारं ॥ गुरुवडश्रुति पिँ
तुंबृहस्पतिँ भेदरुतुल्यँप्रकारं ॥ १४ ॥ आकृतिअरुचेष्टाउभयंआखहिएहिआका
रं ॥ द्वापरंयुगंसंशयंसमुझिँ मरुगिरिदेशंविचार ॥ १५ ॥ किंशारूयवअंग्रअरु
जोतुषसंजुतधानं ॥ तूबरंगौ विनशृंगंअरुनरविनंमूछंवषान ॥ १६ ॥ वृत्रंमेघंगि
रिंध्वांतंअरिदैत्यंरुवासंवंदेष ॥ प्रदरंभंगंतियरोगंशरंप्रदरंविदारनंपेष ॥ १७ ॥
अद्रिअर्कंतरुगिरिंगनियँ पयधरंघनंकुचवामं ॥ करंकरंहस्तंरुकिरनंकरँअस्त्रको
नंकचंनाम ॥ १८ ॥परिकरंसामंग्रीअपरंपर्यंकरुपरिवारं ॥ तारंविमलमुक्तांरजं
तंअधिकउच्चस्वरंतारं ॥ १९ ॥ शारंसमीरंणंशबलरंगँ रांधनंसुवरनंसोय ॥
संगरंविषदुखंप्रतिज्ञांक्रियाकारंजुधंजोय ॥ २० ॥ मंत्रंवेदअंगंगुप्तवचं मि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

त्रमित्रंरविमानं ॥ यूपखंडंमखंवज्रंशरंसूरकिरंनस्वरुजानं ॥ २१ ॥ आडंबरं
वाजाशंब्दंगजगर्जनांविचारं॥ चोरीकर्मरुपकेरिबोकवचधरंनअभिहारं॥२२॥
खडगकोशंसामग्रिंपरिजैनंजंगमंपरिवारं॥ प्रतीहारंद्वैपेषियैद्वारपालंअरुद्वारं ॥
॥ २३ ॥ विष्टरंतरुकुशमुष्टिकांआसनंमृगत्वंचमान॥ बभ्रुविष्णुंवडनकुलंअरु
पीतरंगंपहिचान ॥ २४ ॥ सारंकहियंथिरंअंशंसोन्यायंश्रेष्टंबलंसारं॥ कठिनपंथं
अरुंविबमवनंकहियंइनहिंकांतारं ॥ २५॥ विष्णुवायुंविधुंवाजियंमंवासवंमृगं
पतिमान ॥ रविं अहिंकंपिशुंकपीतंरंगंभेकंकिरंनहरिजान ॥ २६॥ कहिंकरीरंत
रुंभेदंघटंकरीरंवांशअंकूरं ॥ इरासुरांभूवाकंजलं क्षुद्रंअंधमलंघुक्रूरं ॥ २७॥ क्षु
द्रांमधुमाखीनटीहीनांगीसमुझाय॥ धात्रीआमलंकीइलांधात्रीजानहुधायं ॥
॥ २८॥ मात्रंसमस्तप्रमाणंअरुनिश्चयंअलंपनिहार॥ चित्रंचित्रसारीलिखितंअ
दभुतंचित्रंउचार ॥ २९॥ पात्रंयोग्यंभाजनंभनहि कटिंकामिनीकलत्रं॥ पत्रंपां
षंवाहनंपरनंपेषहुंकागंदंपत्रं ॥ ३० ॥ शास्त्रंग्रंथंआज्ञांसमुझि शस्त्रंलोहंहथियां
रं॥ सत्रंयज्ञंनितदानंछलंवनंअरुवसनंविचार ॥ ३१ ॥ अंबरंव्योमरुवसनंकहि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

जटावसेनदृगनत्र ॥ क्षीरदुग्धअरुनीरहै खेतदेहतियक्षेत्र ॥ ६२ ॥ पोत्रक्रोडमु
खअग्रकहिहलमुखाग्रपुनिपोत्र ॥ निकटरुनिर्जनउपद्धर कुलगिरिअभिधागोत्र
॥ ३३ ॥ अजिरभेकअंगनअनिलअजिरविषयअरुकाय ॥ चक्रसेनरथअंगग
नजलआवर्तकहाय ॥ ३४ ॥ अक्षरवरनरुब्रह्मतपधरमंप्रकृतिनभधार ॥ गव्हर
गुहारुदंभवन पुरकहिनगरअगार ॥ ३५ ॥ शशिसुवरनशिवकपिलरँगवासुदेवघ
नसार ॥ विधिसुरेशअरुहीरनवचंद्रनामनिरधार ॥ ३६ ॥ दरभयगतरुअल्पगनि
वज्रहीरपविहोय ॥ तंत्रवसनसिद्धांतवसग्रंथजुलाहाजोय ॥ ३७ ॥ तीरथक
रिसुंडाग्रजलमृदंगादिमुखमान ॥ द्वीपखडगफलकमलनभपुष्करअष्टपिछान
॥ ३८ ॥ चमरदंडआसनकनकखसटदीऔशीर ॥ अधरकहियअधओष्ठअरुअधर
हीनकहिधीर ॥ ३९ ॥ भेदअवधितादर्थ्यबहिसावकाशपरिधान ॥ छिद्रमध्यअवस
रविनाअंतरअर्थवषान ॥ ४० ॥ नागरसुंठीचतुरनरमोथरुनगरनिवासि ॥ गौरअ
रुणसितपीतशशिकमलधूलिमुदरासि ॥ ४१ ॥ उत्तरऊरधश्रेष्ठपुनिउत्तरदिशाकहा
नि ॥ शार्वरघातुकनिविडतमं पिठरमोथमंथानि ॥ ४२ ॥ परअरिउत्तमअगोचरदू

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रअनातमदेष॥जठरकठिनवद्धरुउदर मधुरस्वादुप्रियपेष॥ ४३॥ क्रूरकठिननिरदे
यकहियेदातामहेतउदार॥इतरअन्यअरुनीचनर शुभ्रदीसेसितधार॥ ४४॥इ
तिरकारांतवर्गः॥ २५॥ मौलिशिखाजूरामुकुट कलिकेलिकलहकहाय॥पीलु
पुष्पकरिबानकहिपुनिद्रुमभेददिषाय॥ ४५॥ कालसमयअरुमस्यामरँगदैवमृत्यु
पुनिदेष॥कमलकमलजलताघमृगभेषजभुजमधपेष॥ ४६॥ बलिनृपभागरुच
र्मसलदैत्यत्रिबलिउपचार॥वातुलवातविकारजुतवायुसमूहविचार॥ ४७॥व्या
लसर्पगजसिंहशठ कीलशंकुअरुज्वाल॥वडवानलपातालकहिनागलोकपाता
ल॥ ४८॥शस्त्रधारउत्संगपुनिपंक्तीपेषहुपालि॥शूलरोगआयुधसमुझिसखी
रुअवलीआलि॥ ४९॥ कलाषोडसौभागशशिकलाकालकौअंग॥कुशलकर्म
कहियेकलाऐश्वर्यतांअभंग॥ ५०॥ वेलासागरलहरिपुनिसमयसीमतेहिनाम॥
बहुलागायरुरुत्तिकाबहुलअग्निरँगस्याम॥ ५१॥ उपलासिकतासर्करालीला
क्रियाविभाव॥मूलआदिजरनखतपुनिशीलसुचरितस्वभाव॥ ५२॥ फलफल
लाभशराग्रफलशोणितजलकीलाल॥जालगवाक्षसमूहगुनिकलिकाजालीजा

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

ल ॥ ५३ ॥ पटलंनैनरुंजंगेहछेदंपटलंसमूहंपिछान ॥ पलंप्रमानंपलंमांसंपुनि" त
लंस्वरूपंअधेंजान ॥ ५४ ॥ शंकुगंतंअरुंतुसअनेंलंकहियेंनामंकुकूलं ॥ चेलंअधं
मंपटंपेषियैं" जंडवेंडंजानडुंस्थूलं ॥ ५५ ॥ निश्चेंयंएकेंसमंस्तंपुनिंकेवलंअर्थकहा
य ॥ पुण्यंक्षेमंसंपूर्नतांशिक्षिंतंकुशलंवताय ॥ ५६ ॥ वीनदंडेंविद्रुमंकलीअंकुरंआ
हिंप्रवालं ॥ वडदंतनंजुतंभयानंकंउन्नंतंकहियंकरालं ॥ ५७ ॥ बालंमूढेंशिशुंकेंश
कंपि"पेशलंसुंदरंदक्षें ॥ लोलंकहियंचंचलंअपरंतृष्णाजुंतंप्रत्यक्ष ॥ ५८ ॥ ॥ इति
लकारांतवर्गः ॥ २६ ॥ ॥ दवंवनंदवंदावोंग्निंकहि"सचिवंसखांरुप्रधानं ॥ भवं
उदभवंसंसारंहरं धवंतंरुनरपंतिंजान ॥ ५९ ॥ अविरंविंगिरिंगाडरंअंजा" द्वंद्वंके
लहंद्वै देष ॥ शूद्रानीतैंविप्रसुतैंपरेशुपारशवंपेष ॥ ६० ॥ अभिप्रायंचेषोंजन्मंसत्ता
प्रकृतिंस्वभावं ॥ मनंमतिरंविंआतंमंअनिलंद्रुतभुंगद्वादशंभावं ॥ ६१ ॥ प्रभवंपुं
ष्पंफलंजन्मंपुनिं"हवंमंखंद्रुकुंमंपुकारं ॥ अविश्वासंशठंतांकुवचैंनिन्हवंअर्थनिहार
॥ ६२ ॥ उत्सवंजेन्मंउठाइबोंइछांमनउत्साहं ॥ कहिंअनुभावंप्रभावंकांवडजननि
श्चेयंताह ॥ ६३ ॥ ध्रुवंशाश्वतंनिश्चितंनखंतशिवंहरिंशंकुसंभार ॥ स्वज्ञांतीधं

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नआतमानिजवाचकनिरधार॥६४॥गौरीतुलसीकन्यकागोरोचनंमंजिष्ठ॥स्वेत
दूबभूस्यारनीहरंडशिवानवशिष्ट ॥ ६५॥ नीवीजानहुमूलधनंनीवीतियकटिबं
धं॥ प्रानीधनअंसुपराक्रंमसत्वंअर्थसंबंध ॥६६॥ क्लीबंनपुंसकंकांकहतअरुसा
मर्थ्यविहीनं ॥ क्लीवंषंढकांउच्चरतपंडितपरमप्रवीन ॥ ६७॥ ॥ इतिवकारांतव
र्गः॥ २७॥ ॥ विशंकहिंवैश्यरुमनुजंद्वै" राशीपुंजरुमेष ॥ कहिंवीकाशंप्रका
शंरह" वंशंवंशंकुलंपेष ॥ ६८ ॥ कुशंजलंदर्भरुरामसुतंवत्तिंभोगंनिर्वैशं॥ छ
लंउद्यमंरक्षणंअयनंपादंहेतुंअपदेशं ॥ ६९ ॥ करंसांकृपनंकृतांतंलघुंकहियैच
ह्नुंकीनाशं ॥ दशांवसनकीकोरंवयंआशांदिशांरुंआशं॥ ७० ॥ दृशंदृष्टीमतिंदेषि
बो" वालिशंशिशुंशठंसोय॥ कहियंप्रकाशंप्रकाशंकांजोंप्रसिद्धंसोउंजोय॥७१॥
कर्कशंकहियंविवेकविनंकर्कशंकठिनंकहाय ॥ कर्कशंघातकंरूक्षंकहिंकर्कशंत
स्करंथाय॥७२॥ ॥इतिशकारांतवर्गः॥ २८॥ सुरंसफरीअनिमिषंसमुझि" पु
रुषंजीवंनरंजान॥ध्वांक्षंमत्स्यंखगंकांकंकहि" कक्षंलतांतृनंमान॥७३॥प्रेरणंम
र्दनंप्रैषंकहि" पक्षंहिपांषंसहायं॥ कहिंअभीषुंरविकीकिरनंरज्जुंअभीषुंलहाय ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ ७४ ॥ अंडभयंमूषकंवृषभंश्रेष्ठंधर्मंवृषंधार ॥ असिंगृहंधनगृहंअंडयुगंकलिंकां
कोषंपुकार ॥ ७५ ॥ पाशांद्यूतंकसोटिकांएहिंआकर्षउचार ॥ अक्षंबहेराइंद्रियं
रुंपाशांचंक्रंवुहार ॥ ७६ ॥ कर्षूंसरितांजीविकांपाहनंअग्निंपिछान ॥ पांगंमु
कुटद्वैकांप्रगटकहिउष्णीषंसुजान ॥ ७७ ॥ सौंकंमांसंआमिषंसमुझि" विषंहा
लांहलंवारि ॥ भिक्षांसेवांप्रार्थनाआजीविकांउचारि ॥ ७८ ॥ वर्षंखंडंवत्सरंवृ
ष्टि" किल्विषंरोगंरुपांपं ॥ प्रेक्षांमंतिंनृतंपेषिबो" त्विषंछबिंतेजंप्रतापं ॥ ७९ ॥
जोप्रत्यक्षप्रमानजुतंअधिकारीअध्यक्ष ॥ रुक्षंअचिक्कनंप्रेमविनं नीचंपूर्नतान्यक्ष
॥ ८० ॥ ॥ इतिषकारांतवर्गः ॥ २९ ॥ ॥ हंसंदिवाकरंदेषियैहंसंविहंगविशेषं ॥
वदहिंविभावसुवन्हिंरविंवेधसंविधिंहरिंपेष ॥ ८१ ॥ रसंगुणंरागरुवीर्यद्रवं
विषंआदिकशृंगारं ॥ वत्संचिन्हंसुतंगोवत्संवत्सवर्षंनिरधार ॥ ८२ ॥ करणफूं
लंअरुंमुकुटंकांकविंअवतंसंकहाय ॥ अनंलंकिरनंधनंरतंनंवसुंवसुंसुरअष्टंवता
य ॥ ८३ ॥ ज्योतिसद्युतिंदृष्टीनषंत" अर्चिसंज्वालंप्रकाशं ॥ वर्चसंविष्टांतेजं
वदि" हिंसांचोरीनाशं ॥ ८४ ॥ चांहंप्रार्थनांलालसां वयसंपंक्षिंवयंदेष ॥ आ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

गसूअंघंअपराधंकहि" पयसूनीरंपयंपेष ॥ ८५ ॥ स्वंर्गभूमिंभनिरोदसी" ओ
कसूआश्रयंगेहं ॥ स्रोतसूंसरितंविगंपुनिइंद्रियंजानहुएह ॥ ८६ ॥ घृणांक्रूरंवी
भत्संकहिंपुनिंरसभेदंविकारं ॥ तेजसूंतेजंप्रभावंबलंतेजसूंवीर्यं विचार ॥ ८७॥
इतिसकारांतवर्गः ॥ ३० ॥ ॥ ग्रहंहंठंनिग्रहंग्रहंणंग्रहंग्रहरंविआदिउचार ॥
बंधनरंज्जूसूत्रंतुलंग्रग्रहंनामपुकार ॥ ८८ शांपंमूलधंनंपरिग्रहंगहिबो'तियंपरि
वारं ॥ वर्हमोरकीपिछंदलं" गृहंकहिंगेहंरुंदारं ॥ ८९॥ शिरभूषनंद्वांक्वाथरंसंभि
त्तिशंकुंनिर्यूहं ॥ अहिंवत्रासुरंसर्पंअहिसेनाथिंतिर्गनंव्यूहं ॥ ९० ॥ उच्चंदीर्घंआ
रोहंपुनिंतियकटिंनामकहांहि ॥ अंग्निंइंदुअरुंअर्कंतिहुँतमोपहांसमुझांहि ॥९१॥
वसंनंविभूषनंछत्रंसितंहयंगयंआदिअनंत ॥ राजयोग्यवरवस्तुतेहिकविपरिवर्हं
कहंत ॥ ९२ ॥ ककारांतलहिहांतलांअनेकार्थअभिधान॥ भावनअनुक्रमतैंभने
परमरम्यपहिचान ॥ ९३॥ ॥ इतिहकारांतवर्गः ॥ ३१ ॥ ॥ कहौंकछुकअ
व्ययअर्थजेप्रसिद्धअभिराम॥ व्ययविकारनहिहोतजेहितातैंअव्ययनाम॥९४॥
सीमंअल्पंसबव्यांप्तिमैअव्ययंआङ्उचार ॥ तिरस्कारंनिंदांअर्थंधिक्कूंअव्ययंको

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

धार ॥ ९५ ॥ कुंकहिंअल्पांनिंदार्थमैंस्वास्तिंकुशंलंकल्यानं ॥ स्वितंकहिंप्रष्णांवितर्कं पुनि" तुंबहुंरिंभेदंवषान ॥ ९६ ॥ अतिंउत्कंर्षंउलंधिंबो" सकृत्संगंइकंवारं ॥ अन्वंयं भिंन्नंरुंसमुच्चंयंअर्थंचकारंउचार ॥ ९७ ॥ उतंकहिंविकंल्पंसमुंच्चयंदूरंनिकंटंआ रातं ॥ शश्वत्वारंहिवारंसंगंप्रगंटंतुंल्यंसाक्षातं ॥ ९८ ॥ वतंअनुंकंपांखेदंअरु विस्मंयंअर्थविचार ॥ हंतंहर्षंदुंःखंरुदयांवाक्यांरंभउचार ॥ ९९ ॥ प्रतितिहिप्रंतिंतिं नतिंनहिप्रति" नानांबहुंतप्रकार ॥ इतिंइंमंहेतुंसमांप्तिंमै" वृथांनिरंर्थंनिहार ॥ ॥ ४०० ॥ अथंमंगंलंआंरंभंअरुंअवंरंअर्थकोगामि ॥ पुरस्तात्पूरंबंअंग्रं पु रांप्रथंमंआगांमिं ॥ १ ॥ यावतंतावतंसमंस्तंरुंअंवधिंअर्थमैधार ॥ अनुंपीछैंत हितुंल्यंमैंननुंनिश्चंयंनिरधार ॥ २ ॥ प्रंकहिंप्रथंमंपूजांरुंशुंचिंदीर्घंअर्थमैंदेष ॥ उदंय हंप्रबंलंवियोंगंमैंपुनिंप्रकांशंमैंपेष ॥ ३ ॥ अपिंनिश्चंयंनिंदांप्रंष्णं वांविकंल्प वरनंत ॥ इवंऐसैंतुंल्यांर्थमै" मिथंअंन्योंन्यंइकंत ॥ ४ ॥ अलंनिवारंनंपूर्नतां भूंषनंशक्तीजुंक्त ॥ नूनंनिश्चंयंतंर्कंपुनि" तूष्णींमौनंसुउक्त ॥ ५ ॥ उरीउररीऊर रींअंगीकृतंविस्तारं ॥ निंर्निंषेधंनिश्चंयंअर्थंखलुंनिश्चंयंहिनिहार ॥ ६ ॥ किंनिंदांपु

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

निपूछिबो" किलनिश्चेयंकहियैजु ॥ अहहंखेदेंअदभुतंअर्थ" हांविषादंल
हियैजु॥७॥ ॥ इहिंप्रकारएवंअर्थ" निश्चेयंएवउचार ॥ हिंकोअर्थकहिं हेतुंअरुंनि
श्चेयंमांहिविचार॥८॥ दुर्दुष्कंरदुष्टांर्थमै" सुंप्रशंसांपहिचान॥ प्रादुरंआविरंउद
यमै" अधिंमंध्यमैंवषान॥ ९॥ ॥ इतिनानार्थवर्गः॥ ४॥ ॥ चिरंचिरां
तंचिरेणंचिरंचिररात्रायंचिरांयं॥ एहिषट्अव्ययकोअर्थदीर्घकालंदरसाय॥१०॥
मुहुंअभीक्ष्णंशश्वतरुंपुनंअसकृंतवारहिवार॥सपंदिंसद्यंअंजसंझटितिवाचकशी
घ्रविचार॥ ११॥ अंतरेणंअरुक्रतेंविनंवर्जनंअर्थवषान॥ अंतिंअतीवंअति
शयंअर्थ"मुंधांवृथांपहिचान॥ १२॥ जांतुंकदाचितंकालकेहि" यंतजातैं"ततंता
हि॥ सहंसत्रांसाकंसमंसंगंअर्थमैआहि॥ १३॥ तुंहिचहंस्मवैषटइहैंपादपूर्णमैपे
ष॥ अकस्मातंसहसांसमुझि" नंक्तंरजनींदेष॥ १४॥ श्रौंषट्वौंषट्वषट्अरुंस्वा
हांसुरहविदान॥ प्रगटंपितृहविदानमैंस्वंधांमंत्रयहमान॥ १५॥ किंचितंईषितं
मनांकंहिंअल्पअर्थअवधार॥ जन्मांतरवाचकउभयप्रेत्यंअमुत्रउचार॥१६॥ क
हियंयंथांजिमंतथांतिमं दिष्ट्यांआनंदंदाइं॥ अंतरेणंअरुंअंतरांअंतरंमध्यकहाइ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥१७॥ पेषप्रसत्यंहठार्थमैनंहिनोअर्थअभाव॥ मास्मअलंमानिवारन यंदिपक्षां
तंगाव॥१८॥ विष्वंकपरितःसमंततं चद्रुंघांअर्थउचार॥ कच्चितंमृदुलपुकारिबो"
ॐअंगीकार॥१९॥ अंयिंअव्ययकहिप्रीतिमै"पेषहुनमःप्रनामं॥ उपसमीपव्या
पकंतथाअध्ययनंरुउपरामं॥ २०॥ निंदाक्रोधंप्रसिद्धिमैअव्ययनामनिहार॥ अं
गंबहुरंप्रियंअर्थमै" सुष्ठुप्रशंसंपुकार॥ २१॥ गतपरसोंदिनंपरेद्यवि"त्यःपूरबदि
नदेष॥ श्वंःकहियैदूसरदिवसं परंश्वंपरसोंपेष॥ २२॥ ॥ अद्यकहावतआज
दिनं तदांकहियतेहिवार॥ सदांसर्वदांसबहिदिनं युगपत्संगविचार॥ २३॥
अधुनांसंप्रतिइदांनींअरुंएतांहींउचार॥ अबहिकालवाचकइतेगावहिअव्ययच्या
र॥ २४॥ प्रांकउदंकप्रत्यंकपूर्बउत्तरंपश्चिमंजानं॥ देशकालपूर्वादिपुनिक्रमतैंनाम
पिछान॥ २५॥ ॥ इतिअव्ययवर्गः॥ ५॥ ॥ जेप्रसिद्धअव्ययजिनहि अ
र्थवषान्योएह॥ एहितैंभाषासंसकृत समुझतविनसंदेह॥ २६॥ भावनयहभाषा
भनी मैनिजमतिअनुहारि॥ जेरसज्ञविज्ञाधिपति सतमतिलेहुसुधारि॥ २७॥
लिंगभेदबहुधाललित भाषामैनभनंत॥ एकवचनबहुवचनद्वै द्विचननांदरसंत

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥ २८ ॥ लिंगज्ञानकीजिनहिजो हियमैइछाहोय ॥ अमररचितअतिहितसहित
सुनहुसंसकृतसोय ॥ २९॥ कवित्व॥रचितअमरसिंहउत्तमअमरकोशसंसकृत
ग्रंथपेषिपेषिसुखपायोमै ॥ प्राकृतपुनीतकविवंदकेअनंदकाजहितचितहीसांम
तउरमैउपायोमै ॥ यथामतिक्रमतैंसुश्रमतैंसुशब्दसंहभावनत्रिकांडयुक्तभाषामै
वनायोमै॥हैमकोशविश्वव्याडिमेदनीरुधरनीकोसारसबहीकोनीकोयामैसमुझा
योमै॥३०॥योधपुरनगरप्रसिद्धमारवारमांहिराठवरवंशिनकीरम्यराजधानीहै॥
जहांजसवंतभूपराजतअनूपरूपतनैतखतेशकेहमेशदिव्यदानीहै॥ वसिबोनगर
एहीसाधुरामस्नेहीहमखैरापासुगामगुरुधामसुखखानीहै ॥ भावनअशुद्धशब्द
कासरेशकालिकासीपालिकासुशब्दनाममालिकावषानीहै॥ ३१ ॥ दोहा॥ सज्ज
नवंदसुहाविनी मनभाविनीतमाम॥भावननिर्मितहेतुतेहि भन्योभाविनीनाम॥
॥ ३२ ॥ वृत्तललितपदवीशत्रय तेरहकवितकहाय ॥ प्रगटचारुत्रयचौपई छ
प्पयचारिसुहाय ॥ ३३ ॥ द्वादशशतरुपचाशइक दोहाछंदसुजान ॥ तेरहशत
षटरहितइम सबहीवृत्तवषान ॥ ३४ ॥ वसुविक्रमनिधिविधुवर्ष इषपूर्णिमाप्र

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

काश ॥ नामदामपूरनरची साधुभावनादास ॥ ३५॥ इ तिश्रीभावनादासेननि
र्मितायांभाविनीनाममालायांतृतीयकांडःसमाप्तः॥ ३॥ ॥ ७॥ ॥ ७॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शुद्धिपत्र

	अशुद्ध	शुद्ध
पान ३ पृ० द्वि० ओ० ९	आणिमा	अणिमा
पान ४ पृ० प्र० ओ० ९	कुबेर पुलस्त	कुबेर धनद
पान ४ पृ० द्वि० ओ० १०	दृढउदगाढ	दृढ उदगाढ
पान १२ पृ० द्वि० ओ० १३	कारुएप	कारुण्य
पान १८ पृ० द्वि० ओ० ९	मव्यम	मध्यम
पान ३१ पृ० प्र० ओ० १३	चचुं	चंचु
पान ५४ पृ० द्वि० ओ० १०	उन्मा थ	उन्माथ
पान ७६ पृ० प्र० ओ० ११	अंग्नि	अग्नि
पान ७७ पृ० द्वि० ओ० १	अंडभय	अंडउभय
पान २ पृ० द्वि० ओ० ११	ललिपदछंद	ललितपदछंद
पान ४ पृ० द्वि० ओ० ५	स्फटस्फुट	स्पट स्फुट
पान १० पृ० प्र० ओ० ११	वंशनक	वंशनके
पान १६ पृ० द्वि० ओ० १	जोये	जोय
पान २९ पृ० द्वि० ओ० ५	दुरकर	दुस्कर
पान ४७ पृ० प्र० ओ० ९	वस्फार	विस्फार
पान ७६ पृ० प्र० ओ० ६	विबम	विषम
पान ७७ पृ० प्र० ओ० २	बध	बंध

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥इतिभाविनीनाममालासमाप्ता॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

[OrderDescription]
,CREATED=22.06.20 16:49
,TRANSFERRED=2020/06/22 at 17:10:30
,PAGES=168
,TYPE=STD
,NAME=S0003201
,Book Name=M-2917-BHAVININAM MAS
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF
,FILE19=00000019.TIF
,FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF
,FILE31=00000031.TIF
,FILE32=00000032.TIF
,FILE33=00000033.TIF
,FILE34=00000034.TIF
,FILE35=00000035.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE36=00000036.TIF
,FILE37=00000037.TIF
,FILE38=00000038.TIF
,FILE39=00000039.TIF
,FILE40=00000040.TIF
,FILE41=00000041.TIF
,FILE42=00000042.TIF
,FILE43=00000043.TIF
,FILE44=00000044.TIF
,FILE45=00000045.TIF
,FILE46=00000046.TIF
,FILE47=00000047.TIF
,FILE48=00000048.TIF
,FILE49=00000049.TIF
,FILE50=00000050.TIF
,FILE51=00000051.TIF
,FILE52=00000052.TIF
,FILE53=00000053.TIF
,FILE54=00000054.TIF
,FILE55=00000055.TIF
,FILE56=00000056.TIF
,FILE57=00000057.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE58=00000058.TIF
,FILE59=00000059.TIF
,FILE60=00000060.TIF
,FILE61=00000061.TIF
,FILE62=00000062.TIF
,FILE63=00000063.TIF
,FILE64=00000064.TIF
,FILE65=00000065.TIF
,FILE66=00000066.TIF
,FILE67=00000067.TIF
,FILE68=00000068.TIF
,FILE69=00000069.TIF
,FILE70=00000070.TIF
,FILE71=00000071.TIF
,FILE72=00000072.TIF
,FILE73=00000073.TIF
,FILE74=00000074.TIF
,FILE75=00000075.TIF
,FILE76=00000076.TIF
,FILE77=00000077.TIF
,FILE78=00000078.TIF
,FILE79=00000079.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE80=00000080.TIF
,FILE81=00000081.TIF
,FILE82=00000082.TIF
,FILE83=00000083.TIF
,FILE84=00000084.TIF
,FILE85=00000085.TIF
,FILE86=00000086.TIF
,FILE87=00000087.TIF
,FILE88=00000088.TIF
,FILE89=00000089.TIF
,FILE90=00000090.TIF
,FILE91=00000091.TIF
,FILE92=00000092.TIF
,FILE93=00000093.TIF
,FILE94=00000094.TIF
,FILE95=00000095.TIF
,FILE96=00000096.TIF
,FILE97=00000097.TIF
,FILE98=00000098.TIF
,FILE99=00000099.TIF
,FILE100=00000100.TIF
,FILE101=00000101.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE102=00000102.TIF
,FILE103=00000103.TIF
,FILE104=00000104.TIF
,FILE105=00000105.TIF
,FILE106=00000106.TIF
,FILE107=00000107.TIF
,FILE108=00000108.TIF
,FILE109=00000109.TIF
,FILE110=00000110.TIF
,FILE111=00000111.TIF
,FILE112=00000112.TIF
,FILE113=00000113.TIF
,FILE114=00000114.TIF
,FILE115=00000115.TIF
,FILE116=00000116.TIF
,FILE117=00000117.TIF
,FILE118=00000118.TIF
,FILE119=00000119.TIF
,FILE120=00000120.TIF
,FILE121=00000121.TIF
,FILE122=00000122.TIF
,FILE123=00000123.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE124=00000124.TIF
,FILE125=00000125.TIF
,FILE126=00000126.TIF
,FILE127=00000127.TIF
,FILE128=00000128.TIF
,FILE129=00000129.TIF
,FILE130=00000130.TIF
,FILE131=00000131.TIF
,FILE132=00000132.TIF
,FILE133=00000133.TIF
,FILE134=00000134.TIF
,FILE135=00000135.TIF
,FILE136=00000136.TIF
,FILE137=00000137.TIF
,FILE138=00000138.TIF
,FILE139=00000139.TIF
,FILE140=00000140.TIF
,FILE141=00000141.TIF
,FILE142=00000142.TIF
,FILE143=00000143.TIF
,FILE144=00000144.TIF
,FILE145=00000145.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE146=00000146.TIF
,FILE147=00000147.TIF
,FILE148=00000148.TIF
,FILE149=00000149.TIF
,FILE150=00000150.TIF
,FILE151=00000151.TIF
,FILE152=00000152.TIF
,FILE153=00000153.TIF
,FILE154=00000154.TIF
,FILE155=00000155.TIF
,FILE156=00000156.TIF
,FILE157=00000157.TIF
,FILE158=00000158.TIF
,FILE159=00000159.TIF
,FILE160=00000160.TIF
,FILE161=00000161.TIF
,FILE162=00000162.TIF
,FILE163=00000163.TIF
,FILE164=00000164.TIF
,FILE165=00000165.TIF
,FILE166=00000166.TIF
,FILE167=00000167.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE168=00000168.TIF
,

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection